रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 137] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 9, 2003/भाद्र 18, 1925
No. 137] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 9, 2003/BHADRA 18, 1925

## दि इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 2003

### परिषद् की रिपोर्ट

**फा. सं. 104/31/लेखा.**—इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया की परिषद्

**1. प्रस्तावना**

इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इण्डिया की परिषद् कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 18 उपधारा (5) की अपेक्षाओं के अनुरूप 31 मार्च 2003 को समाप्त इंस्टीट्यूट के कामकाज से संबंधित अपनी 23वीं वार्षिक रिपोर्ट और इसके साथ लेखापरीक्षित लेखा–विवरण एवं इन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करती है।

**2. आई.सी.एस.आई में घटनाएं**

**2.1 विजन और मिशन वक्तव्य**

परिषद् ने तीन घटनाओं को मानते हुए विजन और मिशन वक्तव्यों को स्वीकारा है, अर्थात् निगम प्रशासन, वैश्वीकरण और तकनॉलाजी।

**विजन वक्तव्य**

"कार्पोरेट गवर्नेंस में व्यावसायिक विशिष्टिकरण के विकास में वैश्विक नेतृत्व का होना।"

**मिशन वक्तव्य**

"उच्च प्रतिभाशाली व्यावसायिक विकसित जारी रखना जिससे अच्छी कार्पोरेट गवर्नेंस और प्रभावकारी अनुसंधान को कार्यान्वित करना और 'प्रोएक्टिव' अनुसंधान तथा सभी प्रकार के शेयरहोल्डर के रूचि के संरक्षण को विकसित करना, जिससे लोकहित को योगदान मिल सके।"

**2.2 परिषद् ढांचा**

हमारे मिशन में अधिकतम प्रभावकारी और कार्यकुशलता को प्रभावकारी बनाना, जो एक नए प्रकार का ढांचा हो, जिसे 18 जून 2003 से प्रभावी बनाया गया हो। हमारे मूल क्षेत्र पर विशेष रूप से ध्यान देने के लिए निम्नलिखित नए अनुभागों को तैयार किया गया है :

- अन्तर्राष्ट्रीय मामले
- कार्पोरेट गवर्नेंस
- प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव
- समन्वित (सरकारी और संस्थान)
- प्रोग्राम प्रबंधन
- ओ एण्ड एम कल्याणकारी

**2.3 आई.सी.एस.आई. तथा नीसीट, हैदराबाद के बीच सहमति पत्र**

इंस्टीट्यूट ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्माल इंडस्ट्री एक्सटेंशन ट्रेनिंग (नीसीट) के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए है, जो भारत सरकार के साथ लघु उद्योग मंत्रालय की एक संस्था है और जो प्रशिक्षण, अनुसंधान और कार्यकारी कार्यसमिति व्यावसायिक के विकास के लिए अनुसंधान तथा सूचना सेवाएं को फैलाने का कार्य करती है और साथ ही कार्पोरेट लॉज, कार्पोरेट गवर्नेंस तथा लघु उद्योग उद्यमों द्वारा कानूनी अनुपालन के क्षेत्र में प्रशिक्षण के अभिलाषी अकादमिशियनों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करती है।

**2.4 निवेशक क्लिनिक्स**

यह इंस्टीट्यूट सभी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को निवेशक क्लिनिक्स की स्थापना के लिए बना है। इन क्लिनिक्स में विभिन्न विषयों पर निवेशकों को परामर्श देने के लिए कम्पनी सचिवों के पैनल होते हैं

जिनमें वे शेयरों और अन्य शेयरों के अन्तरण, पोषण, नामांकन, निवेशकों के अधिकार तथा विभिन्न प्रकार की शिकायतों के लिए उपलब्ध विभिन्न फोरम, मानकीकृत फार्मेट की उपलब्धि, निवेशक शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन तथा पुस्तिकाओं/प्रचार पत्र भी प्रकाशित करती है।

### 2.5 कौंसिलर्स

इंस्टीट्यूट ने क्षेत्र/नगर/मोफासिल कस्बों में कौंसिलर्स भी नियुक्त किए हैं, जहां सदस्यों और विद्यार्थियों की कम संख्या होने के कारण शाखाएं तथा सेटेलाइट शाखाएं स्थापित नहीं की जा सकती हैं, परन्तु जहां पर व्यवसाय के लिए विकास की पर्याप्त सम्भावनाएं है। इस प्रकार के कौंसिलर्स इंस्टीट्यूट तथा विद्यार्थियों के बीच एक सेतु का काम कर सकते हैं।

### 2.6 व्यावसायिक सहायता केन्द्र

विद्यार्थियों और नए मेम्बरों के लिए अपनी समस्याएं सुलझाने के लिए व्यावसायिक सेवा केन्द्र स्थापित करने का फैसला किया गया है। इस सहायता केन्द्र में ऐसे विशेषज्ञ/सदस्य होंगे जो अकादमिक पूछताछ का उत्तर देने को तैयार होंगे, वे परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यार्थियों की मदद करने को तैयार होंगे तथा व्यावसायिक मामले में नए सदस्यों को सामान्य रूप से मार्गनिर्देशन देने को भी तैयार होंगे।

## 3 परिषद् में विकास

### 3.1 कम्पनी (संशोधन) विधेयक, 2003

सरकार ने 7 मई, 2003 को राज्य सभा में कम्पनी (संशोधन) विधेयक, 2003 को प्रस्तुत किया है। इसमें वर्तमान प्रेक्टिस सचिवों के लिए व्यापक क्षेत्र बनाने तथा कम्पनी सचिवों के लिए नए क्षेत्र खोलने की शुरूआत करने के लिए कहा है। इस संदर्भ में, केवल सूचीबद्ध कम्पनियों पर लागू वार्षिक रिटर्न (विवरण) को हस्ताक्षर करने की गुंजाइश बढ़ जाएगी, जिसे अब सभी सार्वजनिक कम्पनियों सहित अधिक व्यापक बनाया जा रहा है। विधेयक में दस्तावेजों का पूर्व–प्रमाणीकरण की व्यवस्था है, जिसे रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज के पास फाइल करना होता है अथवा किसी भी प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव द्वारा कम्पनी एक्ट 1956 के अधीन किसी भी कानूनी अथारिटी प्रदान करनी पड़ती है। विधेयक में सरकार द्वारा यथा निर्धारित किसी कम्पनी के प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव द्वारा आयोजित किसी कम्पनी के सचिवीय लेखा परीक्षा के लिए सरकार से अधिकार प्राप्त कर सकता है। सरकार ने स्वयं भी यह अधिकार लेने का प्रस्ताव किया है जिसके अन्तर्गत धारा 233ए के अधीन कुछ शर्तों के साथ सचिवीय लेखा आदेश दे सके। विधेयक में अधिनियम की धारा 383ए के अन्तर्गत समग्र रूप से पूर्णकालिक नियोजन में कम्पनी सचिव की गैर–नियुक्ति के बारे में कम्पनी के पास उपलब्ध रक्षा को रद्द करने का प्रस्ताव भी है। यह भी प्रस्ताव है कि सम्बन्धित सचिवों सहित निर्दिष्ट व्यवसाय को चलाने वाली पचास व्यक्तियों की एक पार्टनरशिप फर्म का गठन किया जा सकता है। कौंसिल को आशा है कि यह विधेयक शीघ्र पास हो जायेगा।

### 3.2 कम्पनी अधिनियम 1956 में हाल में संशोधन

कम्पनी (संशोधन) अधिनियम 2002 और कम्पनी (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2002 के लागू हो जाने के बाद कम्पनी सचिवों के अवसर कहीं अधिक बढ़ गए हैं।

#### कम्पनी (संशोधन) अधिनियम 2002

कम्पनी (संशोधन) अधिनियम 2002 में यह व्यवस्था है कि प्रत्येक तीन साल तक लगातार वित्त वर्ष में पांच करोड़ रूपये से अधिक की औसत वार्षिक टर्नओवर रखने वाले को प्रत्येक उत्पादक कम्पनी को पूर्णकालिक सचिव रखना आवश्यक होगा, जिसके लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सचिव ऑफ इण्डिया का सदस्य होना आवश्यक होगा।

#### कम्पनी (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2002

कम्पनी (द्वितीय संशोधन) अधिनियम 2002 में निर्धारित है कि कम से कम 15 साल का अनुभव वाले व्यक्ति को पूर्णकालिक रूप से प्रेक्टिसरत सचिव को राष्ट्रीय कम्पनी लॉ ट्राइब्यूनल के तकनीकी सदस्य के रूप नियुक्त किया जा सकता है। इस संशोधन अधिनियम में किसी प्रेक्टिस कम्पनी सचिव को यह अधिकार देता है कि वह राष्ट्रीय कम्पनी लॉ ट्राइब्यूनल अथवा अपीलीय ट्राइब्यूनल के समक्ष आवेदक अथवा आवेदक के रूप में पेश हो सकता है। इस संशोधन में यह भी निर्धारित है कि औपचारिक परिसमापक की नियुक्ति के लिए व्यावसायिक के रूप में पैनल में कम्पनी सचिवों को शामिल किया जा सकता है। यह भी निर्धारित है कि ट्राइब्यूनल की मंजूरी के साथ औपचारिक परिसमापक के साथ ही साथ कम्पनी सचिव की अपनी ड्यूटी के दायित्व का भी कार्यनिर्वहन कर सके।

## 4. परिषद् तथा दूसरी समितियां

### 4.1 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

19 जनवरी 2003 को परिषद् की 136वीं बैठक में 19 जनवरी 2003 से एक वर्ष के लिए उत्तरी क्षेत्र के श्री पवन कुमार विजय को अध्यक्ष और पश्चिमी क्षेत्र के श्री केयूर एम. बख्शी को उपा–अध्यक्ष चुना गया। परिषद् से 2002–2003 के लिए इंस्टीट्यूट के प्रेजीडेण्ट के रूप में श्री एस. गंगोपाध्याय द्वारा अमूल्य सेवाएं प्रदान करने के लिए उनकी सराहना की।

### 4.2 परिषद् की बैठक

समिति के विभिन्न बैठकों के अलावा परिषद् ने इस वर्ष के दौरान 8 बैठकें आयोजित कीं।

### 4.3 समितियों का गठन

परिषद् द्वारा गठित विभिन्न स्थायी समितियों, विशेषज्ञ ग्रुपों और परामर्शी बोर्डों का विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'क' में दिया गया है।

### 4.4 परिषद् तथा समितियों की बैठकों में उपस्थिति

परिषद् तथा स्थायी समितियां तथा अस्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति का ब्यौरा परिशिष्ट 'ख' में दिया गया है।

## 5. क्षेत्रीय परिषदें और परिषदें

### 5.1 क्षेत्रीय परिषदें

चारों क्षेत्रीय परिषदों ने बड़े उत्साह और जोश से अपनी गतिविधियां और कामकाज को चला कर परिषद् को अपना समर्थन और सहायता देना जारी रखा। क्षेत्रीय परिषदों ने व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाएं, एस.एम.टी. कार्यक्रमों, मौखिक शिक्षण कक्षाओं, विद्यार्थी मार्गनिर्देशी बैठकों, अध्ययन सर्किल बैठकों और क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया और कैरियर मेलों में भाग लिया। ये परिषदें पुस्तकालयों को भी व्यापक रूप से अद्यतन रखने, समाचार–बुलेटिन प्रकाशित करने और आंकड़े रखते हुए रोजगार सेवाएं प्रदान करने, सदस्यों और विद्यार्थियों को जानकारी देने, इंस्टीट्यूट के प्रकाशनों का बिक्री करने का काम भी कर रही हैं।

31 मार्च 2003 को प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद् की रिजर्व और अधिशेष राशि तथा सदस्यों और विद्यार्थियों की संख्या नीचे दी गई है:

| मद | पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद् | उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् | दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद् | पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् |
|---|---|---|---|---|
| वित्तीय स्थिति अधिशेष (रू0) | 174940 | 1057927 | 59481 | 813690 |
| सामान्य रिजर्व (रू0) | 1025962 | 5643263 | 616774 | 2872241 |
| नियमित विद्यार्थियों की संख्या | | | | |
| 31–03–2003 को | 12875 | 26779 | 21228 | 24844 |
| 31–03–2002 को | 15840 | 32087 | 23238 | 27223 |
| 2002–03 के दौरान कमी का प्रतिशत | (–)18.72 | (–)16.54 | (–)8.65 | (–)8.74 |
| फाउंडेशन पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की संख्या | | | | |
| 31 मार्च 2003 को | 3903 | 10916 | 4368 | 7016 |
| 31 मार्च 2002 को | 3874 | 10887 | 4464 | 6781 |
| 2002–03 के दौरान वृद्धि/कमी का प्रतिशत | (+)0.75 | (+)0.27 | (–)2.15 | (+)3.47 |
| सदस्यों की संख्या | | | | |
| 31 मार्च 2003 को | 1703 | 4815 | 3929 | 5107 |
| 31 मार्च 2002 को | 1630 | 4423 | 3713 | 4859 |
| 2002–03 के दौरान वृद्धि का प्रतिशत | (+)4.48 | (+)8.87 | (+)5.82 | (+)5.10 |

### 5.2 शाखायें

वर्ष के दौरान रायपर सेटेलाइट शाखा को पूरे दर्जे की शाखा का दर्जा दिया गया। पश्चिमी भारत क्षेत्रीय शाखा में नवी मुम्बई को नई शाखा के रूप में स्थापित किया गया, जिससे कुल शाखाओं की संख्या 39 बन गई। सभी शाखाओं ने विद्यार्थियों को मौखिक शिक्षण, उनको प्रशिक्षण देने, उनके लिए व्यावसायिक तथा अनवरत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करने, नियमित रूप से न्यूज बुलेटिन प्रकाशित करने तथा लाइब्रेरी सुविधाएं आदि सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियां सम्पन्न की।

आज तक जिन शाखाओं के अपने कार्यस्थल हैं उनके नाम इस प्रकार हैं:– अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, डोम्बीवली, गाजियाबाद, गोआ, हैदराबाद, इन्दौर, जयपुर, कानपुर, कोची, मदुरई, मंगलौर, पूणे, सूरत और वडोदरा।

### 5.3 सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार

वर्ष 2001 के सर्वोत्तम शाखा पुरस्कार अहमदाबाद में 30वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में निम्नलिखित शाखाओं को दिये गये:

**सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा पुरस्कार : बंगलौर**
**श्रेणी–क्रम सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखायें**

| | | |
|---|---|---|
| ए–1 | : | हैदराबाद |
| 'बी' | : | जयपुर |
| 'सी' | : | भुवनेश्वर |
| 'डी' | : | नागपुर |
| 'ई' | : | त्रिचुरापल्ली |

### 5.4 सैटेलाइट शाखाएं

आज की तारीख में निम्नलिखित स्थानों पर 21 सैटेलाइट शाखाएं काम कर रही है :

उत्तर – आगरा, अजमेर, इलाहाबाद, बरेली, ब्यावर, भीलवाड़ा, देहरादून, जम्मू, जोधपुर, मेरठ, वाराणसी, और यमुना नगर

दक्षिण – कालीकट, हुबली–धारवाड़, कोट्टयम, सेलम, त्रिचुर और विजयवाड़ा

पश्चिम– औरंगाबाद, नासिक, और राजकोट

वर्ष के दौरान सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए सभी शाखाओं ने विभिन्न सैटेलाइट शाखाओं में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इंस्टीट्यूट की सेटेलाइट शाखाओं पर इंस्टीट्यूट की अध्ययन सामग्री, जर्नल और अन्य प्रकाशन उपलब्ध कराए गए।

## 6 अकादमिक और व्यावसायिक विकास

### 6.1 कार्यक्रम

#### 6.1.1 34वां स्थापना दिवस समारोह

इंस्टीट्यूट 4 अक्तूबर 2002 को नई दिल्ली में एक भव्य रूप में 34वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। श्री विनोद ढल, आइ.ए.एस., तत्कालीन सचिव, कम्पनी मामलों के विभाग, वित्त तथा कम्पनी मामलों के मंत्रालय ने 'कार्पोरेट सिटीजनशिप–विजन फार दि यूचर्स' विषय पर स्थापना दिवस समारोह पर लेकचर दिया।

#### 6.1.2 कम्पनी सचिव का 30वां राष्ट्रीय कंवेशन

'रिपोसिशनिंग दि प्रोफेशन इन दि चेंजिंग इंटरनेशनल बिजसेंस एंवायर्नमेंट', विषय पर कम्पनी सचिव के 30वें नेशनल कंवेशन आयोजित किया गया था, जिसे अहमदाबाद में 13–15 नवम्बर 2002 को बड़ी सफलतापूर्वक मनाया गया। महामहिम श्री सुन्दर सिंह भण्डारी, माननीय

गुजरात के राज्यपाल ने इस कंवेशन का उद्घाटन किया। सेबी के चेयरमैन श्री जी.एन. वाजपेयी ने विशेष सम्बोधन किया तथा जीडस केडिला ग्रुप ऑफ कम्पनी के चेयरमैन तथा मैनजिंग डायरेक्टर श्री पंकज पटेल ने प्रमुख भाषण दिया। माननीय श्री बी.एन. कृपाल, भूतपूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया ने समापन भाषण दिया तथा हिज होलीनेस स्वामी चितात्मानंदा ने विशेष तौर पर समापन भाषण दिया।

### 6.1.3 प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन

मुम्बई में 19–20 अप्रैल, 2002 को प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन 'न्यू एवेन्यूज – अपार्चुनीटिज फार एक्सीलेंस' विषय पर आयोजित किया गया।

### 6.1.4 कार्पोरेट गवर्नेंस में सर्वोत्तम पुरस्कार के रूप में दूसरा आई.सी.एस.आई. राष्ट्रीय एवार्ड

31 दिसम्बर 2002 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में 'एक्सीलेंस इन कार्पोरेट गवर्नेंस तथा लाइफ टाइम एचीवेमेंट एवार्ड फार ट्रास्लेटिंग एक्सीलेंस इन कार्पोरेट गवर्नेंस इंटू रियलिटी' में दूसरा सर्वोत्तम आई.सी.एस.आई. एवार्ड प्रदान किया गया। माननीय भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री भैरो सिंह शेखावत ने माननीय जस्टिस श्री एम.एन. वेंकैटा चलैया, भूतपूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया और चेयरमैन, जूरी, श्री विनोद ढल, भूतपूर्व सचिव, कम्पनी मामलों के विभाग, जूरी सदस्य तथा प्रतिष्ठित विशिष्ट जनों, सदस्यों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति में बांटा गया।

**सर्वोत्तम गवर्नड कम्पनी एवार्ड**

**प्राइवेट एवार्ड**

| | |
|---|---|
| डॉ0 रेड्डी लेबोरेट्रीज लि0, हैदराबाद | टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लि0 मुम्बई |
| चेयरमैन– डॉ0 के. अंजलि रेड्डी | श्री आर. एन. टाटा |
| सचिव – श्री एस. क्रे. नायर | श्री जे. सी. भाम |

**पब्लिक सेक्टर**

आई बी पी कम्पनी लि0 कोलकता

| | |
|---|---|
| चेयरमैन | श्री एम.एस. रामाचन्द्रन |
| कम्पनी सचिव | श्री अमित घोष |

**2002 वर्ष के लिए 'विनय ऑफ सेकेण्ड आई सी एस आई लाइफ टाइम एचीवमेंट एवार्ड फार ट्रांस्लेटिंग एक्सीलेंसइन कार्पोरेट गवर्नेंस इंटू रियलिटी**

डॉ0 वाई के हामीद
चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर
सिपला लि0, मुम्बई

वर्ष जुलाई 2002 के लिए जूरी की अध्यक्षता भूतपूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया माननीय जस्टिस श्री एम.एन. वेंकैटा चलैया ने की। जूरी के अन्य सदस्य इस प्रकार थे :

| जूरी सदस्यों के नाम | पदनाम |
|---|---|
| एम.बी. अत्रेय (डॉ0) | प्रबंधन सलाह |
| जी.एन. वाजपेयी | अध्यक्ष सेबी |
| नरेश कुमार | भूतपूर्व केबिनेट सचिव |
| पी.के. चौधरी | प्रबंध निदेशक, आई.सी.आर.ए. लि0 |
| विनोद ढल | पूर्व सचिव, कम्पनी मामलों का विभाग, भारत सरकार |
| एस. गंगोपाध्याय | प्रेजीडेण्ट, दि.आइ.सी.एस.आई |
| आबिद हुसैन (डॉ0) | प्रोफेसर एमीरीटस, आई.आई.एफ.टी. |
| टी.एन. कपूर (प्रो0) | भूतपूर्व वाइस–चांसलर |
| एस.एस. कोहली | अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, पंजाब नेशनल बैंक |
| बृज मोहन लाल मुंजल | अध्यक्ष और प्रबंधन निदेशक, हीरो होण्डा मोटर्स लि0 |
| टी.एस. कृष्णामूर्ति | भारत के चुनाव आयुक्त |
| रवि नारायण | प्रबंध निदेशक और सी.ई.ओ., एन.एस.ई. लि0 |
| नन्दन एम. निलेकानी | सी.ई.ओ., अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, इंफोसिस तकनॉलाजिक लि0 |
| पी.एल. संजीव रेड्डी (डॉ0) | निदेशक, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन और भूतपूर्व सचिव, भारत सरकार |
| आर.वी. शाही | भारत सरकार के सचिव, विद्युत मंत्रालय |

### 6.1.5 विद्यार्थियों के लिए अखिल भारतीय कार्यक्रम

वर्ष 2002–03 वित्तीय वर्ष के लिए अखिल भारतीय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

| क्षेत्र/शाखा | | कार्यक्रम का नाम |
|---|---|---|
| पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद् | : | विद्यार्थी राष्ट्रीय सम्मेलन |
| उत्तर भारत क्षेत्रीय परिषद् | : | अखिल भारतीय एलोक्युन कम्पीटिशन |
| पूणे शाखा | : | अखिल भारत कम्पनी लॉ पहेली कार्यक्रम |

### 6.1.6 श्री अरूण जेटली को मानदेय फैलो सदस्यता प्रदान करना

इंस्टीट्यूट ने श्री अरूण जेटली, माननीय कानून, न्याय और वाणिज्य तथा उद्योग को एक भारी सभा में 24 अप्रैल 2003 को नई दिल्ली में मानदेय फैलो सदस्यता प्रदान की जिसमें तत्कालीन माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री श्री राजीव प्रताप रूढ़ी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई तथा तत्कालीन कम्पनी मामलों के विभाग के तत्कालीन सचिव श्री विनोद ढल, सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा अनेक सदस्य भी उपस्थित थे।

## 6.2 व्यावसायिक कार्यक्रम

### 6.2.1 व्यावसायिक विकास तथा अनवरत शिक्षा

व्यावसायिक विकाय कार्यक्रम तथा ऐसे ही अन्य गतिविधियों के माध्यम से इंस्टीट्यूट ने अपने सदस्यों को अनवरत शिक्षा देने, कार्पोरेट तथा व्यापार मामलों संबंधी दूरगामी और बार–बार होने वाले परिवर्तनों के बारे में अद्यतन करने का प्रयास किया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए आठवां व्यावसायिक विकास अनवरत शिक्षा तथा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम रखे गए है जिनमें समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 30वां राष्ट्रीय कंवेशन तथा चौथा प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव का राष्ट्रीय सम्मेलन भी शामिल है।

### 6.2.2 व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में अनिवार्य उपस्थिति

परिषद् ने हमारे सदस्यों की ज्ञान तथा निपुणता के नियमित अद्यतन करने के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में अनिवार्य उपस्थिति

के लिए मार्गनिर्देशन जारी किए हैं। आरम्भ में प्रेक्टिसिंग सदस्यों के लिए अनिवार्यतः उपस्थिति रखी गई है तथा अन्य सदस्यों के लिए अनुशंसात्मक रखी गई है।

### 6.3 प्रकाशन

#### 6.3.1 सचिवीय मानक और मार्गनिर्देशन नोट्स

वर्ष 2000–2001 में एक अद्वितीय और परिवर्तनकारी प्रयास शुरू किया गया है, जिसमें कार्पोरेट सेक्टर में विभिन्न सचिवीय प्रेक्टिस प्रचलन को समामेलित, संगत तथा मानकीकृत बनाने के लिए सचिवीय मानक बोर्ड का गठन किया गया है। वर्ष 2001–02 में सचिवीय में "बोर्ड मीटिंग पर सचिवीय मानक" नाम से प्रथम सचिवीय मानक–एस.एस–1 जारी किया गया है।

दूसरा सचिवीय मानक एस.एस.–2 नाम से "साधारण सभा के बारे में सचिवीय मानक" से परिषद् द्वारा सचिवीय मानक बोर्ड द्वारा गठित इस वर्ष जारी किया गया है।

तीसरा सचिवीय मानक एस.एस.–3 नाम से "लाभांश संबंधी सचिवीय मानक" तथा सचिवीय मानक बोर्ड द्वारा गठित गाइडेंस नोट तथा परिषद् द्वारा अनुमोदित जारी किया गया है, जिसे 'सेबी' के चेयरमैन श्री जी.एन. वाजपेयी ने 22 मई 2003 को जारी किया था। नए मानक का प्रयास है कि लाभांश के घोषणा तथा भुगतान के बारे में मानक के नए निर्धारित सैट रखे जाए।

इंस्टीट्यूट ने डायरेक्टर मंडल की बैठक पर गाइडेंस नोट्स, पोस्टल बैलट द्वारा प्रस्ताव को पारित करना तथा वर्ष भर में साधारण सभा को जारी करना है।

निकट भविष्य में सचिवीय मानक और/या गाइडेंस नोट्स के बारे में गठन के लिए एस.एस.बी. द्वारा चिन्हित विषय इस प्रकार के होंगे–शेयरों का तबादला और पारेषण, शेयरों का पुनः खरीद करना, बोनस शेयर, निवेशक सर्विसिंग तथा डायरेक्टर की रिपोर्ट। सचिवीय मानक बोर्ड के उप–ग्रुपों ने क्षेत्रीय परिषदों के स्तर पर गठित किया है ताकि सचिवीय मानकों की प्रारम्भिक ड्राट की तैयारी की जा सके।

आज बहुत सी कम्पनियां स्वैच्छिक रूप से सचिवीय मानक अपने काम काज में अपना रही है। वर्ष 2002–2003 में जारी अनेक कम्पनियों की वार्षिक रिपोर्ट में एस.एस.–1 तथा एस.एस.–2 नाम से सचिवीय मानकों के अनुपालन के संबंध में 'डिस्क्लोजर' भी शामिल है। कार्पोरेट सेक्टर द्वारा सचिवीय मानक को अपनाने के बारे में सचिवीय प्रेक्टिस की गुणवत्ता पर पर्याप्त निहितार्थ भी रहेगा ताकि अधिक से अधिक उनका तुलनात्मक अध्ययन हो सके।

#### 6.3.2 चार्टर्ड सेक्रेटरी

पिछले 32 साल से इंस्टीट्यूट मासिक जर्नल प्रकाशित कर रहा है, जिसका 33वें वर्ष में इसकी प्रकाशन की संख्या 26000 से भी अधिक है। चार्टर्ड सेक्रेटरी को विभिन्न कवार्टर से अनेक सराहना पत्र प्राप्त हुए हैं; इसे यह सराहना उद्योग, वाणिज्य या व्यापार से हर तरफ से मिले हैं, जिसमें समसामयिक विषय पर अनेक सूचनाप्रद लेखों को गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन किया जाता है, साथ ही तुरन्त ही सरकारी अधिसूचनाएं, कानूनी निर्णय आदि भी दिए जाते हैं। यह जर्नल इंस्टीट्यूट, इसके सदस्यों तथा अन्य लोगों के बीच संचार के दौरान जर्नल ने के रूप में कार्य करता है। 2002–03 के दौरान जर्नल ने निम्नलिखित विषय पर विशेष अंक प्रकाशित किए है –

1. माध्यस्थ (अर्बिट्रेशन)
2. पर्यावरण (एंवारयमेंट)
3. अनुपालन/सचिवीय लेखापरीक्षा (कंम्पलांयस/सेक्रेटेरिएट आडिट)
4. डब्ल्यू.टी ओ तथा अन्तर्राष्ट्रीय वित्त (डब्ल्यू.टी.ओ. एंड इंटरनेशनल फिनांस)

सी डी पर प्रतिष्ठित जर्नल 'चार्टर्ड सेक्रेटरी' में सभी विशेष लेख तथा फीचर्स की एक अनुपालन रिपोर्ट भी जारी की गई है।

#### 6.3.3 कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्टिंग (माडल फार्मेट)

इंस्टीट्यूट के प्रकाशन "कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्टिंग (माडल फार्मेट)" को सेबी के चेयरमैन श्री जी.एन. वाजपेयी ने जारी किया। माडल फार्मेट में एक पुस्तिका है जिसमें सूचीबद्ध समझौते की धारा 49 में आवश्यक अपेक्षा पर आधारित है और कार्पोरेट गवर्नेंस पर रिपोर्ट की तैयारी के लिए सूचीबद्ध कम्पनियों द्वारा सीधे अपनाए जा सकते हैं। गुड कार्पोरेट गवर्नेंस की दिशा में बढ़ते हुए, यहां तक कि असूचीबद्ध सार्वजनिक समिति कम्पनियां भी इन माडल फार्मेटों का प्रयोग कर अपना डिस्कलोजर कर सकती है। कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्टिंग में इन माडल रिपोर्टों को अपनाते हुए गुड कार्पोरेट गवर्नेंस की अच्छी संस्कृति फैलेगी।

#### 6.3.4 निर्देशकों के मोनोग्राफ ऑफ पोजिशन, शुल्क तथा देयताएं

इंस्टीट्यूट ने 'निदेशकों के मोनोग्राफ ऑफ पोजीशन, शुल्क तथा देयताएं' को 1 मई 2002 को माननीय कानून, न्याय तथा कम्पनी मामलों के तत्कालीन केन्द्रीय मंत्रिमंडल श्री अरूण जेटली ने जारी किया। कम्पनी अधिनियम 1956 तथा अन्य विभिन्न विधानांगों के अधीन निदेशक के मोनोग्राफ से शुल्क तथा देयताएं को सूचित किया जाता है। कम्पनी के शेयरहोल्डरों और अन्य स्टॉकहोल्डरों के लिए उनकी ड्यूटीज तथा जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए विभिन्न कानूनों के प्रावधानों की अपेक्षित जानकारी से निदेशक को मोनोग्राफ से सुसज्जित करना होता है।

#### 6.3.5 अन्य प्रकाशनों को जारी करना

- ए गाइड टू कम्पनी सेक्रेटरी इन प्रेक्टिस
- रेफ्रेंसर आन दि कम्पनीज (एमेंडमेंट) बिल 2003
- रेफ्रेंस आन डब्ल्यू टी ओ एंड गेट्स
- बैकग्राउण्डर फ्राम दि फिथ राष्ट्रीय कांफ्रेंस फ़ार प्रेक्टिसिंग कम्पनी सेक्रेटरी
- ब्रेकग्राउण्डर फार दि 30थ नेशनल कंवेंशन ऑफ कम्पनी सेक्रेटरी
- ब्रेकग्राउण्डर फार नेशनल सेमीनार आन सिक्यूरिटीज लॉज एंड केपीटल मार्केट–दि रोड़ अहैड़।

### 6.4 नया पाठ्यक्रम

नए पाठ्यक्रम को 1 अक्तूबर 2001 से फाउण्डेशन कोर्स के लिए पहले ही लागू किया जा चुका है और इंटरमीडिएट कोर्स के लिए इसे 1 सितम्बर 2001 से लागू किया जा चुका है। नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत फाउण्डेशन और इंटरमीडिएट कोर्स के लिए दिसम्बर 2002 से शुरू किए जा चुके है। जिन विद्यार्थियों ने फरवरी 2003 में नए पाठ्यक्रम में इंटरमीडिएट कोर्स में से दोनों ग्रुपों में उत्तीर्ण कर लेते है और जो नए पाठ्यक्रम में स्विच ओवर कर लेते हैं, वे दिसम्बर 2003 में आयोजित नए पाठ्यक्रम के अधीन फाइनल कोर्स की प्रथम परीक्षा में बैठ सकते हैं। सभी विद्यार्थियों को सभी 9 पेपर के लिए पाठ्यक्रम के अधीन फाइनल कोर्स के लिए अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सकती है।

नए पाठ्यक्रम में संरचनात्मक और तकनॉलाजिकल परिवर्तन की झलक मिलती है जो विश्वभर मे व्यापारिक दृश्यावली को दर्शाती है। नए पेपर्स में सूचना प्रणाली और गुणात्मक तकनीक, प्रबंधन सूचना प्रणाली और कार्पोरेट संचार, प्रतिभूति विधि तथा वित्तीय बाजारों का विनियमन, प्रारूपण तथा कंवेंसिंग, प्रबंधन लेखापरीक्षा, खजाना और फोरेक्स प्रबंधन, कार्पोरेट पुनः संरचना – लॉ और प्रेक्टिस, बैंकिंग और बीमा – लॉ एंड प्रेक्टिस, डब्ल्यू.टी.ओ. – अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, संयुक्त उद्यम तथा विदेशी मुद्रा सहयोग, मानव संसाधन प्रबंधन तथा औद्योगिक सम्बन्ध जैसे विषय शामिल है।

## 7 कार्पोरेट अनुसंधान और प्रशिक्षण का केन्द्र

पिछले 3 वर्षों में आई.सी.एस.आई.–सी.सी.आर.टी. मे एक छवि बनाई है और अपनी अनुसंधान और प्रशिक्षण के जरिए एक ब्रांड बनाया है, जो उसकी गतिविधियों से संबंधित है। कार्पोरेट तथा इंस्टीट्यूट के अनुरूप वर्ष 2002–03 में वित्त वर्ष के दौरान सी.सी.आर.टी ने नए पहल–उपाए किए हैं तथा इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों तथा सदस्यों के लाभ के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए।

### 7.1 अनुसंधान गतिविधि

विभिन्न विषय पर आयोजित प्रायोजित अध्ययन संबंधी प्रचलन गतिविधि के रूप में आई.सी.एस.आई.–सी.सी.आर.टी. ने "आप्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ केपीटल मार्केट" संबंधी अध्ययन सामग्री की तैयारी के लिए इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स (आई.आई.बी) से नियतन को पूरा कर लिया है। स्टडी किट की भी खूब सराहना की है।

पूरे भारत में एस.बी.आई. की 40 शाखाओं को शामिल करते हुए 'रिकवरी एक्सपिरिंसज इन रेस्पेक्स ऑफ पर्सनल सेग्मेंट एडवांसज" के बारे में आई.सी.एस.आई–सी.सी.आर.टी. ने स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (एस. बी.आई) की ओर से अध्ययन पूरा कर लिया है।

एन.सी.ई. की अनुसंधान पहल–उपाए के अधीन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन.एस.ई.) के प्रस्ताव पर आधारित एन.एस.सी. निटी कम्पनीज द्वारा "कार्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटिज इंनीशिएटिव–कंटनेंट, इम्पलीमेंटेशन स्ट्रेटिज एंड इंपेक्ट" के आधार पर सी.सी.आर.टी. ने एक अध्ययन पूरा कर लिया है।

वर्ष 2002 में निदेशक–अनुसंधान, सी.सी.आर.टी ने इण्डियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद में नेशनल वर्कशाप आन माइक्रो–फिनांस में रिपोर्टर के रूप में आमंत्रण दिया था। सिडबी ने वर्कशाप को प्रायोजित तथा आयोजित किया था।

वर्ष के दौरान 6 ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण लगाए गए जिन्हें सी.सी. आर.टी संकाय मार्गनिर्देशन के अधीन विख्यात प्रबंध इंस्टीट्यूट ने प्रोजेक्ट किया था।

### 7.2 प्रशिक्षण कार्यक्रम

रेजीडेंशनल सेक्रेटेरियल माड्यूलर ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए विद्यार्थियों के लिए सी.सी.आर.टी. प्रशिक्षण पहल–उपायों के लिए एक नई गतिविधि शुरू की गई है। वर्ष के दौरान सी.सी.आर.टी. ने ऐसे 4 कार्यक्रम आयोजित किए हैं और इन कार्यक्रमों के बारे में लोगों में बड़ा उत्साह पाया जाता है। पूरे भारत से भागीदार आए हैं, विशेष रूप से गैर–महानगरों से इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भागीदारी रही है और इस प्रकार व्यावसायिक संकाय से विशेषज्ञों के साथ सलाह मशविरा का अवसर मिल पाया है। सामान्य एस.एम.टी.पी. कार्यक्रम के मूल विषयों के बारे में भागीदारों को डिनर से पूर्व के क्षेत्रों में सामान्य प्रबंधन, मानव–संबंधों, वित्तीय बाजारों आदि पर अनेक विषयों का खुलासा करने का मौका मिलता है। उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण के रूप में प्रातः सत्र में योग तथा चिंतन सत्र का लाभ भी मिल पाता है।

आई.सी.एस.आई.– सी.सी.आर.टी. ने 25 से 27 जुलाई 2002 तक डब्ल्यू टी ओ तथा आई.पी.आर के बारे में पश्चिमी भारत–क्षेत्रीय परिषद् के साथ रेजीडेंशयल संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करने का मौका भी मिला।

मूल विषयों के साथ क्षेत्रों में प्रचलन प्रशिक्षण गतिविधियों के रूप में भी सी.सी.आर.टी. ने जूनियर एक्जीक्यूटिव तथा कम्पनी सचिव/विद्यार्थियों के लिए प्रबंधन तथा मानव स्रोतों पर एक–दिन की कार्यशाला आयोजित की। इनमें 'मेनेजिंग फ्रंट आफिस' तथा 'अंडरस्टैडिंग पीपुल्स फार बेटर सी आर एम' पर कार्यशाला शामिल है।

सी.सी.आर.टी. ने वर्ष के दौरान हैडक्वार्टर तथा अन्य शाखाओं में सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिए "ग्रुमिंग फार सक्सेस" नाम के कार्यक्रम को आयोजित किया।

इण्डियन कम्पनी लॉ सर्विसेज (आई.सी.एल.एस.) जूनियर आफिसर्स के लिए दो हते का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह ऐसा पहला कार्यक्रम है जिसे सी.सी.आर.टी. ने इस तरंह का कार्यक्रम रखा और भविष्य में भी और ऐसे कार्यक्रम रखने की संभावना है।

केन्द्रीय बजट 2003–04 के तुरन्त बाद बजट पर एक पैनल चर्चा की गई।

## 8 सूचना तकनालॉजी

### 8.1 वेबसाइट

वेबसाइट के विभिन्न प्रकार के नये फीचर्स रखे गए हैं और दृश्य तथा महसूस करने संबंधी वैयक्तिकरण जैसे अन्य फीचर्स को विकसित किया है। कार्पोरेट गवर्नेंस में सर्वोत्तम द्वितीय आई.जी.आई राष्ट्रीय एवार्ड के बारे में प्रश्नावली के प्रति अच्छा प्रत्युत्तर मिला है, जिसे वेबसाइट पर फार्म के रूप में अच्छा समझा गया है।

### 8.2 गतिविधियों का कम्प्यूट्रीकरण

एक पत्राचार प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है जिसमें इंस्टीट्यूट के वेबसाइट और विभिन्न विभागों में संघटित करने की सुविधा मिल सकेगी। वेबसाइट के एफ.ए0एक्यू. अनुभाग में स्वयं ही अद्यतन आंकड़े इकट्ठे किए जा सकेंगे और इस प्रकार रूटीन पूछताछ की पर्याप्त संख्या घटेगी।

विद्यार्थियों तथा सदस्य सेवाओं का भी कम्प्यूट्रीकरण किया जा रहा है और वेबसाईट के साथ संघटित किया जा रहा है ताकि सदस्यों तथा विद्यार्थियों को अद्यतन स्टेट्स की जानकारी मिल सके।

क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं में कम्प्यूट्रीकरण और नेटवर्किंग को भी अधिक मजबूत किया जा रहा है।

## 9 सदस्य

### 9.1 नए प्रवेश

2002–03 वर्ष में 1095 एसोसिएट सदस्य तथा 180 फैलो सदस्यों को प्रविष्ट किया गया। 31 मार्च 2003 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर में 15554 सदस्य दर्ज थे, जिनमें से 11582 एसोसिएट और 3972 फैलो सदस्य थे। 31 मार्च 2003 को विदेशों में रहने वाले सदस्यों की संख्या 279 थी।

2002–03 वर्ष में 583 सदस्यों को प्रेक्टिस प्रमाण पत्र जारी किए गए। 31 मार्च 2003 को प्रेक्टिसरत प्रमाणपत्रधारियों की संख्या 2450 थी।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान परिषद् को 13 सदस्यों की मृत्यु की सूचना देते हुए दुख है।

### 9.2 सदस्यों की सूची

कम्पनी सचिव विनियमावली 1982 के विनियम 161 साथ पठित कम्पनी सचिव अधिनियम की धारा 19(3) के अनुसरण में 1 अप्रैल 2003 की स्थिति के अनुसार सदस्यों की सूची नियमित रूप से प्रति वर्ष प्रकाशित की जाती है जिसमें कुछ अतिरिक्त सूचनाएं दी जाती हैं—जैसे सदस्यों के निवास के पते, टेलीफोन नम्बर, फैक्स नम्बर और व्यावसायिक पते। सदस्यों को यह सूची उनके अनुरोध पर सप्लाई की जाती है। सूची में अतिरिक्त सूचनाएं दी गई है ताकि सदस्यों के बीच बेहतर संचार और सलाह मशविरा हो सके। इंस्टीट्यूट वेबसाइट पर सदस्यों की सूची भी उपलब्ध करा रहा है।

### 9.3 कम्पनी सेक्रेटरी बेनेवोलेंट फंड

31.3.2003 को कम्पनी सेक्रेटरी बेनेवोलेंट फंड की सदस्यता 3981 थी, जबकि 31 मार्च 2002 को यह सदस्यता 3793 थी। 31 मार्च 2003 को बनेवोलेंट फंड की पूंजीगत राशि और सामान्य राशि क्रमशः 104.25 लाख रूपये और 54.15 लाख रूपये थी जब कि 31 मार्च 2002 को क्रमशः यह राशि 99.30 लाख रूपये तथा 42.90 लाख रूपये थी।

### 9.4 सदस्यों को पहचान पत्र

इंस्टीट्यूट ने सदस्यों को फोटो पहचान पत्र जारी करने का निर्णय लिया है। इस प्रयोजन के लिए और सदस्यों के व्यापक डेटाबेस बनाने के लिए एक विस्तृत प्रोफार्मा के साथ ही पहचान पत्र का फार्म भी सभी सदस्यों को भेजने का निर्णय किया है। इस प्रोफार्मा के जरिए प्राप्त सूचना को व्यवसाय के विकास तथा वृद्धि के लिए सदस्यों की क्षमता का उपयोग करने के लिए किया जाएगा।

### 9.5 नियोजन

इंस्टीट्यूट ने इस वर्ष भी सदस्यों को नियोजन सहायता प्रदान करने के प्रयास जारी रखे हैं।

समाचार पत्रों, पत्रिकाओं तथा वेबसाइट सहित सभी संभावित स्रोतों से कम्पनी सचिव की रिक्तियों की पहचान करने के लिए प्रयास किए गए है और सदस्यों के बायो–डाटा को विभिन्न संगठनों के पास भेजा गया है। इसी प्रकार क्षेत्रीय परिषदों तथा शाखाओं ने भी सेवायें प्रदान की हैं। अनेक कैम्पस इंटरव्यूज भी आयोजित किए गए है, जिसमें कम्पनी सचिवों को मौके पर ही संगठनों को उन्हें चयन करने की सुविधा प्रदान की गई है। सदस्यों/नियोक्ताओं को आनलाइन पंजीकरण सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं।

### 9.6 पश्च–सदस्यता अर्हता कोर्स

पूंजीगत बाजार तथा वित्त सेवा के बारे में पश्च सदस्यता अर्हता कोर्स को और भी दुरूस्त बनाया जा रहा है। परिषद् ने अन्य ऐसी ही धारा में पश्च सदस्यता कोर्स को शुरू करने पर विचार भी कर रही है।

### 9.7 आई.सी.एस.आई.–आई.सी.एस.ए. सहमति पत्र

वर्ष के दौरान, 143 सदस्यों ने आई.सी.एस.आई.–आई.सी.एस.ए. सहमति पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी के रूप में दर्ज कराना चाहा। 31 मार्च 2003 तक आई.सी.एस.आई. के लिए दर्ज रजिस्ट्रेशन कराने वालों की कुल सदस्य संख्या 579 थी।

रिपोर्टाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट 8 बड़े शहरों में जून और दिसम्बर 2002 में अपने सदस्यों के लिए आई.सी.एस.ए. परीक्षा के लिए दो सत्रों में भाग लेने की व्यवस्था की है, जिनमें 130 सदस्यों ने भाग लिया है। इन दो सत्रों में आई.सी.एस.ए. परीक्षा पास करने वालों की संख्या 40 सदस्य थी जिनमें एक सदस्य ने डिस्टिंकशन के साथ तथा अन्य 43 सदस्यों ने मेरिट के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। आई.सी.एस.आई–आई.सी.एस.ए. सहमति पत्र के अन्तर्गत आई.सी.एस.आई. के विद्यार्थियों को दर्ज करने का अच्छा खासा अनुभव है, जो एक प्रोत्साहनकारी उत्साहवर्धक है।

31 मार्च 2003 तक आई.सी.एस.ए. परीक्षा के अनतर्गत 127 सदस्यों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

डब्ल्यू.टी.ओ. के अन्तर्गत गैट्स ने पूरे विश्व में व्यवसाय के लिए अवसरों तथा चुनौतियां प्रदान की है। वस्तुतः निराशावादी लोगों के लिए यह बड़ी चुनौती है तथा 'प्रोएक्टिव' तथा आगे की ओर देखने वाले व्यावसायिकों के लिए यह अवसर प्रदान करता है, इसलिए इंस्टीट्यूट इतने वर्षों से अपने सदस्यों के लिए उनकी क्षमताओं को निर्मित करने के लिए आवश्यक पहल की है। आई.सी.एस.ए. लन्दन के साथ सहमति पत्र एक ऐसा ही पहल–उपाए है, जो कम्पनी सचिवों के व्यवसाय की वैश्वीकरण की दिशा की ओर ले जाता है।

## 10 विद्यार्थी सेवाएं

### 10.1 पंजीकरण

#### नियमित कोर्स

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 17436 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया जबकि पिछले वर्ष 15918 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था। 31 मार्च 2003 को विद्यार्थियों की चालू पंजीकरण संख्या 85726 थी, जबकि 2002 में पिछली बार यह संख्या 98388 है।

#### फाउंडेशन पाठ्यक्रम में प्रवेश

रिपोर्टाधीन वर्ष में फाउण्डेशन पाठ्यक्रम में 11533 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि पिछले वर्ष 9891 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया था। वर्तमान फाउण्डेशन पाठ्यक्रम में 31.3.2003 को यह संख्या 26203 थी जबकि 31.3.2002 को यह संख्या 26006 थी।

### 10.2 लाइसेंसधारी

इस वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट ने 274 फाइनल उत्तीर्ण विद्यार्थी को लाइसेंसधारी आई.सी.एस.आई में प्रवेश दिया। 31 मार्च को जिन लाइसेंसधारी–आई.सी.एस.आई. की कुल वैध 540 थी।

### 10.3 शिक्षण

रिपोर्टाधीन वर्ष में मौखिक तथा डाक शिक्षण में विद्यार्थियों का 14850 शिक्षण समापन प्रमाण पत्र जारी किए गए जबकि पिछली बार शिक्षण समाप्ति पर 22932 प्रमाण पत्र जारी किए गए। ई–लर्निंग के आज के युग में और बढ़ते हुए आनलइन सी.सी. टेस्ट में शुरू किए जा रहे हैं। इससे विद्यार्थियों और इंस्टीट्यूट को दोनों को ही काफी समय और लागत की बचत होगी।

### 10.4 परीक्षाएं

#### परीक्षाओं का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष 2002–03 में जून और दिसम्बर 2002 में देश भर में 55 केन्द्रों पर पूरे देश में और एक केन्द्र विदेश (दुबई) में कम्पनी सचिवों की फाउण्डेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षायें आयोजित की गईं। दिसम्बर 2002 में फाउण्डेशन और इंटरमीडिएट परीक्षा नई पाठ्यक्रम के अनुसार रखी गई है और साथ ही पहली बार पुराने पाठ्यक्रम के साथ भी इस परीक्षा को रखा गया। जून और दिसम्बर 2002 की परीक्षाओं में बैठे क्रमशः 28856 और 30448 विद्यार्थियों में से क्रमशः विभिन्न परीक्षा में बैठने

के लिए नाम दर्ज कराए। 2002–03 में परीक्षाओं के विभिन्न स्तरों पर अपनी परीक्षा पूरी करने वालों का विवरण नीचे दिया गया है :–

**परीक्षा सत्र**

| परीक्षा सत्र | जून 2002 | दिसम्बर 2002 |
|---|---|---|
| फाउण्डेशन (पुराना पाठ्यक्रम) | 1412 | 316 |
| फाउण्डेशन (नया पाठ्यक्रम) | – | 528 |
| इंटरमीडिएट (पुराना पाठ्यक्रम) | 972 | 739 |
| इंटरमीडिएट (नया पाठ्यक्रम) | – | 46 |
| फाइनल | 646 | 614 |

परीक्षा परिणामों संबंधी आंकड़े इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ग' में दिए गए हैं।

**पश्च–सदस्यता अर्हता (पी.एम.क्यू.) परीक्षा का आयोजन**

इंस्टीट्यूट ने जून 2002 और दिसम्बर 2002 में 8 केन्द्रों–अर्थात्–अहमदाबाद, बंगलौर, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई और पुणे में पी.एम.क्यू. परीक्षा आयोजित कीं।

### 10.5 प्रशिक्षण

विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदत्त करने तथा गुणवत्तात्मक सुधार लाने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि गुरू–शिष्य परम्परा की भावना को लाने की व्यापक कार्य योजना शुरू की जाएं। इस कार्य–योजना में प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों को उनका नामांकन दर्ज तथा प्रायोजन दर्ज करना शामिल है, ट्रेनिंग ओरिएटेशन प्रोग्राम आयोजित करना, कैम्पस इन्टरन्यूज आयोजित करना, प्रशिक्षकों के साथ 25 घण्टे का व्यावसायिक विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षितियों आदि के साथ बैठक आयोजित करना शामिल है।

इस रिपोर्टाधीन वर्ष में 617 विद्यार्थियों ने 15 महीने का प्रबंधन प्रशिक्षण किया, 156 विद्यार्थियों ने 3.6 महीने का प्रेक्टिकल ट्रेनिंग कोर्स किया तथा 462 विद्यार्थियों ने प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव के साथ प्रशिक्षण कार्य पूरा किया।

**कम्पनी के/प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव की सूची बनाना**

इस रिपोर्टाधीन वर्ष में 145 कम्पनियों को 15 महीने के प्रशिक्षण के लिए सूचीबद्ध किया गया तथा 48 कम्पनियों को 3 महीने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध किया गया। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों को संख्या 206 थी।

**प्रशिक्षकों के साथ बैठक**

इस रिपोर्टाधीन वर्ष में तरह से तीन पूरी बैठकों का आयोजन प्रशिक्षकों के साथ किया गया। विभिन्न विषयों पर अध्ययन सामग्री बैठकों का आयोजन किया गया, जैसे सेबी और बाजार; प्रतिस्पर्धा कानून; प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों के लिए कम्पनी लॉ तथा कार्पोरेट गवर्नेंस में हाल की घटनाएं।

### 10.6 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एस.एम.टी.पी.)

**नियमित एस.एम.टी.पी.**

रिपोर्टाधीन वर्ष में क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं ने 29 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रमों (एसएमटीपी) का आयोजन किया जबकि पिछली बार 34 एस.एम.टी.पी. कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस रिपोर्टाधीन वर्ष में1146 विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक एसएमटीपी पूरा किया जबकि पिछली बार 1409 ने यह कार्यक्रम पूरा किया था।

**विशेष एस.एम.टी.पी.**

• यह देखा गया है कि कुछ विद्यार्थियों ने इंस्टीट्यूट की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और छूट हासिल करने के लिए अपेक्षित अनुभव प्राप्त कर लिया है, किन्तु अन्य दूसरी शर्तों के कारण 15 दिन का एस. एम.टी.पी. पूरा न कर पाने के कारण इंस्टीट्यूट की सदस्यता ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। इस कठिनाई को महसूस करते हुए इंस्टीट्यूट की परिषद् ने कम्पनी सचिवों के भाईचारे में शामिल होने के लिए इन उम्मीदवारों की मदद करने के लिए शनिवार तथा रविवार तथा अन्य दूसरी छुट्टियों को इनके लिए एस.एम.टी.पी. लगाने का निर्णय किया है, जो 2–3 महीने या अन्य साप्ताहिक दिनों की अवधि में लगाई जा सकती है, जिन्हें 15 दिन के लिए कार्य दिवस के पहले या बाद में लगाया जा सकता है।

रिपोर्टाधीन वर्ष मे पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद् तथा दक्षिण भारत क्षेत्रीय परिषद् ने इस तरह की विशेष एंस.एम.टी.पी. कक्षाएं लगाई हैं। उक्त एस.एम.टी.पी. में कुल 32 उम्मीदवारों ने इनका सफलतापूर्वक लाभ उठाया। उम्मीदवारों द्वारा इस कार्यक्रम की बहुमुखी सराहना हुई है।

**रेजीडेंशियल एस.एम.टी.पी.**

एस.एम.टी.पी. को और मजबूत करने के लिए तथा इसे और अधिक कारगर बनाने के लिए नवीं मुम्बई में सी.सी.आर.टी. ने चार रेजीडेण्डश्यल एस.एम.टी.पी. आयोजित किए, जिसमें 116 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

### 10.7 अखिल भारतीय पुरस्कार

जून और दिसम्बर 2002 की परीक्षाओं के लिए प्रेजीडेंट के अखिल भारतीय पुरस्कार निम्नलिखित विद्यार्थियों ने जीते हैं :

| सत्र/पाठ्यक्रम जून 2002 | नाम | केन्द्र |
|---|---|---|
| इंटरमीडिएट | विकास गुप्ता | दिल्ली |
| फाइनल | विशाल गुप्ता | कोलकता |
| दिसम्बर 2002 | | |
| इंटरमीडिएट | कार्तिक चेलप्पा | चेन्नई |
| फाइनल | (1) विजय धनुका | कोलकता |
| | (2) स्वर्णप्रधा श्रीनिवास (कुमारी) | चेन्नई |

पं0 नेहरू जन्म शताब्दी वार्षिक पुरस्कार दिल्ली के पंकज कुमार ने जीता। पुरस्कार विजेताओं के नाम तथा अखिल भारतीय पुरस्कार योजनाओं तथा क्षेत्रीय पुरस्कार योजनाओं के ब्यौरे इंस्टीट्यूट के बुलेटिनों 'स्टूडेंट कम्पनी सेक्रेटरी' और 'सी एस फाउण्डेशन कोर्स' में प्रकाशित किये गए।

**योग्यता प्रमाण पत्र/योग्यता छात्रवृत्तियां/वित्तीय सहायता**

जून 2002 सत्र की फाउण्डेशन परीक्षा में प्रथम सर्वोच्च 25 रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को और इंटरमीडिएट में 16 प्रथम सर्वोच्च रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को तथा फाइनल परीक्षाओं में 10 रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को योग्यता प्रमाण दिए गए। दिसम्बर 2002 में सत्र की पुराने तथा नए पाठ्यक्रम में प्रत्येक में फाउण्डेशन परीक्षा के प्रथम 25 सर्वोच्च रैंक पाने वाले परीक्षार्थियों को, इंटरमीडिएट परीक्षा में पुराने तथा नए पाठ्यक्रम में क्रमशः प्रत्येक में 15 और 10 प्रथम सर्वोच्च रैंक पाने वाले और फाइनल परीक्षा में प्रथम सर्वोच्च 10 रैंक पाने वाले को योग्यता प्रमाण पत्र दिए गए।

जून तथा दिसम्बर 2002 सत्र में आयोजित छात्रवृत्ति योजना के

अन्तर्गत क्रमशः फाउण्डेशन तथा इंटरमीडिएट परीक्षाओं के क्रमशः 15 प्रतिभाशाली परीक्षार्थियों को योग्यता छात्रवृत्तियां दी गई। इसी प्रकार योग्यता–व–साधन सहायता योजना के अधीन भी सुपात्र परीक्षार्थियों को वित्तीय सहायता दी।

## 11. जनसम्पर्क और कैटरिंग व्यवस्था

### 11.1 मीडिया कवरेज

पूरे वर्ष भर विभिन्न प्रकार की छवि निर्माण तथा कैरियर सम्बंधी गतिविधियों के लिए कम्पनी सचिवों के व्यवसाय के प्रति जानकारी तथा दृश्य–प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए कार्य हाथ में लिए गए। देश के हर कोने–कोने में प्रिंट और इलैक्ट्रानिक मीडिया में सी.एस. कोर्स तथा व्यवसाय को उजागर करने के लिए अधिक स्वीकार्यता को जारी रखने के लिए असंख्य मीडिया पहलों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया।

सभी प्रमुख पत्रों तथा राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा इलैक्ट्रानिक मीडिया में सी.एस कोर्स, विभिन्न व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, इंस्टीट्यूट समारोह, विभिन्न प्रकाशन आदि सम्बंधी प्रमुख प्रेस वक्तव्य प्रसारित किए गए।

### 11.2 इलैक्ट्रानिक मीडिया पर सी.एस. कार्यक्रम

दूरदर्शन पर ईवनिंग लाइव शो के दौरान कम्पनी सेक्रेटरी पर चार कार्यक्रम में सी.एस. कोर्स पर प्रसारित किए गए। आल इण्डिया रेडियो की युवावाणी कार्यक्रम में सी.एस. कार्स पर दो फोन–इन–कार्यक्रम प्रसारित किए गए। जैन टी.वी. पर दो अवसरों पर परीक्षार्थियों के लिए 'फोन–इन–कवेरिज' कार्यक्रम में सी.एस. कोर्स सम्बंधी 2 घण्टे का आनलाइन कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। 'कैरियर एज ए कम्पनी सेक्रेटरी' संबंधी एक घण्टे का कार्यक्रम ई–टी.वी. पर आधे घण्टे का कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

### 11.3 प्रिण्ट मीडिया में कैरियर फीचर्स

'कैरियर एज ए कम्पनी सेक्रेटरी' संबंधी विद्यार्थी समुदाय को सूचित करने के लिए अनेक कैरियर फीचर्स प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा मत्रिकाओं के विभिन्न संस्करणों में पूरे पृष्ठ की रंगीन शिक्षा कवर स्टोरीज के रूप में प्रकाशित की गई।

### 11.4 प्रेस सम्मेलन

इलाहाबाद, बंगलौर, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, नैल्लौर, पुणे, रांची, तिरूपति, वाराणसी तथा विशाखापतनम में अनेक प्रेस कांफ्रेंस की गई।

अहमदाबाद में 12 नवम्बर 2002 को 30वें राष्ट्रीय कंवेशन ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज के पृष्ठभूमि के रूप में एक प्रेस सम्मेलन का आयोजन किया गया। सभी प्रमुख व्यापारी पत्रों तथा अहमदाबाद में वर्नाकुलर दैनिकों में भी व्यापक समाचार कवरेज प्राप्त हुआ। नेशनल कंवेशन को भी अहमदाबद में गुजराती में तथा दूरदर्शन तथा अन्य स्थानीय टी वी चैनलों समेत सभी राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रिण्ट और इलेक्ट्रानिक मीडिया दोनों में ही पर्याप्त कवरेज हासिल हुई।

### 11.5 प्रेस इंटरव्यू

हिन्दू बिजनेश लाइन, इण्डियन एक्सप्रेस, बिजनेस स्टैण्डर्ड, इकॉनामिक टाइम्स, नवभारत टाइम्स, दैनिक भास्कर आदि अनेक पत्रों में कम्पनी सेक्रेटरी व्यवसाय संबंधी प्रेजीडेण्ट, सचिव तथा अन्य परिषद् सदस्यों के अनेक एक मात्र प्रेस इंटरव्यू प्रकाशित किए गए। पी.टी.आई और यूनीवार्ता में भी अनेक अतिरिक्त इंगलिश तथा हिन्दी समाचार पत्रों में भी व्यापक प्रेस कवरेज का प्रकाशन हुआ।

### 11.6 आई.सी.एस.आई. ब्रोचर

रंगीन ब्रोचर के रूप में सी एस पब्लिसिटी किट के रूप में सूचनात्मक ब्रोचर को अच्छी तरह से संशोधित किया गया और उसका फिर से डिजाइन तैयार किया। कैरियर फेयर के दौरान कैरियर परामर्श के लिए क्षेत्रीय परिषदों/शाखा कार्यालयों को ब्रोचर भेजे गए तथा मीडिया में भली भांति प्रचार हुआ।

## 12 वित्त

### 12.1 अधिशेष

इस समीक्षाधीन वर्ष में सामान्य रिजर्व में अन्तरित की गई व्यय से अधिक आय की अधिशेष राशि 185.47 लाख रूपये रही जबकि पिछले वर्ष 2001–02 में यह राशि 144.42 लाख रूपये थी।

### 12.2 रिजर्व

### (क) पूंजी रिजर्व

31 मार्च 2003 को सदस्यों से प्राप्त प्रवेश शुल्क के पूंजी रिजर्व की पूंजीकृत राशि 66.19 लाख रूपये थी, जबकि 31 मार्च 2002 को यह राशि 62.54 लाख रूपये थी।

### (ख) सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष 31 मार्च 2002 को जो रिजर्व 2313.20 लाख रूपये था, जो अब बढ़ कर 31 मार्च 2003 को 2519.70 लाख रूपये हो गई है।

### 12.3 सांविधिक लेखा परीक्षक

कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 की धारा 18(4) के अनुसरण में मैसर्स खन्ना एंड अन्नाधनम, चार्टर्ड एकाउंटेट्स, नई दिल्ली को 31 मार्च 2003 को समाप्त वर्ष के लिए इंस्टीट्यूट का सांविधिक लेखा परीक्षक पुनः नियुक्त किया गया। लेखा परीक्षक की रिपोर्ट लेखा विवरण के साथ प्रकाशित की गई है।

### 12.4 क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को पूंजीगत अनुदान और ऋण

इंस्टीट्यूट ने अपनी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को 31 मार्च 2003 तक अपना कार्यालय भवन लेने के लिए जो कुल अनुदान और ऋण दिया है उसका ब्यौरा इस प्रकार है:

| | | |
|---|---|---|
| (क) | अनुदान: | 122.71 लाख रूपये |
| (ख) | ऋण: | 265.49 लाख रूपये |

इंस्टीट्यूट का प्रयास है कि क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं द्वारा अपने काम काज के लिए भवन लेने के प्रयासों में उनकी सहायता करे। कुछ क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं ने अपने कार्यालय स्थल/भवन परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने के लिए सराहनीय प्रयास किये हैं। परिषद् इन क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा किये गये इन प्रयासों की प्रशंसा करती है।

## 13 मानव संसाधन विकास

आज के प्रतिस्पर्धी दृश्यावली में विद्यार्थियों तथा अन्य ग्राहकों के लिए कार्यकुशल तथा सस्ती सेवाओं के लिए मानव संसाधन के प्रभावशाली निष्पादन पर निर्भर करती है। इसलिए, इंस्टीट्यूट ने मानव संसाधन को सबसे बड़ी सम्पदा माना है और सदैव उत्पादकता में सुधार के लिए निपुणता, ज्ञान और प्रबंधन तकनीक में निरंतर सुधार करने पर जोर दिया है। इसीलिए ज्ञान को अद्यतन करने तथा समर्थता को विकसित करना

तथा मानव संसाधन को समर्थ बनाने पर, विशेष रूप से मानव संसाधन विभाग कार्यक्रमों पर जोर दिया गया है।

इस वर्ष, वाह्य एजेंसी द्वारा विभिन्न प्रकार के मानव संसाधन विभाग कार्यक्रमों पर ध्यान देने के लिए 46 अफसर/स्टाफ का आयोजन किया है। इसके अलावा टेलरमेड इन–हाउस प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया। इन–हाउस प्रोग्राम में कुल 141 अफसर/स्टाफ ने भाग लिया।

उत्पादन सुधार में सूचना टेकनालाजी के फलितार्थ को ध्यान में रखते हुए कम्प्यूटर के प्रयोग में अफसरों और स्टाफ की विकासशील तकनीक निपुणता के सम्बन्ध में विशेष रूप से जोर दिया गया है। अफसर तथा स्टाफ दोनों को इन–हाउस प्रशिक्षण दिया गया है ताकि वे कम्प्यूटर का उपयोग अपने दैनंदिन काम में कर सके।

## 14 कर्मचारी संबंध और कल्याण

सदैव यह दृढ़ विश्वास रहा है कि कर्मचारियों और नियोजक के बीच सद्भाव बनाए रखना ही विद्यार्थियों/सदस्यों और अन्य लोगों को कुशल तथा सस्ती सेवाएं प्रदान करने का मूल मंत्र है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पूरे वर्ष कर्मचारी संघ के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखे गऐ। कर्मचारी कल्याण की दिशा में कदम बढ़ाने के उपाए और कर्मचारियों को बेहतर काम करने के लिए उत्प्रेरित किया गया। भ्रमणकारी टूर सहित अनेक मनोरंजन कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किए जाते रहे। आई सी एस आई कर्मचारी संघ ने विद्यार्थियों/सदस्यों तथा अन्य ग्राहकों को कार्यकुशल तथा सस्ती सेवाएं प्रदान करने में पूरा भरसक प्रयास किया।

इन प्रयासों से सम्बद्धता की भावना पैदा करने नैतिक तथा समग्र कार्यकुशलतला में सुधार तथा इंस्टीट्यूट में कार्यकुशलता में मदद बढ़ाने में योगदान किया है।

## 15 सचिव

डॉ0 एस.पी. नारंग को इंस्टीट्यूट के सचिव के रूप में सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर 31 दिसम्बर 2002 को निवृत्त कर दिया गया। परिषद की दो दशकों तक सेवा करने पर परिषद् उनकी सेवाओं की सराहना करती है जिसमें लगभग एक दशक तक सेक्रेटरी के पद पर रह कर भी उन्होंने सेवा की। 1 जुलाई 2003 से श्री एन.के. जैन ने इंस्टीट्यूट के सचिव का कार्यभार संभाल लिया है।

## 16 आचार–शास्त्र, मूल्य और नैतिकता

व्यवसाय के रूप में एक विशिष्ट गुण आवश्यक होता है जिसमें तकनीकी निपुणता के निष्पादन का आचार–शास्त्रीय मानक का जुडाव भी आवश्यक होता है। व्यावसायिक एक विशेषज्ञता का अनन्य अभिरक्षक होता है, उसे आचार–शास्त्रीय तथा नैतिक मूल्यों का ध्यान रखना होता है और साथ ही अच्छे गुणों की परम्पराओं का भी ध्यान रखना होता है। कहीं अच्छी गहन अवधारणा और अधिक कर्त्तव्यनिष्ठ को पहचान कर कहीं अधिक मूल्य–क्रांति को बढ़ाने के लिए एक गतिशील आन्दोलन की आवश्यकता होती है ताकि सदस्य अच्छे व्यावसायिक नागरिक बन सकें। नरेश चन्द्र समिति ने इस पहलू पर कहीं अधिक जोर दिया है और साथ ही अनुशासन समिति के तेजी से निपटान पर भी सिफारिश की है। परिषद् ने भी इस समस्या पर ध्यान दिया है और उसने भी व्यावसायिक सदाचार संबंधी शिकायतों को तेजी से निपटान के बारे में प्रक्रिया को मजबूत करने तथा कम्पनी सेक्रेटरी 1980 में व्यापक रूप से फेर बदल का प्रस्ताव रखा है। परिषद् ने विभिन्न फर्मों के जरिये निरन्तर आधार पर प्रचार और बल देने पर जोर देता रहा है; यहां यह भी आवश्यक है कि व्यावसायिक नीति और नैतिक मूल्यों के अधिक से अधिक स्तर को बनाए रखा जाए और इंस्टीट्यूट के आचार–शास्त्र को पूरे भाव और भाषा के साथ अपनाया जाए।

## 17 भावी दृष्टिकोण

अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण, विधानांग सुधार, विज्ञान तथा तकनालाजी में प्रगति तथा स्वच्छ और पारदर्शी व्यापार आप्रेशन पर बल देने से कम्पनी सेक्रेटरी के पूरे कार्य–प्रोफाइल को बदल कर रख दिया है। आज कम्पनी सचिव न केवल अनुपालन अधिकारी है बल्कि वह कार्पोरेट प्लेयर है, रणनीतिकार और देश का कर्त्तव्यनिष्ठ अधिकारी है। इससे बदलाव की भाषा को समझना होता और साथ ही कार्पोरेट सेक्टर की प्रतिस्पर्धा डिफरेंशेटर के रूप में ज्ञान तथा निपुणता के अद्यतन स्तर की जरूरत भी होती है, जिसके बिना व्यावसायिक स्तर तथा नैतिक प्रेक्टिस पर समझौता करना पड़ सकता है।

## 18 आभार

परिषद् केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों और कार्यालयों और विशेष रूप से कम्पनी कार्य विभाग और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड 'सेबी' तथा अन्य नियामक प्राधिकरणों के प्रति उनके द्वारा इस वर्ष व्यवसाय और इंस्टीट्यूट की गतिविधियों के विकास में सहायता व मार्गदर्शन तथा समर्थन प्रदान करने के लिए आभार प्रगट करती है।

परिषद् विभिन्न राज्य सरकारों, वित्तीय/औद्योगिक/निवेश संस्थानों/सामान्य रूप से कार्पोरेट क्षेत्र, विभिन्न स्टाक एक्सचेंजों और विभिन्न चैम्बर्स आफ कामर्स और ट्रेड एसोसिएशनों तथा अन्य एजेंसियों के प्रति भी आभार प्रगट करती है, जिन्होंने इंस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवायें लेने और इनकी विशेषज्ञता को मान्यता प्रदान करने में लगातार रूचि दिखाई है।

परिषद् चेयरमैन तथा गैस्ट स्पीकर्स तथा विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिष्ठितों तथा सभी प्रमुख संगठनों की सराहना पेश करती है, जिन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में अपना योगदान कर तथा इंस्टीट्यूट के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी फैलाने में प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में अपना योगदान किया है।

परिषद् इंस्टीट्यूट के सचिवीय मानक बोर्ड और कोर ग्रुपों, कार्पोरेट गवर्नेंस एवार्ड तथा भूतपूर्व अध्यक्ष और परिषद् सदस्यों के जूरी मेम्बरों के प्रति भी अपना गहन आभार प्रगट करती है। परिषद्, प्रतिष्ठित सदस्यों तथा विद्यार्थियों क्षेत्रीय परिषद् और इनकी शाखाओं जिनमें सेटेलाइट शाखाएं भी शामिल हैं, द्वारा पूरे हृदय से प्रदान की गई सहायता और सहयोग के लिए तथा इंस्टीट्यूट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की पूरी प्रतिबद्धता तथा बड़ी निष्ठा की कर्तव्य की भावना का परिचय दिया।

परिषद् की ओर से

नई दिल्ली
तारीख : 19 जुलाई, 2003

**पवन कुमार विजय, अध्यक्ष**

[विज्ञापन III/IV/121/2003/असा.]

**परिशिष्ट 'क'**

## स्थायी और गैर–स्थायी समितियां तथा सलाहकार बोर्ड
## (बिन्दु 4.3 का अनुबंध)

**स्थायी समितियां**

1. स्थायी समितियां

1. पवन कुमार विजय, अध्यक्ष — चेयरमैन
2. जी गेहानी — सदस्य
3. यमल अश्विन कुमार व्यास — सदस्य

**2. परीक्षा समिति**

1. केयूर एम बख्शी, उपाध्यक्ष — चेयरमैन
2. गिरीश आहुजा, उपाध्यक्ष — सदस्य
3. महेश अनंत अठावले — सदस्य

**3. कार्यकारी समिति**

1. पवन कुमार विजय, अध्यक्ष — चेयरमैन
2. केयूर एम. बख्शी, उपाध्यक्ष — सदस्य
3. गिरीश आहुजा — सदस्य
4. एस. गंगोपाध्याय — सदस्य
5. आर. रवि — सदस्य

**गैर–स्थायी समितियां**

**4. पी.एम.क्यू. कोर्स समिति**

1. केयूर एम. बख्शी, उपाध्यक्ष — चेयरमैन
2. महेश अनंत अठावले — सदस्य
3. गिरीश आहुजा — सदस्य

**5 सी.सी.आर.टी प्रबंधन समिति**

1. पवन कुमार विजय, अध्यक्ष — चेयरमैन
2. केयूर एम. बख्शी, उपाध्यक्ष — सदस्य
3. गिरीश आहुजा — सदस्य
4. एस. गंगोपाध्याय — सदस्य
5. आर. नारायनन — सदस्य
6. आर. रवि — सदस्य
7. यमल अश्विन कुमार व्यास — सदस्य

**6. व्यावसायिक विकास कार्यक्रम**

1. पवन कुमार विजय, अध्यक्ष — चेयरमैन
2. गिरीश आहुजा — सदस्य
3. हेमंत आई. भट्ट — सदस्य
4. एच.एम. चोराडिया — सदस्य
5. आर. नारायनन — सदस्य
6. वी. श्रीधरन — सदस्य
7. यमल अश्विन कुमार व्यास — सदस्य

**7. प्रशिक्षण तथा शिक्षण सुविधा समिति**

1. केयूर एम. बख्शी, उपाध्यक्ष — चेयरमैन
2. महेश अनंत अठावले — सदस्य
3. एस. गंगोपाध्याय — सदस्य
4. पी.वी.एस. जगन मोहन राव (डॉ) — सदस्य
5. आर. रवि — सदस्य
6. हरीश के वैद्य — सदस्य

**8. प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव समिति**

1. वी. श्रीधरन — चेयरमैन
2. महेश अनंत अठावले — सदस्य
3. हेमंत आई. भट्ट — सदस्य
4. एच.एम. चोरारीया — सदस्य
5. आर. रवि — सदस्य
6. जी गेहानी — सदस्य

**9. विनियमन समिति**

1. हरीश के वैद्य — चेयरमैन
2. जी गेहानी — सदस्य
3. पी.वी.एस. जगन मोहन राव (डॉ) — सदस्य
4. आर. रवि — सदस्य
5. पल्लवी शर्राफ (श्रीमती) — सदस्य
6. वी. श्रीधरन — सदस्य

**10. नियोजन समिति**

1. आर. नारायनन — चेयरमैन
2. एच.एम. चोरारीया — सदस्य
3. हरीश के वैद्य — सदस्य

**11 सूचना तकनालाजी समिति**

1. पवन कुमार विजय, अध्यक्ष — चेयरमैन
2. केयूर एम. बख्शी, उपाध्यक्ष — सदस्य
3. हेमंत आई. भट्ट — सदस्य
4. शीला भीडे (डॉ0) — सदस्य

**12. अनुसंधान और प्रकाशन समिति**

1. एस. गंगोपाध्याय — चेयरमैन
2. एच.एम. चोरारीया — सदस्य
3. आर. नारायनन — सदस्य
4. पल्लवी शराफ (श्रीमती) — सदस्य
5. हरीश के वैद्य — सदस्य
6. वी. श्रीधरन — सदस्य
7. यमल अश्विन कुमार व्यास — सदस्य

**13. आई.सी.एस.आई. कार्पोरेट गर्वनेंउत्कृष्टता एवार्ड समिति**

1. एस. गंगोपाध्याय — चेयरमैन
2. गिरीश आहुजा — सदस्य
3. शीला भीडे (डॉ0) — सदस्य
4. एच.एम. चोरारीया — सदस्य
5. जी गेहानी — सदस्य
6. आर. नारायनन — सदस्य
7. आर. रवि — सदस्य

**14. अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य समिति**

1. पल्लवी शराफ (श्रीमती) — चेयरमैन
2. हेमंत आई. भट्ट — सदस्य
3. एस. गंगोपाध्याय — सदस्य
4. जी गेहानी — सदस्य
5. पी.वी.एस. जगन मोहन राव (डॉ) — सदस्य
6. हरीश के वैद्य — सदस्य

**15. समन्वय समिति**

| | | |
|---|---|---|
| 1 | पवन कुमार विजय, अध्यक्ष | चेयरमैन |
| 2 | केयूर एम. बख्शी, उपाध्यक्ष | सदस्य |
| 3 | गिरीश आहुजा | सदस्य |
| 4 | पी.बी.एस. जगन मोहन राव (डॉ) | सदस्य |
| 5 | यमल अश्विन कुमार व्यास | सदस्य |

**16. लेखा समिति**

| | | |
|---|---|---|
| 1 | गिरीश आहुजा | चेयरमैन |
| 2 | महेश अनंत अठावले | सदस्य |
| 3 | एच.एम. चोरारीया | सदस्य |
| 4 | जी गेहानी | सदस्य |
| 5 | आर. रवि | सदस्य |

**17. सचिवीय मानक बोर्ड**

| | | |
|---|---|---|
| 1 | एन. जे. एन. वजिफदार | चेयरमैन |
| 2 | बिपिन एस. आचार्य | सदस्य |
| 3 | ओ. पी. अग्रवाल | सदस्य |
| 4 | संजीव अग्रवाल | सदस्य |
| 5 | महेश अनंत अठावले | सदस्य |
| 6 | आर. एन. बंसल | सदस्य |
| 7 | एन. एल. भाटिया | सदस्य |
| 8 | पी. के. बिंदलिश | सदस्य (नामिति, सेबी) |
| 9 | एस. चन्द्रशेखरन | सदस्य |
| 10 | के. आर. चंदात्रे (डॉ0) | सदस्य |
| 11 | बी. पी. धनुका | सदस्य |
| 12 | एस. गंगोपाध्याय | सदस्य |
| 13 | के. एल. कामबोज | सदस्य (नामिति, डीसीए) |
| 14 | पी. बी. माधवन | सदस्य |
| 15 | टी. बी. नारायणस्वामी | सदस्य |
| 16 | बी. वी. रामनमूर्ति | सदस्य (नामिति, आई.सी.डब्ल्यू.ए.आई |
| 17 | के. सेतुरमन | सदस्य |
| 18 | जे. श्रीधर | सदस्य |
| 19 | एस. सी. वासुदेव | सदस्य |
| 20 | कमलेश एस. विकामसे | सदस्य (नामिति, आई.सी.ए.आई.) |
| 21 | अमित के. व्यास * | सदस्य |

* त्याग दे दिया

**18. सम्पादकीय सलाहकार बोर्ड**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | एस. बालासुब्रह्मणियम<br>पदेन अध्यक्ष, कम्पनी लॉ बोर्ड | चेयरमैन |
| 2. | बी.एस. भंडारी<br>निदेशक, योजना आयोग | सदस्य<br>सदस्य |
| 3. | वी.के. भसीन<br>संयुक्त सचिव, विधानांग विभाग,<br>विधि और न्याय मंत्रालय | सदस्य |
| 4. | जी.आर. भाटिया<br>अपर महानिदेशक, प्रतिस्पर्धा आयोग, भारत | सदस्य |
| 5. | रेनु बुद्धिराजा (श्रीमती)<br>अपर निदेशक (ई–गवर्नेंस) सूचना तकनीक मंत्रालय | सदस्य |
| 6. | रमेश चन्द्र<br>क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक | सदस्य |
| 7. | जी. गैहानी<br>परिषद् सदस्य, आई.सी.एस.आई. | सदस्य |
| 8. | दिलीप गोस्वानी<br>एडवोकेट | सदस्य |
| 9. | पियुष गुप्ता<br>क्षेत्रीय प्रबंधक, सेबी | सदस्य |
| 10. | श्रीनिवास इनजेती<br>निदेशक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय | सदस्य |
| 11. | यू.सी. नहाटा<br>क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी मामलों का विभाग | सदस्य |
| 12. | आर.एस. निगम<br>वाणिज्य और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर, तथा<br>निदेशक दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स<br>(सेवानिवृत्त), दिल्ली विश्वविद्यालय | सदस्य |
| 13. | आर.के. पाण्डे<br>भूतपूर्व, कार्यकारी निदेशक, दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज | सदस्य |
| 14. | बी.डी. विशनोय<br>कमिश्नर, आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल | सदस्य |
| 15. | आर. वासुदेवन<br>डी.आई.आई. कम्पनी मामलों का विभाग | सदस्य |

परिशिष्ट 'ख'

## परिषद्, स्थायी तथा अस्थायी समिति की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति का विवरण
(बिन्दु संख्या 4.4 का अनुबन्ध)

| क्रम सं. | परिषद् सदस्यों के नाम | परिषद | | कार्यकारी समिति | | अनुशासन समिति | | परीक्षा समिति | | व्यावसायिक विकास समिति | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति |
| 1 | पवन कुमार विजय | 8 | 8 | 7 | 7 | | | 3 | 3 | | |
| 2 | केयूर एम. बख्शी | 8 | 8 | 1 | 1 | | | 1 | 1 | | |
| 3 | गिरीश आहुजा | 8 | 7 | 7 | 5 | | | 1 | 0 | | |
| 4 | महेश अनंत अठावले | 8 | 8 | | | | | 4 | 4 | 3 | 3 |
| 5 | हेमंत आई. भट्ट | 8 | 1 | | | | | | | | |
| 6 | शिला भिडे (डॉ0) | 6 | 2 | | | | | | | | |
| 7 | एच. एम. चोराडिया | 8 | 7 | | | | | | | | |
| 8 | एस. गंगोपाध्याय | 8 | 8 | 7 | 6 | 5 | 4 | | | 3 | 3 |
| 9 | जी. गेहानी | 8 | 8 | | | 5 | 5 | | | 3 | 3 |
| 10 | पी.वी.एस. जगन मोहन राव (डॉ0) | 8 | 6 | 6 | 3 | | | | | 3 | 3 |
| 11 | राजीव महर्षि | 2 | 1 | | | | | | | | |
| 12 | आर. नारायनन | 8 | 8 | 6 | 6 | | | | | | |
| 13 | आर. रवि | 8 | 6 | 1 | 1 | | | 3 | 3 | 3 | 2 |
| 14 | पल्लवी शर्राफ (श्रीमती) | 8 | 2 | | | | | | | | |
| 15 | वी. श्रीधरन | 8 | 6 | | | | | | | | |
| 16 | हरीश के. वैद्य | 8 | 6 | | | | | | | 3 | 2 |
| 17 | यमल अश्विन कुमार व्यास | 8 | 3 | | | 5 | 3 | | | | |
| | | बैठक की तारीख 11.05.2002, 08.08.2002, 1.11.2002, 16.11.2002, 19.1.2003, 8/9.02.2003, 14.03.2003, 22.03.2003 | | बैठक की तारीख 02.04.2002, 29.06.2002, 14.08.2002, 4.10.2002, 31.10.2002, 30.12.2002, 13.03.2003 | | बैठक की तारीख 07.07.2002, 12.07.2002, 28.07.2002, 04.01.2003, 12.01.2003 | | बैठक की तारीख 25/26.04.2002, 18.08.2002, 19/20/27.10.2002, 18.02.2003 | | बैठक की तारीख 12.05.2002, 04.08.2002, 30.12.2002, | |

परिशिष्ट 'ख' (जारी)

| क्रम सं. | परिषद् सदस्यों के नाम | प्रशिक्षण तथा शिक्षा सुविधा समिति | | प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव समिति | | विनियम समिति | | पी.एम.क्यू कोर्स समिति | | नियोजन समिति | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति |
| 1 | पवन कुमार विजय | 3 | 3 | | | | | 2 | 2 | | |
| 2 | केयूर एम. बख्शी | 3 | 3 | 5 | 5 | | | | | | |
| 3 | गिरीश आहुजा | 3 | 1 | | | | | | | | |
| 4 | महेश अनंत अठावले | | | 6 | 6 | | | 2 | 2 | | |
| 5 | हेमंत आई. भट्ट | 3 | 0 | 1 | 0 | | | | | | |
| 6 | शिला भिडे (डॉ0) | | | | | | | | | | |
| 7 | एच. एम. चोराडिया | 3 | 3 | 6 | 6 | | | | | 2 | 2 |
| 8 | एस. गंगोपाध्याय | | | | | | | | | | |
| 9 | जी. गेहानी | | | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | |
| 10 | पी.वी.एस. जगन मोहन राव (डॉ0) | | | | | | | | | | |
| 11 | राजीव महर्षि | | | | | | | | | | |
| 12 | आर. नारायनन | | | | | 1 | 0 | | | 3 | 3 |
| 13 | आर. रवि | | | 1 | 0 | 1 | 0 | 2 | 1 | | |
| 14 | पल्लवी शर्राफ (श्रीमती) | | | | | 1 | 1 | | | | |
| 15 | वी. श्रीधरन | 3 | 3 | 6 | 6 | | | | | 3 | 2 |
| 16 | हरीश के. वैद्य | | | 5 | 4 | 1 | 0 | | | 3 | 3 |
| 17 | यमल अश्विन कुमार व्यास | 3 | 0 | | | | | | | | |
| | | बैठक की तारीख 12.05.2002, 02.08.2002, 30.12.2002 | | बैठक की तारीख 21.04.2002, 13.05.2002, 04.08.2002, 21.09.2002, 30.12.2002, 23.02.2003 | | बैठक की तारीख 27.05.2002 | | बैठक की तारीख 26.04.2002, 02.08.2002 | | बैठक की तारीख 12.05.2002, 03.08.2002, 1.11.2002 | |

परिशिष्ट 'ख' (जारी)

| क्रम सं. | परिषद् सदस्यों के नाम | सी.सी.आर.टी. प्रबंध समिति | | सूचना तकनीकी समिति | | अनुसंधान और प्रकाशन समिति | | कार्पोरेट गवर्नेंस से सर्वोत्तम के लिए आई.सी.एस.आई राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए उपस्थिति | | लेखा समिति | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति | सदस्य के कार्यकाल में आयोजन | उपस्थिति |
| 1 | पवन कुमार विजय | 1 | 1 | | | | | | | | |
| 2 | केयूर एम. बख्शी | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | |
| 3 | गिरीश आहुजा | | | | | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 |
| 4 | महेश अनंत अठावले | 1 | 0 | | | | | | | 1 | 1 |
| 5 | हेमंत आई. भट्ट | | | 1 | 0 | | | | | | |
| 6 | शिला भिडे (डॉ0) | | | | | | | | | | |
| 7 | एच. एम. चोराडिया | | | | | 1 | 0 | 2 | 2 | 1 | 1 |
| 8 | एस. गंगोपाध्याय | 1 | 1 | | | 1 | 1 | | | | |
| 9 | जी. गेहानी | | | | | | | 2 | 2 | 1 | 1 |
| 10 | पी.वी.एस. जगन मोहन राव (डॉ0) | 1 | 1 | | | | | 2 | 2 | | |
| 11 | राजीव महर्षि | | | | | | | | | | |
| 12 | आर. नारायनन | 1 | 1 | | | 1 | 0 | 2 | 2 | | |
| 13 | आर. रवि | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 0 |
| 14 | पल्लवी शर्राफ (श्रीमती) | | | | | 2 | 1 | 2 | 1 | | |
| 15 | वी. श्रीधरन | | | | | 1 | 0 | | | | |
| 16 | हरीश के. वैद्य | | | | | 1 | 1 | | | | |
| 17 | यमल अश्विन कुमार व्यास | 1 | 0 | 1 | 1 | 2 | 0 | 2 | 0 | | |
| | | बैठक की तारीख 27.04.2002 | | बैठक की तारीख 19.08.2002 | | बैठक की तारीख 12.05.2002, 13.03.2003 | | बैठक की तारीख 12.05.2002, 15.11.2002 | | बैठक की तारीख 02.08.2002 | |

**परिशिष्ट 'ग'**

## परीक्षा परिणामों के आंकड़े
## (मद सं. 10.4 का अनुबन्ध)
## जून 2002 का सत्र

| परीक्षा–स्तर | परीक्षार्थियों की संख्या | | | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| | नामांकित | बैठे | उत्तीर्ण | |
| फाउंडेशन | 4768 | 3952 | 1412 | 35.73 |
| इंटरमीडिएट* | | | | |
| – ग्रुप–1 | 9629 | 6245 | 1044 | 16.72 |
| – ग्रुप–2 | 8757 | 5731 | 972 | 16.96 |
| फाइनल# | | | | |
| – ग्रुप–1 | 3362 | 2450 | 837 | 34.16 |
| – ग्रुप–2 | 4604 | 3249 | 537 | 16.53 |

* इण्टरमीडिएट के दोनों ग्रुपों में 1520 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 118 ने परीक्षा पास की (7.76 प्रतिशत)।
# फाइनल के दोनों ग्रुपों में 744 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 84 ने परीक्षा पास की (11.29 प्रतिशत)।

## दिसम्बर 2002 का सत्र

| परीक्षा–स्तर | परीक्षार्थियों की संख्या | | | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| | नामांकित | बैठे | उत्तीर्ण | |
| फाउंडेशन (नया कोर्स) | 2242 | 1928 | 528 | 27.39 |
| फाउंडेशन (पुराना कोर्स) | 2046 | 1651 | 316 | 19.14 |
| इंटरमीडिएट (नया कोर्स)* | | | | |
| – ग्रुप–1 | 2928 | 2045 | 216 | 10.56 |
| – ग्रुप–2 | 1226 | 754 | 117 | 15.52 |
| इंटरमीडिएट (पुराना कोर्स)** | | | | |
| – ग्रुप–1 | 8556 | 5252 | 745 | 14.19 |
| – ग्रुप–2 | 7788 | 4822 | 596 | 12.36 |
| फाइनल# | | | | |
| – ग्रुप–1 | 3374 | 2359 | 838 | 35.52 |
| – ग्रुप–2 | 4954 | 3333 | 567 | 17.01 |

* इंटरमीडिएट (नए कोर्स) के दोनों ग्रुपों में 374 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 46 ने परीक्षा पास की (12.30 प्रतिशत)।

** इंटरमीडिएट (पुराने कोर्स) में दोनों ग्रुपों में 1551 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से दोनों ग्रुपों में 75 ने परीक्षा पास की (4.84 प्रतिशत)।

\# फाइनल के दोनों ग्रुपों में 741 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से दोनों ग्रुपों में कुल 87 ने परीक्षा पास की (11.74 प्रतिशत)।

## खन्ना एंड अन्नाधनम
## चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स
## लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

1. हमने इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के 31 मार्च 2003 के संलग्न तुलन पत्र तथा इसके साथ संलग्न उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखे का परीक्षण भी किया है और हमारी रिपोर्ट के ये वित्तीय इंस्टीट्यूट के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी सम्मति अभिव्यक्त करना है।

2. हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मान को के अनुसार की है। इन मानकों के अनुसार अपेक्षित है कि हम लेखापरीक्षा की योजना और निष्पादन इस प्रकार करें जिससे वित्तीय विवरणों के बारे में समुचित रूप से आश्वस्त हो सकें कि इन विवरणों में भौतिक रूप से गलत बयानी नहीं है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाविधि के सिद्धांतों के आकलन और प्रबंधन द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमान एवं समग्र रूप से वित्तीय विवरण प्रस्तुति को देखना भी शामिल रहता है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा में हमारी सम्मति के लिए युक्तिमुक्त आधार हैं।

3. उपर्युक्त पैराग्राफ (1) और (2) में उल्लिखित लेखापरीक्षा के आधार पर हमारी रिपोर्ट निम्नलिखित है:

(क) हमें वह सभी सूचनां और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए प्राप्त करने आवश्यक थे।

(ख) रिपोर्ट का संदर्भाधीन तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे रखी गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं।

(ग) जिस हद तक आदेशात्मक लेखांकन मानकों का अनुपालन लागू होता है, तदनुसार तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखे तैयार किए गए हैं।

(घ) हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार वित्तीय विवरण इनके साथ दी गई टिप्पणियों और लेखांकन नीतियों के पढ़ने पर निम्नलिखित के बारे में लेखे सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं:

(1) इंस्टीट्यूट के मामले से संबंधित 31 मार्च, 2003 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र के बारे में स्थिति।

(2) इंस्टीट्यूट के उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे में अधिशेष से संबंधित स्थिति

कृते खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
(के ए बालासुब्रह्मण्यन)
पार्टनर

स्थान : नई दिल्ली
तारीख : 19.07.2003

बाराखम्बा रोड : टेलीफोन: 91(11) 23315110, 23315119 • फैक्स: 91(11) 23739215
E-mail – khanna@del2.vsnl.net.in

आसफ अली रोड : 3/7–बी, द्वितीय तल, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110 002
टेलीफोन: 91(11) 23244061, 23244062, 23244003 • फैक्स: 91(11) 2324447

**दि इस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज़ आफ इण्डिया, नई दिल्ली**

**तुलन पत्र**

| विवरण | अनुसूची | 31 मार्च की स्थिति | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | 2003 | 2002 |
| | | रू0 | रू0 | रू0 |
| ***निधि का स्रोत*** | | | | |
| पूंजी रिजर्व | 1 | | 8,618,670 | 6,254,170 |
| सामान्य रिजर्व | 2 | | 251,969,702 | 231,320,275 |
| **योग** | | | **258,588,372** | **237,574,445** |

2567GI/03-3

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ***निधि का प्रयोग*** | | | | |
| स्थायी परिसम्पत्तियां: | 3 | | | |
| सकल ब्लाक | | 155,811,646 | | 151,185,068 |
| घटाएं: मूल्यह्रास | | 56,376,909 | | 49,405,896 |
| निवल ब्लाक | | 99,434,737 | | 101,779,172 |
| जोड़ें: भूमि क्रय और निर्माणाधीन भवन के लिए पेशगी | | 594,053 | | 594,053 |
| | | | 100,028,790 | 102,373,225 |
| निवेश | 4 | | 136,979,510 | 129,006,102 |
| चालू परिसंपत्तियां, ऋण और पेशगी | | | | |
| चालू परिसंपत्तियां | 5 | | | |
| निवेश पर उपचित ब्याज | | 11,484,896 | | 7,994,761 |
| हस्तगत स्टाक | | 5,626,763 | | 6,369,266 |
| विविध देनदार | | 1,120,022 | | 818,959 |
| नकदी और बैंक शेष | | 52,409,783 | | 35,470,895 |
| | | 70,641,463 | | 50,653,881 |
| ऋण और पेशगियां | 6 | 23,899,298 | | 22,069,128 |
| | | 94,540,761 | | 72,723,009 |
| घटायें: चालू देयतायें और प्रावधान | 7 | | | |
| देयताएं | | 40,112,105 | | 34,494,364 |
| प्रावधान | | 32,848,584 | | 32,033,507 |
| | | 72,960,689 | | 66,527,891 |
| निवल चालू परिसम्पत्तियां | | | 21,580,072 | 6,195,118 |
| **योग** | | | 258,588,372 | 237,574,445 |
| **लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरण पर टिप्पणियां** | 13 | | | |

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
खन्ना एंड अन्नाधनम
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
(के.ए. बालासुब्रह्मण्यन)
पार्टनर

कृते और परिषद् की ओर से

| (एस.के. अरोड़ा) | (एन.के. जैन) | (केयूर एम. बख्शी) | (पवन कुमार विजय) |
|---|---|---|---|
| संयुक्त निदेशक (वित्त तथा लेखा) | सचिव | उपाध्यक्ष | अध्यक्ष |

स्थान: नई दिल्ली
तारीख : 19.07.2003

## दि इस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज़ आफ इण्डिया, नई दिल्ली

## आय तथा व्यय लेखा

| | | 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए | |
|---|---|---|---|
| | | 2003 | 2002 |
| **विवरण** | **अनुसूची** | **रू0** | **रू0** |
| ***आय*** | | | |
| सदस्यों तथा विद्यार्थियों से शुल्क | 8 | 106,632,652 | 93,637,527 |
| प्रकाशनों की बिक्री | | 8,144,869 | 7,920,534 |
| जर्नल और बुलेटिन का चन्दा और विज्ञापन | | 3,095,218 | 2,690,053 |
| निवेश पर ब्याज (सकल) | | 19,270,687 | 17,619,646 |
| (स्रोत पर काटा गया कुल ब्याज–शून्य) | | | |
| कार्यक्रमों से आय | | 3,226,094 | 3,942,077 |
| वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियां (सीसीआरटी) | | 4,329,362 | 5,304,728 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं, वापसी हिसाब में लिया | | | 1,582,721 | 3,660,779 |
| अन्य आय | | 9 | 626,874 | 1,635,207 |
| **योग** | | | **146,908,477** | **136,410,551** |
| व्यय | | | | |
| स्थापना | * | 10 | 42,116,428 | 36,531,847 |
| डाक शिक्षण | | | 15,567,290 | 10,595,676 |
| प्रकाशन | | | 1,618,113 | 756,455 |
| कार्यालय स्टेशनरी | * | | 2,557,141 | 1,787,943 |
| जर्नल और बुलेटिन | | | 8,291,805 | 8,103,823 |
| परीक्षा | | | 9,606,204 | 8,650,042 |
| संचार | * | 11 | 3,212,578 | 3,484,068 |
| क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को अनुदान | | | 3,742,863 | 3,639,807 |
| क्षेत्रीय कार्यालय | | | 325,785 | 539,156 |
| यात्रा और सवारी | * | | 3,968,681 | 3,789,302 |
| विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां और पुरस्कार | | | 236,102 | 214,211 |
| व्यावसायिक विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण | ** | | 3,676,845 | 4,104,632 |
| वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियां (सीसीआरटी सहित) | | | 15,482,963 | 16,063,425 |
| अन्य व्यय | * | 12 | 10,584,182 | 9,476,475 |
| मूल्य ह्रास | | 3 | 5,320,502 | 6,010,972 |
| स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के लिए प्रावधान | | | — | 5,000,000 |
| छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान | | | 2,054,059 | 2,119,323 |
| निवेश के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान | | | — | 1,101,872 |
| | | | **128,361,541** | **121,969,029** |
| व्यय से अधिक आय जो सामान्य रिजर्व में ले जायी गई | | | 18,546,936 | 14,441,522 |
| **योग** | | | **146,908,477** | **136,410,551** |

* यह राशि वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों के लिए आवंटन के बाद की राशि है।

** इसमें डब्ल्यू आई आर सी अहमदाबाद शाखा को आवंटित 3,50,000 रूपए (पिछले वर्ष 1,75,468 रुपए) शामिल हैं।

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

**खन्ना एंड अन्नाधनम**

**चार्टर्ड एकांउटेंटस**

**(के.ए. बालासुब्रह्मण्यन)**

पार्टनर

कृते और परिषद की ओर से

| (एस.के. अरोड़ा) | (एन.के. जैन) | (केयूर एम. बख्शी) | (पवन कुमार विजय) |
|---|---|---|---|
| संयुक्त निदेशक | सचिव | उपाध्यक्ष | अध्यक्ष |
| (वित्त तथा लेखा) | | | |

स्थान: नई दिल्ली

**तारीख: 19.07.2003**

## पूंजी रिजर्व

अनुसूची–1

| विवरण | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| पिछले तुलन पत्र के अनुसार | | 6,254,170 | 5,818,270 |
| जोड़ें : प्रवेश शुल्क–एसोसिएट सदस्य | 328,500 | | 392,700 |
| –फैलो सदस्य | 36,000 | | 43,200 |
| | | 364,500 | 435,900 |
| योग | | **6,618,670** | **6,254,170** |

## सामान्य रिजर्व

अनुसूची–2

| विवरण | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| पिछले तुलन पत्र के अनुसार | | 231,320,275 | 216,423,643 |
| जोड़ें: –क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से भूमि/भवन के लिए अंशदान | 2,094,991 | | 247,610 |
| –सीधा निवेश | 7,500 | | 207,500 |
| –आय और व्यय लेखा से अन्तरित | 18,546,936 | | 14,441,522 |
| | | 20,649,427 | |
| योग | | 251,969,702 | 231,320,275 |

**स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची**

अनुसूची–3

| क्रम सं. | मद | सकल ब्लाक | | | | मूल्यह्रास | | | | निवल ब्लाक | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 1–4–2002 को लागत | वृद्धि | कटौतियां | 31–3–2003 को कुल लागत | 1–4–2002 को कुल जोड | वर्ष के दौरान | कटौतियां | 31–3–2003 को कुल जोड | 31.3.2003 की स्थिति | 31.3.2002 की स्थिति |
| 1. | पट्टे पर भूमि | 10474486 | 1562441 | – | 12036927 | – | – | – | – | 12036927 | 10474486 |
| 2. | भवन | 93358144 | 595970 | 768145 | 93185969 | 20993846 | 3599881 | 410212 | 24183515 | 69002454 | 72364298 |
| 3. | फर्नीचर और जुड़नार | 14114448 | 90930 | 1250 | 14204128 | 5536207 | 933364 | 339 | 6469232 | 7734896 | 8578241 |
| 4. | कम्प्यूटर नेटवर्क | 15770195 | 555864 | – | 16326059 | 12710582 | 1456301 | – | 14166883 | 2159176 | 3059613 |
| 5. | एयरकण्डीश्नर इंस्टालेशन और कूलर | 4759375 | 132944 | – | 4892319 | 2484143 | 371830 | – | 2855973 | 2036346 | 2275232 |
| 6. | बिजली के उपकरण | 2938674 | 1424099 | – | 4362773 | 1684111 | 412396 | – | 2096507 | 2266266 | 1254563 |
| 7. | कार्यालय यंत्र और संचार उपकरण | 5741033 | 1350275 | 262802 | 6828506 | 3126465 | 587300 | 149237 | 3564528 | 3263978 | 2614568 |
| 8. | अन्य उपकरण | 1144811 | 1250 | – | 1146061 | 472949 | 102231 | – | 575180 | 570881 | 671862 |
| 9. | पुस्तकालय की पुस्तकें | 2239082 | – | 54998 | 2184084 | 2067288 | 56095 | 51500 | 2071883 | 112201 | 171794 |
| 10. | वाहन | 644820 | – | – | 644820 | 330305 | 62903 | – | 393208 | 251612 | 314515 |
| | चालू वर्ष का योग | 151185068 | 5713773 | 1087195 | 155811646 | 49405896 | 7582301@ | 611288 | 56376909 | 99434737 | 101779172 |
| | पिछले वर्ष का योग | 146362798 | 4934270 | 112000 | 151185068 | 40884920 | 8596067 | 75091 | 49405896 | 101779172 | XXX |
| | पूंजी पेशगियां | | | | | | | | | | |
| 1. | भूमि (वित्तीय टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 2 देखें) | 300000 | – | – | 300000 | – | – | – | – | 300000 | 300000 |
| 2. | भवन (निर्माणाधीन) | 294053 | – | – | 294053 | – | – | – | – | 294053 | 294053 |
| | चालू वर्ष का जोड़ | 594053 | – | – | 594053 | – | – | – | – | 594053 | 594053 |
| | पिछले वर्ष का जोड़ | 1295878 | – | 701825 | 594053 | – | – | – | – | 594053 | XXX |

.@ 75,82,301 रूपये के कुल मूल्यह्रास में से 22,61799 रूपये की सी सी आर टी सम्बन्धी सभी परीसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों सम्बन्धी व्यय में डाल दिया गया है।

## निवेश–लागत पर

अनुसूची–4

| विवरण | देयता की दिनांक | 31.3.2002 की स्थिति | वृद्धि | विलोपन | 31.3.2003 की स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|
| **(क) मियादी जमा राशियां** | | | | | |
| नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन | | | | | |
| 9.5 प्रतिशत | 05/09/04 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| 9.5 प्रतिशत | 10/09/04 | 3,000,000 | - | - | 3,000,000 |
| 9.5 प्रतिशत | 20/09/04 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| 8 प्रतिशत | 16/09/05 | - | 5,000,000 | - | 5,000,000 |
| 7.5 प्रतिशत | 29/11/05 | - | 7,500,000 | | 7,500,000 |
| हाउसिंग एंड अर्बन डेवलेपमेंट कार्पोरेशन | | | | | |
| 12 प्रतिशत | | 3,000,000 | - | 3,000,000 | - |
| 12.5 प्रतिशत | 04/12/04 | 6,000,000 | - | - | 6,000,000 |
| 12 प्रतिशत | 07/01/05 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| 8.5 प्रतिशत | 07/10/07 | - | 3,000,000 | - | 3,000,000 |
| 10.5 प्रतिशत | 06/07/08 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| 10.5 प्रतिशत | 27/09/08 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| 10.5 प्रतिशत | 10/10/08 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| 12 प्रतिशत | 16/02/05 | 50,000 | - | - | 50,000 * |
| 10.5 प्रतिशत | 01/10/07 | 16,000 | - | - | 16,000 * |
| आई सी आई सी आई होम फिनांस (9.75 प्रतिशत) | 22/10/04 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट बैंक आफ इंडिया | | | | | |
| 10 प्रतिशत | 02/11/06 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| 10 प्रतिशत | 05/11/06 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| 10 प्रतिशत | 06/11/06 | 1,000,000 | - | - | 1,000,000 |
| **कुल योग (क)** | | 43,066,000 | 15,500,000 | 3,000,000 | 55,566,000 |
| **(ख) बंध पत्र** | | | | | |
| **आई.सी.आई.सी.आई बैंक लि0** | | | | | |
| (भूतपूर्व इंडस्ट्रियल एंड इवेस्मेंट कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0) | | | | | |
| (पिछले वर्ष 89) दस–दस हजार के 15.5 प्रतिशत शून्य बंध पत्र | | 890,000 | - | 890,000 | - |
| (पिछले वर्ष 1000) पांच–पांच हजार के 13.5 प्रतिशत 1000 बंध पत्र | 18/06/03 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| (पिछले वर्ष 1000) पांच–पांच हजार के 12.1 प्रतिशत शून्यबंध पत्र | | 5,000,000 | - | 5,000,000 | - |
| (पिछले वर्ष 10) एक–एक लाख के 11 प्रतिशत 10 बंध पत्र | 29/08/05 | 1,000,000 | - | - | 1,000,000 |
| (पिछले वर्ष 8) एक–एक लाख के 12.05 प्रतिशत 8 बंध पत्र | 02/09/05 | 800,000 | - | - | 800,000 |
| (पिछले वर्ष 20) एक–एक लाख के 12.15 प्रतिशत 20 बंध पत्र | 23/09/05 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| (पिछले वर्ष 60) एक–एक लाख के 12.1 प्रतिशत 60 बंध पत्र | 06/10/05 | 6,000,000 | - | - | 6,000,000 |
| (पिछले वर्ष 20) एक–एक लाख के 12.1 प्रतिशत 20 बंध पत्र | 09/10/05 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| (पिछले वर्ष 30) एक–एक लाख के 12 प्रतिशत 30 बंध पत्र | 23/10/05 | 3,000,000 | - | - | 3,000,000 |
| (पिछले वर्ष 100) एक–एक लाख के 12 प्रतिशत 100 बंध पत्र | 01/11/05 | 10,000,000 | - | - | 10,000,000 |
| (पिछले वर्ष 200) एक–एक लाख के 12.2 प्रतिशत 200 बंध पत्र | 19/11/10 | 20,000,000 | - | - | 20,000,000 |
| इंडस्ट्रियल फिनांस कार्पोरेशन आफ इण्डिया लि0 | | | | | |
| (पिछले वर्ष 800) पांच–पांच हजार के 16 प्रतिशत के 800 बंध पत्र | 06/09/03 | 4,000,000 | - | - | 4,000,000 |
| इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट बैंक आफ इंडिया | | | | - | |
| (पिछले वर्ष 600) दस–दस हजार के 14 प्रतिशत के 600 बंध पत्र | 05/10/05 | 6,000,000 | - | - | 6,000,000 |
| (पिछले वर्ष 800) पांच–पांच हजार के 14 प्रतिशत के 800 बंध पत्र | 16/11/05 | 4,000,000 | - | - | 4,000,000 |
| (पिछले वर्ष 55) एक–एक लाख के 12 प्रतिशत के 55 बंध पत्र | 04/10/05 | 5,500,000 | - | - | 5,500,000 |
| (पिछले वर्ष 85) एक–एक लाख के 12 प्रतिशत के 85 बंध पत्र | 16/11/07 | 8,500,000 | - | - | 8,500,000 |
| **योग (ख)** | | 83,690,000 | - | 5,890,000 | 77,800,000 |
| (ग) भारतीय यूनिट ट्रस्ट के यूनिट (यू.एस.–64 योजना के अन्तर्गत) | | | | | |
| 345983 यूनिट (पिछले वर्ष 345983) | | 5,621,129 | - | - | 5,621,129 |
| 10610 यूनिट (पिछले वर्ष 10610) | | 153,578 | - | - | 153,578 * |
| | | 5,774,707 | - | - | 5,774,707 |
| घटाएं : यूनिटों के मूल्य में कमी | | 3,524,605 | - | 1,363,408 | 2,161,197 @ |
| **योग (ग)** | | 2,250,102 | - | (1,363,408) | 3,613,510 |
| **महायोग (क+ख+ग)** | | 129,006,102 | 15,500,000 | 7,526,592 | 136,979,510 |

* पुरूस्कार एवार्ड के लिए निर्धारित (प्रति–पक्ष अनूसूची 7)

@ वित्तीय विवरणी के नोट 7 को देखें

अनुसूची–5

## चालू परिसम्पत्तियां

| विवरण | 31–3–2003 | | 31–3–2002 |
|---|---|---|---|
| निवेशों पर प्रोदभूत ब्याज | | 11,484,895 | 7,994,761 |
| स्टॉक (प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित, लिया गया और प्रमाणित किया गया) | | | |
| प्रकाशन | 213,191 | | 377,100 |
| कागज | 4,308,019 | | 5,110,246 |
| अध्ययन सामग्री | 315,499 | | 188,628 |
| अन्य | 790,054 | | 693,292 |
| | | 5,626,763 | 6,369,266 |
| विविध देनदार (असुरक्षित) | | | |
| राशि, जो छह महीने से अधिक समय से बकाया है। | | | |
| – जिनकी वसूली की संभावना है। | 247,042 | | - |
| – जिनकी वसूली की संभावना संदेग्ध है। | - | | 218,292 |
| | 247,042 | | 218,292 |
| अन्य (जिनकी वसूली की संभावना है) | 872,980 | | 600,667 |
| | | 1,120,022 | 818,959 |
| नगदी और बैंक शेष | | | |
| नकदी, चैक/ड्राफ्ट/पोस्टल आर्डर, डाक टिकट/फ्रैंकिंग यूनिट | 449,293 | | 401,729 |
| अनुसूचित बैंकों के पास | | | |
| बचत बैंक खातों में जमा | 9,125,507 | | 7,409,266 |
| अल्प अवधि/दीर्घ अवधि खातों में जमा (इसमें 12,677 रुपये (पिछले वर्ष 12,177 रुपये) की पुरस्कार प्रदान करने की राशि शामिल है) (प्रतिपक्ष–अनुसूची 7) * | 37,775,386 | | 25,679,199 |
| मियादी जमा पर प्रोद्भूत ब्याज: | 5,059,597 | | 1,980,701 |
| | | 52,409,783 | 35,470,895 |
| योग | | 70,641,463 | 50,653,881 |

* संयुक्त मियादी जमा के अन्तगर्त 1,21,11,187 रूपए शामिल है (पिछली बार 'शून्य')

अनुसूची–6

## ऋण और पेशगियां

| विवरण | | 31 मार्च 2003 | 31 मार्च 2002 |
|---|---|---|---|
| **ऋण:** | | | |
| भवनों के लिए क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को | | 17,330,865 | 17,839,405 |
| **पेशगियां** | | | |
| कर्मचारी (प्रोद्भूत ब्याज शामिल) | 1,925,241 | | 2,378,255 |
| क्षेत्रीय परिषदें–एस.आइ.आर.सी. | 1,750,000 | | - |
| अन्य | 1,216,898 | | 140,665 |
| | | 4,892,139 | 2,518,920 |
| पूर्व प्रदत्त व्यय | | 429,679 | 443,388 |
| विविध जमा राशियां | | 1,246,615 | 1,267,415 |
| योग | | 23,899,298 | 22,069,128 |

अनुसूची–7

## चालू देयतायें और प्रावधान

| विवरण | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| **देयतायें** | | | |
| अग्रिम प्राप्त राशियां | | | |
| – विद्यार्थियों से रजिस्ट्रेशन शुल्क | 22,418,175 | | 20,114,700 |
| – अन्य | 166,785 | | 124,431 |
| क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को देय राशि | 1,760,930 | | 2,535,166 |
| विविध लेनदार | 5,924,825 | | 4,894,621 |
| देय व्यय | 4,318,510 | | 4,110,360 |
| हितकारी निधि | | | |
| – कर्मचारी | 4,510 | | |
| – कम्पनी सचिव | (6897) | | 9,532 |
| पुरस्कार प्रदान करने के लिए | | | |
| जमा राशि (प्रति पक्ष–अनुसूची 4 और 5) | 232,255 | | 232,255 |
| न्यास | 5,293,012 | | 2,473,319 |
| | | 40,112,105 | 34,494,384 |
| **प्रावधान** | | | |
| छुट्टी नकद भुगतान | 8,261,227 | | 7,759,237 |
| स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना | 22,500,000 | | 22,500,000 |
| सम्पत्ति कर | 1,247,004 | | 1,235,917 |
| परिसम्पत्तियों को बट्टे खाते डालना | 840,353 | | 538,353 |
| | | 32,848,584 | 32,033,507 |
| योग | | 72,960,689 | 66,527,891 |

अनुसूची–8

## सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क

| | 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए | | |
|---|---|---|---|
| विवरण | 2003 | | 2002 |
| **सदस्य** | | | |
| वार्षिक शुल्क | 4,290,450 | | 4,162,790 |
| अन्य शुल्क | 24,350 | | 20,550 |
| | | 4,314,800 | 4,183,340 |
| **विद्यार्थी** | | | |
| पंजीकरण शुल्क | 18,072,195 | | 16,495,455 |
| छूट शुल्क | 3,409,897 | | 3,007,970 |
| डाक शिक्षण शुल्क | 55,939,156 | | 47,063,377 |
| परीक्षा शुल्क | 24,364,429 | | 22,189,969 |
| लाइसेंसधारी शुल्क | 145,225 | | 172,775 |
| अन्य शुल्क (पी एम क्यू सहित) | 386,950 | | 524,641 |
| | | 102,317,852 | 89,454,187 |
| योग | | 106,632,652 | 93,637,527 |

अनुसूची–9

## अन्य आय

| विवरण | 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए | |
|---|---|---|
| | 2003 | 2002 |
| कर्मचारी पेशगियों पर ब्याज | 227,425 | 232,467 |
| परिसंपत्तियों के निपटान से अधिशेष | - | 11,897 |
| निवेश पर प्रोत्साहन राशि | 154,400 | 390,130 |
| निवेश बिक्री पर लाभ | - | 442,500 |
| विविध | 157,919 | 496,533 |
| टैक्समैन पुस्तकों की बिक्री पर कमीशन | 87,130 | 61,680 |
| **योग** | **626,874** | **1,635,207** |

अनुसूची–10

## स्थापना

| विवरण | 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए | | |
|---|---|---|---|
| | 2003 | | 2002 |
| वेतन और भत्ते | | 37,337,969 | 34,555,135 |
| अंशदानः भविष्य निधिः | 2,166,606 | | 2,087,630 |
| उपदान निधि | 4,420,647 | | 1,053,651 |
| पेंशन निधि | 1,857,000 | | 1,638,000 |
| | | 8,444,253 | |
| कर्मचारी कल्याण | | 2,329,876 | 1,821,344 |
| | | 48,112,098 | 41,155,760 |
| घटाएं : वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों को आवंटित राशि | | 5,995,670 | 4,623,913 |
| **निवल राशि** | | **42,116,428** | **36,531,847** |

अनुसूची–11

## संचार

| विवरण | 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए | | |
|---|---|---|---|
| | 2003 | | 2002 |
| डाक खर्च और कूरियर | 2,818,855 | | 2,840,401 |
| टेलीफोन, फैक्स, ई–मेल आदि | 720,916 | | 965,051 |
| | | 3,539,771 | 3,805,452 |
| घटाएं : वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों को आवंटित राशि | | 327,193 | 321,384 |
| **निवल राशि** | | **3,212,578** | **3,484,068** |

अनुसूची–12

## अन्य व्यय

| विवरण | 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए | | |
|---|---|---|---|
| | 2003 | | 2002 |
| विज्ञापन और कैरियर जागरूक कार्यक्रम | | 2,593,544 | 1,868,682 |
| किराया, दर और कर | | 178,458 | 236,278 |
| बिजली और पानी | | 2,647,509 | 2,631,752 |
| बीमा | | 138,671 | 106,631 |
| मरम्मत और अनुरक्षण | | | |
| – भवन | 242,065 | | 538,952 |
| – अन्य परिसम्पत्तियां | 674,328 | | 505,325 |
| – वाहन | 153,613 | | 124,169 |
| | | 1,070,006 | |
| विधिक | | 271,598 | 744,491 |
| व्यावसायिक सेवाएं | | 236,666 | 193,408 |
| कार्यालय व्यय | | 1,796,086 | 1,873,641 |
| कम्प्युटीकरण | | | |
| – डाटा प्रोसेसिंग | 186,117 | | 191,162 |
| – साफ्टवेयर | 409,282 | | 329,853 |
| | | 595,399 | |
| बैठकें | | 539,083 | 359,126 |
| पैकिंग, दुलाई और भाड़ा | | 157,906 | 197,041 |
| परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि | | 308,438 | 0 |
| प्रदत्त ब्याज | | 4,610 | 28,336 |
| बैंक प्रभार | | 53,595 | 42,379 |
| लेखा परीक्षक शुल्क | | | |
| – लेखा परीक्षा शुल्क | 84,000 | | 84,000 |
| – अन्य सेवाएं | 100,000 | | 25,000 |
| | | 184,000 | |
| खराब तथा संदिग्ध ऋण | | 15,500 | - |
| प्रकाशकों की बिक्री पर कमीशन | | 181,350 | 95,847 |
| नाकारा सम्पत्तियां (प्रसाद नगर में लिफ्ट) | | 302,000 | - |
| | | 11,274,419 | 10,176,073 |
| घटाएं : वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियों को आबंटित राशि | | 690,237 | 699,598 |
| **निवल राशि** | | **10,584,182** | **9,476,475** |

अनुसूची–13

## लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां

### (क) लेखांकन नीतियां

1. इंस्टीट्यूट के वित्तीय विवरणियों के ऐतिहासिक लागत परम्पराओं और प्रोद्भूत आधार पर बनाया गया है सिवाय उस हद तक जिसका अन्यथा संकेत किया गया है, तथा लागू लेखांकन नीतियों के आधार पर तैयार किया गया है।

2. **क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा दान राशियां और अंशदान**

सीधे प्राप्त दान राशियों और क्षेत्रीय/शाखाओं द्वारा भूमि/भवनों और अन्य सम्पत्तियों की खरीद के लिए अंशदानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों को "सामान्य रिजर्व" खाते में ले जाया जाता है।

3. **शुल्क**

(क) फैलो और एसोसिएट सदस्यों से प्रवेश शुल्क को प्राप्त होने पर सीधे "पूंजी रिजर्व" खाते में दिखाया जाता है और उनकी प्रोद्भूत राशि नहीं बनाई जाती है।

(ख) सदस्यों से जितना शुल्क प्राप्त होता है, उतनी राशि नकद आधार पर हिसाब में ली जाती है। किन्तु अग्रिम में प्राप्त शुल्क को देयता के रूप में आगें ले जाया जाता है।

(ग) पंजीकरण शुल्क को छोड़ कर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क को नकद–आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पंजीकरण शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर बांटकर आय के रूप में लिया जाता है, क्योंकि विद्यार्थियों को लाभ पांच वर्षों की अवधि तक मिलता है।

4. **निवेश**

निवेशों को नीचे की लागत या बाजार मूल्य पर लिया जाता है। यू.एस.–64 योजना के अन्तर्गत यूनिटों को भारतीय युनिट ट्रस्ट द्वारा निवेश के कम मूल्य वाली लागत अथवा उनके द्वारा दी गई पुनः खरीद के मूल्य पर आंका जाता है।

5. **स्थायी परिसम्पत्तियां**

(क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को लिखित मूल्य आधार पर निम्नलिखित दरों के अनुसार प्रभारित किया जाता है:

| मदें | प्रतिशत |
|---|---|
| भवन | 5 |
| फर्नीचर और जुड़नार | 10 |
| एयरकंडीशनर/कूलर/तथा अन्य उपस्कर | 15 |
| पुस्तकालय की पुस्तकें (1.04.1999 से पहले खरीदी पुस्तकें) | 33.33 |
| वाहन | 20 |
| कम्प्यूटर | 40 |

(ख) परिवर्धनों पर मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिए प्रभारित किया जाता है, चाहे परिवर्धनों की तारीखें कुछ भी हों। बिक्री के वर्ष में मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता है।

(ग) 1.4.1999 को या इसके बाद खरीदी पुस्तकों को "पुस्तकें और पत्रिकाएं" शीर्ष के अन्दर राजस्व लेखे के अन्तर्गत प्रभारित किया गया है।

(घ) पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर, 5,000 रुपये या इससे कम मूल्य की स्थायी परिसम्पत्तियों का पूर्ण मूल्यह्रास उन परिसम्पत्तियों के प्राप्ति वर्ष में किया जाता है और जिनका अंकित मूल्य वर्ष के आरम्भ में 250 रुपये या इससे कम होता है, उनका पूरा मूल्यह्रास किया जाता है।

(ङ) पट्टे पर भूमि के लिए दिए गए प्रीमियम को पट्टे की अवधि में संक्रामित नहीं किया जाता है।

6. **इंवेंटरी**

(क) कागज तथा अन्य सामग्री के स्टॉक का मूल्यांकन उनकी लागत पर किया जाता है।

(ख) अध्ययन सामग्री, प्रकाशनों, जर्नलों/बुलेटिनों और आडियो कैसेटों का मूल्य नाम–मात्र लागत के आधार पर लगाया जाता है: 50 रुपये तक की मूल्य वाली मदों के लिए 1 रुपये और 50 रुपये से अधिक मूल्य की मदों के लिए 5 रुपये।

7. **कर्मचारी सेवा–विवृत्ति लाभ**

(क) पेंशन निधि न्यास में अंशदान बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

(ख) उपदान निधि में अंशदान/प्रावधान को भारतीय जीवन बीमा निगम से प्राप्त नोटिस के आधार पर किया जाता है।

(ग) बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर छुट्टी के लिए नकद राशि के भुगतान का प्रावधान किया जाता है।

8. **क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को अनुदान**

क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं को देय वार्षिक अनुदान को नकद आधार पर खाते में डाला जाता है।

**ख. वित्तीय विवरण पर टिप्पणियां**

1. इंस्टीट्यूट को वित्तीय वर्ष 2000–2001 से 2002–2003 तक के लिए आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23ग) (4) के अधीन छूट प्रमाण पत्र दिनांक 01–03–2001 को मिल गया था। उपर्युक्त धारा के अधीन उपलब्ध छूट को देखते हुए लेखों में कर का प्रावधान नहीं किया गया है।

2. हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद ने 3.65 लाख रुपये में 500 वर्ग गज की जड़ खरीद भूमि का आवंटन इंस्टीट्यूट की फरीदाबाद शाखा के नाम किया था, परन्तु हूडा इसका कब्जा इस भूमि की मिल्कियत के विवाद के कारण नहीं दे सका और उसने न तो घुसपैठ का समाशोधन करने और न ही एक दूसरा प्लाट देने का वायदा अभी तक पूरा किया है। अभी तक 3.82 लाख रुपये (3 लाख रुपये इंस्टीट्यूट की लेखा पुस्तक में भूमि खरीद के लिए पेशगी के रूप में दिखाए गए हैं और 82 हजार रुपये शाखा की लेखा पुस्तक में है) पेशगियों के अन्तर्गत चल रहे हैं।

3. तिरूपति प्लाजा, सूरत में अधिग्रहित 500 वर्ग फुट के लैट की 7,59,000 रूपये की राशि को पिछले वर्ष तक पूंजीगत कर दिया है जब तक इसके पंजीकरण की औपचारिकताएं पूरी नहीं हो जाती।

4. 1997–2000 में 5,32,55. रूपये की लागत से पूरी की गई जयपुर शाखा कार्य स्थल का निर्माण इस वर्ष पूंजीकृत किया गया है, जिसके लिए स्थानीय अधिकारियों का समापन प्रमाण–पत्र जारी करने के लिए अभी प्रार्थना पत्र देना है।

5. 2001–02 में 15,62,441 के मूल्य पर लखनऊ शाखा के लिए 288 वर्ग मीटर के भूखण्ड को कंवेयेस डीड की प्राप्ति होने पर इस वर्ष पूंजीकृत किया जाना है।

6. पिछले वर्ष प्रसाद नगर भवन में लिफ्ट के लिए दी गई पूंजीकृत 604774 रूपये की राशि को इस वर्ष भी पर्याप्त बिजली सप्लाई के कारण चालू नहीं किया जा सका है। किन्तु 3.02 लाख रूपये की राशि अलग से रख दी गई है ताकि सम्भावित अप्रचलन के बाद भी समय के गुजरने के साथ साथ इसमें सामान्य टूट–फूट के कारण इसका इस्तेमाल किया जा सके।

7. 31.3.2003 को यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया द्वारा संकेतित पुनः लाभ प्राप्त तथा निवेशक मूल्य में कमी के बीच यू.एस.–64 के यूनिटों में 21,61,197 रूपये का पता चलता है। इससे पहले के वर्षों में आवश्यक कमी से अधिक 13,63,408 रूपये के प्रावधान को पुनः मूल्यांकित कर लिया है।

8. एक बुद्धिमान कदम के रूप में निम्नलिखित विगत प्रक्रियाओं, प्रकाशन/अध्ययन सामग्री को समाप्त इंवेट्री के रूप में ले लिया गया है, क्योंकि सामान्य राशि के रूप में इसका मूल्य कुछ भी नहीं है, जो भी केवल उन विद्यार्थियों के लिए है, जो उन्हें खरीदते हैं।

9. वसूल की जाने वाली पेशगियों के खाते में शेष बकाया राशि, क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के ऋणों की शेष राशियों की अभी पुष्टि होनी है।

10. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के बनने और मान्यता मिलने तक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति सम्बन्धी भुगतान का प्रावधान करने के लिए प्रस्तावित स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वी आर एस) की अधिशेष राशि में से वर्ष 2001–2002 और अब तक के लिए दो करोड़ 25 लाख रूपए की राशि को "प्रावधान" शीर्ष के अधीन अलग से रखी गई है।

11. जहां आवश्यक हुआ है, पिछले वर्ष के आंकड़ों की इस वर्ष के आंकड़ों से तुलना करने के लिए पुनः समूहीकरण/पुनः व्यवस्थित किया गया है।

12. विगत प्रक्रिया के रूप में क्षेत्रीय परिषदों तथा शाखाओं के लेखों को समेकित कर दिया गया है।

## THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

## NOTIFICATION

New Delhi, the 4th September, 2003

### Report of The Council

## 1. Introduction

**F.No. 104/31/Accts.**—In terms of the requirement of sub-section (5) of Section 18 of the Company Secretaries Act, 1980, the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to present its Twenty Third Annual Report on the working of the Institute for the year ended 31st March, 2003 and audited statements of accounts alongwith the Audit Report thereon.

## 2. Developments at ICSI

### 2.1 Vision and Mission Statements

The Council has adopted Vision and Mission Statements considering three developments viz. Corporate Governance, Globalisation and Technology.

**Vision Statement**

"To be global leader in development of professionals specialising in corporate governance"

**Mission Statement**

"To continuously develop high calibre professionals ensuring good corporate governance and effective management and to carry out proactive research and development activities for protection of interest of all stakeholders, thus contributing to public good"

The Council has taken appropriate initiatives to translate the aforesaid vision and mission statements into a reality.

### 2.2 Organisation Structure

To achieve maximum effectiveness and efficiency in our mission, a new organisation structure has been put in place with effect from 18th June 2003. To facilitate focused attention to our core areas, the following new sections have been created:

- International Affairs
- Corporate Governance
- Practising Company Secretaries
- Coordination (Government and Institutions)
- Programme Management
- O & M and Welfare

### 2.3 MOU between ICSI and NISIET, Hyderabad

The Institute signed an MOU with the National Institute of Small Industry Extension Training (NISIET), an organisation of the Ministry of Small Scale Industries, Government of India, to collaborate in the areas of training, research, and information services for the professional development of working executives, academicians and students aspiring to be trained in the field of corporate laws, corporate governance and statutory compliances by small scale enterprises.

### 2.4 Investor Clinics

The Institute is setting up Investor Clinics at all Regional Councils and Chapters. These clinics comprise of panel of Company Secretaries for advising investors on various issues including guiding them with respect to transfer, transmission, nomination of shares or other securities, rights of investors and various forums available for redressal of grievances, providing standardised formats, organising investor education programmes and bringing out hand books/pamphlets.

### 2.5 Counsellors

The Institute is appointing Counsellors in areas/cities/mofussil towns where the Chapters and the Satellite Chapters cannot be set up for want of the requisite number of members and students, but have the potential for the growth of the profession. Such Counsellors shall act as a bridge between the Institute and the students.

### 2.6 Professional Help Centres

With a view to help students and new members in solving their problems, it has been decided to set up Professional Help Centres. The help centers would consist of members/experts willing to volunteer for replying academic queries, helping students in the preparation of examinations and to provide general guidance to new members on professional matters.

## 3. Developments in the Profession

### 3.1 The Companies (Amendment) Bill, 2003

The Government introduced the Companies (Amendment) Bill, 2003 in the Rajya Sabha on May 7, 2003. It proposes to widen the scope of practice in existing areas and to open up new areas of practice for Company Secretaries. In this context, the scope of signing of annual return, which was applicable to only listed companies, is now proposed to be widened to include all public companies. The Bill provides for pre-certification of documents required to be filed with the Registrar of Companies or any other statutory authority under the Companies Act, 1956 by a Practising Company Secretary. The Bill proposes to empower the Government to order

Secretarial Audit of a Company to be conducted by a Practising Company Secretary for such period(s), as may be specified by the Government. The Government has also proposed to empower itself to order Secretarial Audit in certain conditions under section 233A. The Bill proposes to do away with the defences available to Companies in respect of non-appointment of Company Secretary in whole time employment under section 383A of the Act. It is also proposed that a partnership firm may be formed with fifty persons for carrying on specified professions including that of Company Secretaries. The Council looks forward to early passage of the Bill.

### 3.2 Recent Amendments in the Companies Act, 1956

The opportunities for Company Secretaries have been expanded with the enactment of the Companies (Amendment) Act, 2002 and Companies (Second Amendment) Act, 2002.

**The Companies (Amendment) Act, 2002**

The Companies (Amendment) Act, 2002 requires every producer company having an average annual turnover exceeding five crore rupees in each of three consecutive financial years to have a whole-time Secretary who is a member of the Institute of Company Secretaries of India.

**The Companies (Second Amendment) Act, 2002**

The Companies (Second Amendment) Act, 2002 stipulates that a person having atleast 15 years experience as a Secretary in whole-time practice shall be qualified for appointment as technical member of the National Company Law Tribunal. The Amendment Act also authorises a Practising Company Secretary to appear on behalf of the applicant or the appellant before the National Company Law Tribunal or Appellate Tribunal. The Amendment Act stipulates that the panel comprising professionals for appointment of official liquidator may include Company Secretaries. It further provides that the official liquidator with the sanction of the Tribunal may appoint inter alia, Company Secretaries to assist him in the performance of his duties.

## 4. Council and its Committees

### 4.1 President and Vice-President

At the 136th meeting of the Council held on January 19, 2003, Shri Pavan Kumar Vijay from Northern Region and Shri Keyoor M. Bakshi from Western Region were elected as President and Vice-President respectively for a period of one year from January 19, 2003. The Council places on record its deep appreciation for the valuable services rendered by Shri S Gangopadhyay as President of the Institute for the year 2002-2003.

### 4.2 Council Meetings

The Council held 8 meetings during the year.

### 4.3 Composition of Committees

Composition of various standing and non-standing committees and advisory boards constituted by the Council is given at Appendix 'A'.

### 4.4 Attendance at Council and Committee Meetings

Details of attendance of members at the Council and the Standing and Non-Standing Committee Meetings are given at Appendix '8'.

## 5. Regional Councils and Chapters

### 5.1 Regional Councils

All the four Regional Councils continued to provide valuable support and assistance to the Council by carrying out their activities and functions with zeal and enthusiasm. The Regional Councils conducted professional development programmes, seminars and workshops, SMTPs, oral coaching classes, students guidance meetings, study circle meetings and regional conferences and participated in career fairs. They have also been carrying out library updations, publishing news bulletins, providing placement assistance to members, disseminating information to members and students; and selling Institute's publications.

### 5.2 Chapters

During the year, Raipur Satellite Chapter was conferred the status of full-fledged Chapter. A new Chapter was set up at Navi Mumbai under WIRC, bringing the total number of Chapters to 39. All the Chapters continued to carry on various activities including holding of oral tuition classes, arranging of training for students, organizing professional and continuing education programmes, publishing of News Bulletins, providing library facilities etc.

As on date, the following Chapters have their own office premises :-

Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Dombivli, Ghaziabad, Goa, Hyderabad, Indore, Jaipur, Kanpur, Kochi, Madurai, Mangalore, Pune, Surat and Vadodara.

### 5.3 Best Chapter Awards

The Best Chapter Awards for the year 2001 were presented to the following Chapters at the Inaugural Function of the 30th National Convention held at Ahmedabad.

| | | |
|---|---|---|
| National Best Chapter | : | Bangalore |
| Grade-wise Best Chapters | | |
| 'A-1' | : | Hyderabad |
| 'B' | : | Jaipur |
| 'C' | : | Bhubaneswar |
| 'D' | : | Nagpur |
| 'E' | : | Tiruchirapalli |

**Reserves and Surplus and the number of Members and Students in each Regional Council as on 31st March, 2003 are shown below :-**

| ITEM | EIRC | NIRC | SIRC | WIRC |
|---|---|---|---|---|
| Financial Position | | | | |
| Surplus (Rs.) | 174940 | 1057927 | 59481 | 813690 |
| General Reserve (Rs.) | 1025962 | 5643263 | 616774 | 2872241 |
| Number of Regular Students | | | | |
| As on 31.03.2003 | 12875 | 26779 | 21228 | 24844 |
| As on 31.03.2002 | 15840 | 32087 | 23238 | 27223 |
| % decrease during 2002-03 | (-) 18.72 | (-) 16.54 | (-) 8.65 | (-) 8.74 |
| Number of Foundation Students | | | | |
| As on 31.03.2003 | 3903 | 10916 | 4368 | 7016 |
| As on 31.03.2002 | 3874 | 10887 | 4464 | 6781 |
| % increase / decrease during 2002-03 | (+) 0.75 | (+) 0.27 | (-) 2.15 | (+) 3.47 |
| Number of Members | | | | |
| As on 31.03.2003 | 1703 | 4815 | 3929 | 5107 |
| As on 31.03.2002 | 1630 | 4423 | 3713 | 4859 |
| % increase during 2002-03 | (+) 4.48 | (+) 8.87 | (+) 5.82 | (+) 5.10 |

### 5.4 Satellite Chapters

As on date, 21 Satellite Chapters were functioning at the following places:

**North** Agra, Ajmer, Allahabad, Bareilly, Beawar, Bhilwara, Dehradun, Jammu, Jodhpur, Meerut, Varanasi and Yamuna Nagar.

**South** Calicut, Hubli-Dharwad, Kottayam, Salem, Thrissur and Vijayawada.

**West** Aurangabad, Nashik and Rajkot

All the Satellite Chapters organised various activities for Members and Students during the year. Study Materials, Journals and Publications of the Institute and Regional Councils were also made available at the Satellite Chapters of the Institute.

## 6. Academic and Professional Development

### 6.1 Programmes

#### 6.1.1 34th Foundation Day Celebrations

The 34th Foundation Day of the Institute was celebrated on October 4, 2002 at a grand function held at New Delhi. Shri Vinod Dhall, IAS, the then Secretary, Department of Company Affairs, Ministry of Finance and Company Affairs delivered the Foundation Day Lecture on the theme 'Corporate Citizenship Vision for the Future'.

#### 6.1.2 30th National Convention of Company Secretaries

The 30th National Convention of Company Secretaries on the theme 'Repositioning the profession in the Changing International Business Environment' was successfully organised on November 13-15, 2002 at Ahmedabad. His Excellency Shri Sundar Singh Bhandari, Hon'ble Governor of Gujarat, inaugurated the Convention. Shri G N Bajpai, Chairman, Securities and Exchange Board of India delivered the Special Address and Shri Pankaj Patel, Chairman and Managing Director, Zydus Cadila Group of Companies delivered the Key Note address. Hon'ble Justice Shri B N Kirpal, Former Chief Justice of India delivered the Valedictory Address and His Holiness Swami Jitatmananda delivered Special Address at the Valedictory Session.

#### 6.1.3 4th National Conference of Practising Company Secretaries

The 4th National Conference of Practising Company Secretaries was held on April 19-20, 2002 at Mumbai on the theme 'New Avenues Opportunities for Excellence'.

#### 6.1.4 2nd ICSI National Award for Excellence in Corporate Governance

The Second ICSI National Award for Excellence in Corporate Governance and Life Time Achievement Award for Translating Excellence in Corporate Governance into Reality were given away at a glittering function organised on December 31, 2002 at Vigyan Bhawan, New Delhi. The awards were presented by His Excellency Shri Bhairon Singh Shekhawat, Hon'ble Vice-President of India in the august presence of Hon'ble Justice Shri M. N. Venkatachaliah, former Chief Justice of India and Chairman, Jury, Shri Vinod Dhall, the then Secretary,

Department of Company Affairs, Jury members and large number of dignitaries, members and students.

**Best Governed Company Awards**

**Private Sector**

| | |
|---|---|
| Dr. Reddy's Laboratories Ltd., Hyderabad | **Chairman-** Dr. K Anji Reddy<br>**Secretary-** Shri S K Nair |
| Tata Iron and Steel Company Ltd., Mumbai | **Chairman-** Shri R N Tata<br>**Secretary-** Shri J C Bham |

**Public Sector**

| | |
|---|---|
| IBP Company Ltd., Ramachandran Kolkata | **Chairman-** Shri M S<br>**Secretary-** Shri Amit Ghosh |

**Winner of Second ICSI Life Time Achievement Award for Translating Excellence in Corporate Governance into Reality for the Year 2002.**

Dr. Y K Hamied,
Chairman and Managing Director
Cipla Ltd., Mumbai

The Jury for the year 2002 was headed by Hon'ble Justice Shri M N Venkatachaliah, Former Chief Justice of India. Other members of the Jury were :

| Name of the Jury Member | Designation |
|---|---|
| M B Athreya (Dr.) | Management Consultant |
| G N Bajpai | Chairman SEBI |
| Naresh Chandra | Former Cabinet Secretary |
| P K Choudhury | Managing Director, ICRA Limited |
| Vinod Dhall | IAS, the then Secretary, DCA |
| S Gangopadhyay | President, the ICSI |
| Abid Hussain (Dr.) | Professor Emeritus, IIFT |
| T N Kapoor (Prof.) | Former Vice-Chancellor |
| S S Kohli | Chairman and Managing Director, Punjab National Bank |
| Brij Mohan Lall Munjal | Chairman and Managing Director, Hero Honda Motors Ltd |
| T S Krishna Murthy | Election Commissioner of India |
| Ravi Narain | Managing Director and CEO, NSE Ltd |
| Nandan M Nilekani | Chief Executive Officer, President and Managing Director, Infosys Technologies Limited |
| P L Sanjeev Reddy (Dr.) | Director, Indian Institute of Public Administration |
| R V Shahi | Secretary to Govt. of India, Ministry of Power |

### 6.1.5 All India Programmes for Students

During the financial year 2002-03, the following programmes were organised for students on all India basis.

| Region/ Chapter | Name of the Programmes |
|---|---|
| EIRC | Students' National Conference |
| NIRC | All India Elocution Competition |
| Pune Chapter | All India Company Law Quiz Programme |

### 6.1.6 Conferment of Honorary Fellow Membership to Shri Arun Jaitley

The Institute conferred its Honorary Fellow Membership on Shri Arun Jaitley, Hon'ble Minister of Law, Justice and Commerce & Industry at a well-attended function, held on April 24, 2003 at New Delhi, in the gracious presence of Shri Rajiv Pratap Rudy, the then Hon'ble Minister of State for Commerce and Industry, Shri Vinod Dhall, the then Secretary, Department of Company Affairs, Senior Officials of the Government and a large number of members.

## 6.2 Professional Development

### 6.2.1 Professional Development and Continuing Education

It is through professional development programmes and such other activities, that the Institute seeks to impart continuing education to its members, to keep them updated in view of far reaching and frequent changes in matters relating to corporate and business affairs. In furtherance of this objective, Eight Professional Development and Continuing Education Programmes of national level including the 30th National Convention and 4th National Conference of Company Secretaries in Practice were held during the year under review.

### 6.2.2 Compulsory Attendance of Professional Development Programmes

The Council has issued Guidelines for compulsory attendance of professional development programmes to ensure regular updation of knowledge and skills of our members. To begin with, the attendance has been made mandatory for practising members and recommendatory for other members.

## 6.3 Publications

### 6.3.1 Secretarial Standards and Guidance Notes

A unique and pioneering effort was initiated by the Council during 2000-2001 to constitute Secretarial Standards Board to integrate, harmonise and standardize various secretarial practices prevalent in the Corporate Sector. The first Secretarial Standard, SS-1 namely "Secretarial Standard on Board Meetings" was released during 2001-02.

The Second Secretarial Standard, SS-2 namely "Secretarial Standard on General Meetings", formulated by the Secretarial Standards Board and approved by the Council was issued during the year.

The Third Secretarial Standard, SS-3, namely "Secretarial Standard on Dividend" and the Guidance Note thereon formulated by the Secretarial Standards Board and approved by the Council were released by Shri G. N. Bajpai, Chairman, SEBI on May 22, 2003. The new Standard seeks to prescribe set of standards in relation to the declaration and payment of dividend.

The Institute also issued Guidance Notes on Meetings of the Board of Directors, Passing of Resolutions by Postal Ballot and General Meetings during the year.

The topics identified by the SSB for formulation of Secretarial Standards and/or Guidance Notes in the near future are Transfer & Transmission of Shares, Buy-back of Shares, Bonus Shares, Investor Servicing, and Directors' Report. The Sub-groups of the Secretarial Standards Board have also been constituted at the Regional Councils for the purpose of preparation of Preliminary draft of Secretarial Standards.

Many companies today are voluntarily adopting the Secretarial Standards in their functioning. The annual reports of several companies released during the year 2002-03 include a disclosure with regard to the compliance of Secretarial Standards SS-1 and SS-2. The adoption of the Secretarial Standards by the corporate sector will have a substantial impact on the quality of secretarial practices making them comparable with the best practices.

**6.3.2 Chartered Secretary**

The monthly journal being published by the Institute for the last 32 years having a circulation of more than 26000 copies per month is now in its 33rd year of publication. Chartered Secretary has received accolades from various quarters, be it industry, commerce or trade as well as other professionals for its quality publication of informative articles on contemporary topics, promptly providing Government Notifications, legal decisions, etc. The journal continues to serve as an effective medium of communication between the Institute, its members and others. During the year 2002-03, special issues of the journal were brought out on matters of:-

1. Arbitration
2. Environment
3. Compliance / Secretarial Audit
4. WTO & International Finance

A project of compilation of all articles and features of the esteemed journal 'Chartered Secretary' on CD is in progress.

**6.3.3 Corporate Governance Reporting (Model Formats)**

The Institute's publication "Corporate Governance Reporting (Model Formats)" was released by Shri G N Bajpai, Chairman, SEBI. The Model formats contained in the book are based on the requirements of clause 49 of the Listing Agreement and may be directly adopted by Listed companies for preparation of Report on Corporate Governance. As a step towards Good Corporate Governance, even unlisted public limited companies can make disclosures using these model formats. Adoption of these model formats in Corporate Governance reporting will spread the culture of Good Corporate Governance.

**6.3.4 Monograph on Position, Duties and Liabilities of Directors**

The Institute's publication 'Monograph on Position, Duties and Liabilities of Directors' was released by Shri Arun Jaitley, the then Union Minister of Law, Justice and Company Affairs on May 1, 2002. The monograph spells out the duties and liabilities of directors under the Companies Act, 1956 and various other legislations. This Monograph has been brought out to equip directors with the requisite knowledge of the provisions of the various statutes to facilitate them to discharge their duties and responsibilities towards shareholders and other stakeholders in the company.

**6.3.5 Other publications released:**

- A Guide to Company Secretary in Practice
- Referencer on the Companies (Amendment) Bill, 2003
- Referencer on WTO and GATS
- Backgrounder for the 5th National Conference for Practising Company Secretaries
- Backgrounder for 30th National Convention of Company Secretaries
- Backgrounder for National Seminar on Securities Laws and Capital Market The Road Ahead

**6.4 New Syllabus**

The new syllabus has already come into force with effect from October 1, 2001 in case of Foundation Course and from September 1, 2001 in case of Intermediate Course. The first examination of Foundation and Intermediate Courses under the new syllabus was held in December 2002. The students who have passed both groups of the Intermediate course in February, 2003 under the new syllabus and those who have switched over to new syllabus are eligible to appear for the

first examination of Final Course under the New Syllabus to be held in December, 2003. Study Material for the Final Course under the New Syllabus for all the nine papers has been made available to the students.

The new syllabus reflects the structural and technological changes that are taking place in the business scenario world over. The new papers include areas such as Information Systems and Quantitative Techniques, Management Information Systems and Corporate Communication, Securities Laws and Regulation of Financial Markets, Drafting and Conveyancing, Systems Audit, Treasury and Forex Management, Corporate Restructuring Law & Practice, Banking and Insurance Law & Practica, WTO International Trade, Joint Ventures and Foreign Collaborations, Human Resource Management and Industrial Relations.

## 7. Centre for Corporate Research and Training

During the last 3 years, ICSI-CCRT has been able to establish an image and a brand through its research and training related activities. Apart from serving the corporates and institutions, during the financial year 2002-03, CCRT took new initiatives and organised several programmes for the benefit of the students and the members of the Institute.

### 7.1 Research Activities

As a part of its ongoing activity in conducting sponsored studies on various topics, ICSI-CCRT completed the assignment from Indian Institute of Bankers (IIB) for preparation of study material on "Operations and Regulation of Capital Markets". The study kit has been well appreciated.

ICSI-CCRT conducted a study on behalf of State Bank of India (SBI) on "Recovery Experiences in respect of Personal Segment Advances" covering 40 of their branches all over India. The report has been submitted to SBI.

Based on a proposal submitted to National Stock Exchange (NSE) under NSE's Research Initiative, on "Corporate Social Responsibilities Initiatives by NSE NIFTY Companies - Content, Implementation Strategies & Impact", a study has been undertaken by CCRT.

During December 2002, Director-Research, CCRT was invited to attend as rapporteur at the National Workshop on Micro Finance at Indian School of Business, Hyderabad. The workshop was sponsored and organised by SIDBI.

During the year, 6 summer trainees from reputed management institutes did project work under the guidance of CCRT faculty.

### 7.2 Training Programmes

A new activity has been added to CCRT's training initiatives for the students through Residential Secretarial Modular Training Programme. During the year, 4 such programmes were organised at CCRT and the response to the programmes has been very good. Participants from all over India, mainly from non-metro centres took advantage of these programmes and got opportunity for interaction with expert professional faculty. In addition to the core subjects of a normal SMTP programme, the participants were exposed to topics on general management, human relations, financial markets, etc. at the pre-dinner sessions. They also had the benefit of yoga and meditation sessions in the morning from professional trainers.

ICSI-CCRT also organised a Residential Joint Training Programme with the Western India Regional Council on WTO and IPR from 25th to 27th July, 2002.

As a part of ongoing training activities in areas other than core subjects, CCRT scheduled a series of one-day workshops on Management and HR for junior executives and company secretaries/ students. These included workshops on "Managing the Front Office" and "Understanding People for Better CRM".

CCRT organised a programme entitled "Grooming for Success" during the year for members and students at Head Office and various Chapters.

A two weeks training programme was organised for Indian Company Law Services (ICLS) Junior Officers. This is the first time that such a programme has been held at CCRT and more such programmes are likely in future.

Immediately after the Union Budget 2003-04, a panel discussion on the Budget was organised.

## 8. Information Technology

### 8.1 Website

Various new features have been added to the website and features like personalization of look and feel are being developed. Response to questionnaire for the Second ICSI National Award for Excellence in Corporate Governance were received through a form on the website.

### 8.2 Computerisation of Activities

A Correspondence Management System is being developed that will facilitate integration of Website and various sections of the Institute. FAQ Section of the website will automatically be updated thus significantly reducing the number of routine queries.

Student and Member Services are also being computerized and integrated with the website so that members and students get the up-to-date status.

Computerisation and networking of Regional Councils and Chapters is also being strengthened.

## 9. Members

### 9.1 New Admissions

During 2002-03, 1095 and 180 persons were admitted as Associate and Fellow Members respectively. As on March 31, 20D3, the Institute had 15554 members, comprising of 11582 Associates and 3972 Fellows on its Register. The number of members residing abroad as on March 31, 2003 was 279.

During 2002-03, Certificates of Practice were issued to 583 members. As on March 31, 2003, there were 2450 members holding Certificate of Practice.

The Council regrets to report the demise of 13 members during the year under review.

### 9.2 List of Members

In pursuance of section 19(3) of the Company Secretaries Act, 1980 read with regulation 161 of the Company Secretaries Regulations, 1982, a List of Members as on April 1, 2003 containing additional information such as members' residential addresses, telephone numbers, fax numbers and professional addresses was published. The list is supplied to members on request. Additional information has been provided in the list to facilitate better communication and interaction among the members. The Members' Directory is also available on the Institute's website.

### 9.3 Company Secretaries Benevolent Fund

The Company Secretaries Benevolent Fund had a life membership of 3981 members as on March 31, 2003 as against 3793 members as on March 31, 2002. Capital Reserve and General Reserve of the Benevolent Fund as on March 31, 2003 stood at Rs. 104.25 Lacs and Rs. 54.15 Lacs as against Rs. 99.30 Lacs and Rs. 42.90 Lacs respectively as on March 31, 2002.

### 9.4 Identity Card for Members

The Institute has decided to issue photo identity card to members. For the purpose and also with a view to creating extensive database of members, a detailed proforma together with the form for identity card has been sent to all members. Information gathered through this proforma will be utilized to harness the capabilities of members for the development and growth of the profession.

### 9.5 Placement

The Institute has continued its efforts for providing placement assistance to the members during the year.

Efforts were made to identify the vacancies for company secretaries from all possible sources including newspapers, magazines and websites and the bio-data of the members were sent to the various organisations. Similar services were also provided by the Regional Councils and Chapters. A number of Campus Interviews were organised wherein the organisations were provided the facility of on-the-spot selection of Company Secretaries. Online registration facilities are also provided to the members/employers.

### 9.6 Post Membership Qualification Course

The Post Membership Qualification Course in Capital Markets and Financial Services is being revamped. The Council is also considering introduction of Post Membership Courses in some other streams.

### 9.7 ICSI-ICSA MOU

During the year, 143 members sought registration as students of ICSA under the ICSI-ICSA MOU. The total number of members who have sought registration for the ICSA course till 31st March, 2003 was 579.

During the year under report, the Institute conducted two sessions of ICSA examinations for its members in June and December, 2002 in eight major cities in which 130 members were enrolled. 40 members have completed the ICSA examination in these two sessions out of which one member passed with Distinction and 43 with Merit. It is heartening to note the encouraging response of members for registration as students of ICSA under the ICSI-ICSA MOU.

Till 31st March, 2003, 127 members have completed the ICSA examination.

GATS under WTO provides for opportunities as well as challenges to professionals the world over. This is, indeed, challenge for pessimists and opportunity for proactive and forward looking professionals. Visualising these challenges and opportunities, the Institute took necessary initiatives to build up the capabilities of its members over the years. The MOU with IOSA London is one such initiative towards globalisation of profession of Company Secretaries.

## 10. Students

### 10.1 Registrations

**Regular Course**

During the year, 17436 students were registered against

15918 in the previous year. The number of students whose registration was current as on 31.03.2003 was 85726 as against 98388 as on 31.03.2002.

**Foundation Course**

During the year, 11533 students were admitted to Foundation Course as against 9891 in the previous year. The number of current Foundation Course students as on 31.03.2003 was 26203 as against 26006 as on 31.03.2002.

### 10.2 Licentiateship

During the year, the Institute admitted 274 final passed students as Licentiate-ICSI. The number of Licentiate-ICSI whose Licentiateship was valid as on March 31, 2003 was 540.

### 10.3 Coaching

During the year, 14850 coaching completion certificates were issued to students of both oral and postal coaching as against 22932 coaching completion certificates issued during the previous year.

Moving towards the era of E-Learning, Online CC Tests are being started. It will save significant time and cost of both the students and the Institute.

### 10.4 Examination

**Conduct of Examinations**

During the year 2002-03, Company Secretaries Foundation, Intermediate and Final Examinations were held in June and December, 2002 at 55 centres all over the country and one overseas centre in Dubai. In December, 2002, the Foundation Course and Intermediate examinations were held under New Syllabus, for the first time, concurrently alongwith the examination under Old Syllabus. 28856 and 30448 candidates had sought enrolment for appearing in June and December, 2002 sessions of examinations respectively. Number of candidates who have completed the various stages of examinations during 2002-03 are given hereunder :-

| Stage of Exam | Examination Session | |
|---|---|---|
| | June, 02 | December, 02 |
| Foundation (Old Syllabus) | 1412 | 316 |
| Foundation(New Syllabus) | --- | 528 |
| Intermediate (Old Syllabus) | 972 | 739 |
| Intermediate (New Syllabus) | --- | 46 |
| Final | 646 | 614 |

Statistics relating to examination results are given at Appendix 'C'.

**Conduct of Post Membership Qualification (PMQ) Examination**

The Institute conducted the Post Membership Qualification (PMQ) Examinations in June, 2002 and December, 2002 at 8 centres viz. Ahmedabad, Bangalore, Chennai, Delhi, Hyderabad, Kolkata, Mumbai and Pune.

### 10.5 Training

In order to strengthen the training provided to the students and also to bring about qualitative improvements, it has been decided to implement an elaborate Action Plan to inculcate Guru Shishya Parampara. The Action Plan includes schedule for registration and sponsoring of students for training; conducting Training Orientation Programme (TOP), organizing campus interviews, 25 hours professional development programmes for trainees and meetings with trainers and trainees etc.

During the year, 617 students had undergone 15 months' Management Training, 156 students 3-1/2 months' Practical Training and 462 students had undergone training with Company Secretaries in Practice.

**Empanelment of Companies / Company Secretaries in Practice for imparting training**

During the year, 145 companies were empanelled for imparting 15 months' training and 48 companies were empanelled for imparting 3 months' practical training. The number of Company Secretaries in Practice empanelled for imparting training was 206.

**Meeting with Trainees**

During the year, three meetings exclusively with the trainees were organised. Study Circle Meetings were organised on various topics viz. SEBI and the Capital Markets; Competition Laws; Recent Developments in Company Law and Corporate Governance for students undergoing training.

### 10.6 Secretarial Modular Training Programme (SMTP) Regular SMTP

During the year, the Regional Councils and Chapters conducted 29 regular SMTPs as against 34 SMTPs during the previous year. The number of candidates who successfully completed the SMTP during the year was 1148 as against 1409 during the previous year.

**Special SMTP**

It was observed that some candidates had passed the final examination of the Institute and possessed requisite experience for claiming exemption but had not been able to

acquire the membership of the Institute for want of completion of 15 days SMTP owing to some other pre-occupations. Realising this difficulty, the Council of the Institute, with a view to helping such candidates to join the fraternity of Company Secretaries, decided to organise SMTPs on Saturdays / Sundays and other holidays spread over a period of 2-3 months or on week days before and after the office hours for 15 days.

During the year, EIRC and SIRC have conducted one such Special SMTP. A total of 32 candidates successfully participated in the said SMTPs. There was all-round appreciation of the programmes by the candidates.

**Residential SMTP**

As a further step to strengthen the SMTP and to make it more effective, Centre for Corporate Research and Training (CCRT) at Navi Mumbai organised four Residential SMTPs which were attended by 116 candidates.

### 10.7 Awards and Scholarships

The following students have won President's All-India Prize Awards for June and December, 2002 examinations.

| Session/ Course | Name | Centre |
|---|---|---|
| **June, 2002** | | |
| Intermediate | Vikas Gupta | Delhi |
| Final | Vishal Gupta | Kolkata |
| **December, 2002** | | |
| Intermediate | Karthik Chellappa | Chennai |
| Final | (i) Vijay Dhanuka | Kolkata |
| | (ii) Swarnapradha Shreenivas | Chennai |

Pt. Nehru Birth Centenary Annual Prize was won by Pankaj Kumar of Delhi. Particulars of prize winners together with All-India prize schemes and Regional and Chapter prize schemes were published in the Institute's official bulletins 'Student Company Secretary' and 'C S Foundation Course Bulletin'.

**Merit Certificates / Merit Scholarships/ Financial Assistance**

In June, 2002 session, Merit Certificates were awarded to 25 top rank holders in the Foundation Course examination and 16 top rank holders in Intermediate and 10 top rank holders in Final examination. Similarly, in December, 2002 session, merit certificates were awarded to 25 top rank holders in Foundation Course examination each for Old and New Syllabi, 15 and 10 top rank holders in Intermediate examination under Old and New Syllabi respectively, and 10 top rank holders in Final examination.

Pursuant to Merit Scholarship Scheme, Scholarships were awarded to the first top 15 scorers each in Foundation and Intermediate examinations respectively held in June and December, 2002 sessions. Like-wise, under the Merit-cum-Means Assistance Scheme, financial assistance was granted to eligible candidates.

## 11. Public Relations and Career Counselling

### 11.1 Media Coverage

With a view to enhance the awareness and visibility of the profession of Company Secretaries various image building and career awareness activities were undertaken throughout the year. Focussed attention on innumerable media initiatives continued to create greater acceptability of the CS Course and Profession highlighted through the print and electronic media to every nook and corner of the country.

Major Press Releases pertaining to the CS Course, various Professional Development Programmes, Institute's functions, various publications etc. were published in all leading business and national newspapers and electronic media.

### 11.2 CS Programmes on the Electronic Media

Four programmes on Company Secretaryship were telecast during Evening LIVE shows on Doordarshan. Two Phone-in Programmes on CS Course were broadcast on Yuv Vani of All India Radio. An hour long Help Online programme on CS was telecast amid Phone-in queries of students on Jain TV on two occasions. E-TV aired half an hour programme on 'Career as a Company Secretary'.

### 11.3 Career Features in Print Media

In order to inform the student community on "Career as a Company Secretary" several career features were published as full page coloured educational cover stories in various editions of leading National newspapers and magazines.

### 11.4 Press Conferences

Press Conferences were organised at Allahabad, Bangalore, Bhubaneswar, Chennai, Dehradun, Hyderabad, Jaipur, Kolkata, Lucknow, Nellore, Pune, Ranchi, Tirupati, Varanasi and Visakhapatnam.

As a curtain raiser to the 30th National Convention of Company Secretaries, a Press Conference was organised on November 12, 2002 at Ahmedabad. Extensive news coverage was received in all major business and vernacular dailies at Ahmedabad. The National Convention also received wide coverage both in print and electronic media at Ahmedabad in Gujarati and national newspapers including Doordarshan and local TV Channels.

### 11.5 Press Interviews

Exclusive Press interviews of the President, Secretary and other Council Members on the profession of Company Secretaries were widely covered in various editions of Hindu Business Line, Indian Express, Business Standard, Economic Times, Navbharat Times, Dainik Bhaskar, etc. Interviews to PTI and Univarta received exhaustive press coverage in several additional English and Hindi newspapers.

### 11.6 ICSI Brochures

Informative Brochures that form a part of the CS publicity kit were thoroughly revised and redesigned as multicoloured brochures. The Brochures were sent to Regional / Chapter offices for Career Counselling during Career Fairs and dissemination among the media.

## 12. Finances

### 12.1 Surplus

Transfer of surplus of income over expenditure to General Reserve has been made for Rs.185.47 Lacs in the year under review as compared to Rs.144.42 Lacs transferred in the previous year 2001-02.

### 12.2 Reserves

**Capital Reserve**

Capital Reserve to which the entrance fee received from members is capitalised stood at Rs.66.19 Lacs as on March 31, 2003 as against Rs. 62.54 Lacs on March 31, 2002.

**General Reserve**

The General Reserve which stood at Rs. 2313.20 Lacs as on March 31, 2002 has risen to Rs.2519.70 Lacs as on March 31, 2003.

### 12.3 Statutory Auditors

M/s. Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, New Delhi were re-appointed as Statutory Auditors of the Institute for the year ended March 31, 2003 pursuant to the requirement of section 18(4) of the Company Secretaries Act, 1980. The Audit Report is published along with the statement of accounts.

### 12.4 Capital grant and loan to the Regional Councils and Chapters

Total grant and loan given by the Institute to the Regional Councils and Chapters for acquiring their own office premises as on March 31, 2003 are as follows:

| | | |
|---|---|---|
| (a) Grant | : | Rs. 122.71 Lacs |
| (b) Loan | : | Rs. 265.49 Lacs |

The endeavour of the Institute continues to be to support financially and otherwise, the Regional Councils and Chapters in their efforts to acquire premises. A number of Regional Councils and Chapters have made commendable efforts to raise their share of the resources for premises/ building projects. The Council places on record its appreciation of such efforts by these Regional Councils/Chapters.

## 13. Human Resource Development

Efficient and cost-effective services to the students, members and other clients in the highly competitive scenario depends on effective performance of the human resources. Therefore, the Institute recognises its human resources as its greatest asset and always strives to continuously improve the skills, knowledge and management techniques for improvement in productivity. In order to upgrade knowledge and develop capacity and capability of the human resources, focused attention was given to HRD Programmes.

During the year, 46 Officers/ Staff were nominated to attend variety of HRD Programmes conducted by external agencies. Apart from this, tailor-made In-house Programmes were also conducted. In all 141 Officers/Staff participated in In-house Programmes.

Visualising the impact of information technology on productivity improvement, specific emphasis was given on developing technical skills of the officers and staff for use of computers. inhouse training was given to officers and staff to enable them to make use of computers in their day to day work.

## 14. Employee Relations and Welfare

Harmonious relationship between the employer and employees is key for delivery of efficient and cost-effective services to students/ members and other clients. Keeping this in view, cordial relationship was maintained with the employees throughout the year. Employees welfare was also considered essential step for motivating the employees for better performance. Recreation programmes including excursion tours were organised during the year. All members of the ICSI Employees Union extended their whole-hearted support in providing efficient and cost-effective services to the students/members and other clients.

These efforts have helped to generate sense of belongingness, improve the morale and overall performance and efficiency of the Institute.

## 15. Secretary

Dr. S. P. Narang retired as Secretary of the Institute on December 31, 2002 on attaining the age of superannuation. The Council places on record its appreciation towards the services rendered by him for over two decades including in the capacity of Secretary for about a decade. Shri N. K. Jain took over as Secretary of the Institute with effect from July 1, 2003.

## 16. Ethics, Values and Morality

A distinguishing characteristic of a profession is the ability to combine ethical standards with the performance of technical skills. The professionals being exclusive custodian of expertise, need to profess high ethical and moral values, and to redeem their noble traditions. A dynamic movement is desired to promote a value revolution with deeper conviction and creative consciousness, leading the members to be good professional citizens. The Naresh Chandra Committee has placed added emphasis on this aspect while recommending expeditious disposal of disciplinary cases. The Council being seized of the issues, has proposed changes in the Company Secretaries Act, 1980 to broad-base the Disciplinary Committee, to strengthen the procedure for expeditious disposal of the complaints relating to professional misconduct. The Council also continued to propagate and emphasise on continuous basis, through various forums, the need for inculcating highest standards of professional ethics, and moral values and adherence to code of conduct of the Institute in its true letter and spirit.

## 17. Future Direction

Globalisation of economies, legislative reforms, advancements in Science and Technology and growing emphasis on clean and transparent business operations have changed the work profile of Company Secretaries. Today's Company Secretary is not only a compliance officer but also a corporate planner, strategist and conscience keeper of the company. This calls for understanding of language of change. and also updation of knowledge and skills to act as competitive differentiator for the corporate sector, without however, compromising on professional standards and ethical practices.

## 18. Acknowledgements

The Council places on record its gratitude to Ministries and Offices of the Central Government, particularly the Department of Company Affairs and SEBI, and other regulatory authorities for their help, guidance and support for the development of the profession and encouraging the activities of the Institute during the year.

The Council is also grateful to various State Governments, Financial/Industrial/Investment Institutions/Corporate Sector, various Stock Exchanges, Chambers of Commerce, Trade Associations and other Agencies in general in availing the services of members of the Institute and in recognizing their expertise.

The Council also places on record its deep appreciation to the Chairmen and Guest Speakers and dignitaries at various programmes, all organisations that made contributions in various programmes, the print and electronic media for disseminating the information about various activities of the Institute.

The Council also places on record its deep appreciation to the Members of the Secretarial Standards Boards, Core Groups of the Institute, Jury members of Corporate Governance Award and Past Presidents and Council Members. The Council places on record its appreciation to our esteemed Members and Students, the Regional Councils and Chapters, including Satellite Chapters for extending their whole-hearted co-operation and assistance and Officers and Staff of the Institute for unflinching commitment and devotion to their duties.

For and on behalf of the Council,

New Delhi
Date: 19th July,2003

PAVAN KUMAR VIJAY, President

[ADVT III/IV/121/2003/Exty.]

APPENDIX 'A'

# Standing And Non-Standing Committees And Advisory Boards

**(Annexure to Point No. 4.3)**

## Standing Committees

| 1. Disciplinary Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Pavan Kumar Vijay, President | Chairman |
| 2. | G Gehani | Member |
| 3. | Yamal Ashwin Kumar Vyas | Member |

| 2. Examination Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Keyoor M. Bakshi, Vice-President | Chairman |
| 2. | Girish Ahuja | Member |
| 3. | Mahesh Anant Athavale | Member |

| 3. Executive Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Pavan Kumar Vijay, President | Chairman |
| 2. | Keyoor M. Bakshi, Vice-President | Member |
| 3. | Girish Ahuja | Member |
| 4. | S Gangopadhyay | Member |
| 5. | R Ravi | Member |

## Non-Standing Committees

| 4. PMQ Course Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Keyoor M. Bakshi, Vice-President | Chairman |
| 2. | Mahesh Anant Athavale | Member |
| 3. | Girish Ahuja | Member |

| 5. CCRT Management Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Pavan Kumar Vijay, President | Chairman |
| 2. | Keyoor M. Bakshi, Vice-President | Member |
| 3. | Girish Ahuja | Member |
| 4. | S Gangopadhyay | Member |
| 5. | R Narayanan | Member |
| 6. | R Ravi | Member |
| 7. | Yamal Ashwin Kumar Vyas | Member |

| 6. Professional Development Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Pavan Kumar Vijay, President | Chairman |
| 2. | Girish Ahuja | Member |
| 3. | Hemant I. Bhatt | Member |
| 4. | H M Choraria | Member |
| 5. | R Narayanan | Member |
| 6. | V Sreedharan | Member |
| 7. | Yamal Ashwin Kumar Vyas | Member |

| 7. Training and Educational Facilities Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Keyoor M. Bakshi, Vice-President | Chairman |
| 2. | Mahesh Anant Athavale | Member |
| 3. | S Gangopadhyay | Member |
| 4. | P V S Jagan Mohan Rao (Dr.) | Member |
| 5. | R Ravi | Membe |
| 6. | Harish K Vaid | Member |

| 8. Practising Company Secretaries Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | V Sreedharan | Chairman |
| 2. | Mahesh Anant Athavale | Member |
| 3. | Hemant I. Bhatt | Member |
| 4. | H M Choraria | Member |
| 5. | R Ravi | Member |
| 6. | G Gehani | Member |

| 9. Regulations Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Harish K Vaid | Chairman |
| 2. | G Gehani | Member |
| 3. | P V S Jagan Mohan Rao (Dr.) | Member |
| 4. | R Ravi | Member |
| 5. | Pallavi Shroff (Ms.) | Member |
| 6. | V Sreedharan | Member |

| 10. Placement Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | R Narayanan | Chairman |
| 2. | H M Choraria | Member |
| 3. | Harish K Vaid | Member |

| 11. Information Technology Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Pavan Kumar Vijay, President | Chairman |
| 2. | Keyoor M. Bakshi, Vice-President | Member |
| 3. | Hemant I. Bhatt | Member |
| 4. | Sheela Bhide (Dr.) | Member |

| 12. Research & Publications Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | S Gangopadhyay | Chairman |
| 2. | H M Choraria | Member |
| 3. | R Narayanan | Member |
| 4. | Pallavi Shroff (Ms.) | Member |
| 5. | Harish K. Vaid | Member |
| 6. | V Sreedharan | Member |
| 7. | Yamal Ashwin Kumar Vyas | Member |

| 13. ICSI Corporate Governance Excellence Award Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | S Gangopadhyay | Chairman |
| 2. | Girish Ahuja | Member |
| 3. | Sheela Bhide (Dr.) | Member |
| 4. | H M Choraria | Member |
| 5. | G Gehani | Member |
| 6. | R Narayanan | Member |
| 7. | R Ravi | Member |

| 14. International Perspective Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Pallavi Shroff (Ms.) | Chairperson |
| 2. | Hemant I. Bhatt | Member |
| 3. | S Gangopadhyay | Member |
| 4. | G Gehani | Member |
| 5. | P V S Jagan Mohan Rao (Dr.) | Member |
| 6. | Harish K. Vaid | Member |

| 15. Co-ordination Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Pavan Kumar Vijay, President | Chairman |
| 2. | Keyoor M. Bakshi, Vice-President | Member |
| 3. | Girish Ahuja | Member |
| 4. | P V S Jagan Mohan Rao (Dr.) | Member |
| 5. | Yamal Ashwin Kumar Vyas | Member |

| 16. Audit Committee | | |
|---|---|---|
| 1. | Girish Ahuja | Chairman |
| 2. | Mahesh Anant Athavale | Member |
| 3. | H M Choraria | Member |
| 4. | G Gehani | Member |
| 5. | R Ravi | Member |

| 17. Secretarial Standards Board | | |
|---|---|---|
| 1. | N J N Vazifdar | Chairman |
| 2. | Bipin S. Acharya | Member |
| 3. | O P Agarwal | Member |
| 4. | Sanjiv Agarwal | Member |
| 5. | Mahesh Anant Athavale | Member |
| 6. | R N Bansal | Member |
| 7. | N L Bhatia | Member |
| 8. | P K Bindlish | Member (Nominee SEBI) |
| 9. | S Chandrasekaran | Member |
| 10. | K R Chandratre (Dr.) | Member |
| 11. | B P Dhanuka* | Member |
| 12. | S Gangopadhyay | Member |
| 13. | K L Kamboj | Member (Nominee DCA) |
| 14. | P B Madhavan | Member |
| 15. | T V Narayanaswamy | Member |
| 16. | B V Ramanamurty | Member (Nominee ICWAI) |
| 17. | K Sethuraman | Member |
| 18. | J Sridhar | Member |
| 19. | S C Vasudeva | Member |
| 20. | Kamlesh S Vikamsey | Member (Nominee ICAI) |
| 21. | Amit K. Vyas* | Member |

* Since Resigned

| 18. Editorial Advisory Board | | |
|---|---|---|
| 1. | S Balasubramanian<br>Officiating Chairman,Company Law Board | Chairman |
| 2. | B S Bhandari<br>Director, Planning Commission | Member |
| 3. | V K Bhasin,<br>Joint Secretary<br>Legislative Department<br>Ministry of Law & Justice | Member |
| 4. | G R Bhatia<br>Additional Director General<br>Competition Commission of India | Member |
| 5. | Renu Budhiraja (Ms.)<br>Additional Director (E-Governance),<br>Ministry of Information Technology | Member |
| 6. | Ramesh Chander<br>Regional Director, Reserve Bank of India | Member |
| 7. | G Gehani<br>Council Member, The ICSI | Member |
| 8. | Delep Goswami<br>Advocate | Member |
| 9. | Piyush Gupta<br>Regional Manager, SEBI | Member |
| 10. | Srinivas Injeti<br>Director, Ministry of Commerce & Industry | Member |
| 11. | U C Nahata<br>Regional Director, Department of Company Affairs | Member |
| 12. | R S Nigam<br>Professor of Commerce & International Business<br>and Director, Delhi School of Economics (Retd.),<br>University of Delhi | Member |
| 13. | R K Pandey<br>Former Executive Director<br>Delhi Stock Exchange | Member |
| 14. | B D Vishnoi<br>Commissioner, Income Tax<br>Appellate Tribunal | Member |
| 15. | R Vasudevan<br>DII, Department of Company Affairs | Member |

**APPENDIX 'B'**

# Details of Attendance of Members at the Council and the Standing and Non-Standing Committee Meetings

**(Annexure to Point No. 4.4)**

| S. NO. | NAME OF THE COUNCIL MEMBER | COUNCIL | | EXECUTIVE COMMITTEE | | DISCIPLINARY COMMITTEE | | EXAMINATION COMMITTEE | | PROFESSIONAL DEVELOPMENT COMMITTEE | | TRAINING AND EDUCATION FACILITIES COMMITTEE | | PRACTISING COMPANY SECRETARIES COMMITTEE | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDE |
| 1 | PAVAN KUMAR VIJAY | 8 | 8 | 7 | 7 | | | 3 | 3 | | | 3 | 3 | | |
| 2 | KEYOOR M. BAKSHI | 8 | 8 | 1 | 1 | | | 1 | 1 | | | 3 | 3 | 5 | 5 |
| 3 | GIRISH AHUJA | 8 | 7 | 7 | 5 | | | 1 | 0 | | | 3 | 1 | | |
| 4 | MAHESH ANANT ATHAVALE | 8 | 8 | | | | | 4 | 4 | 3 | 3 | | | 6 | 6 |
| 5 | HEMANT I. BHATT | 8 | 1 | | | | | | | | | 3 | 0 | 1 | 0 |
| 6 | SHEELA BHIDE (Dr) | 6 | 2 | | | | | | | | | | | | |
| 7 | H. M. CHORARIA | 8 | 7 | | | | | | | | | 3 | 3 | 6 | 6 |
| 8 | S.GANGOPADHYAY | 8 | 8 | 7 | 6 | 5 | 4 | | | 3 | 3 | | | | |
| 9 | G. GEHANI | 8 | 8 | | | 5 | 5 | | | 3 | 3 | | | 1 | 1 |
| 10 | PVS JAGAN MOHAN RAO (Dr.) | 8 | 6 | 6 | 3 | | | | | 3 | 3 | | | | |
| 11 | RAJIV MEHRISHI | 2 | 1 | | | | | | | | | | | | |
| 12 | R. NARAYANAN | 8 | 8 | 6 | 6 | | | | | | | | | | |
| 13 | R. RAVI | 8 | 6 | 1 | 1 | | | 3 | 3 | 3 | 2 | | | 1 | 0 |
| 14 | PALLAVI SHROFF (MS) | 8 | 2 | | | | | | | | | | | | |
| 15 | V. SREEDHARAN | 8 | 6 | | | | | | | | | 3 | 3 | 6 | 6 |
| 16 | HARISH K. VAID | 8 | 6 | | | | | | | 3 | 2 | | | 5 | 4 |
| 17 | YAMAL ASHWIN KUMAR VYAS | 8 | 3 | | | 5 | 3 | | | | | 3 | 0 | | |
| | | DATES OF MEETINGS- 11.05.2002, 03.08.2002, 1.11.2002, 16.11.2002, 19.1.2003, 8/9.02.2003, 14.03.2003, 22.03.2003 | | DATES OF MEETINGS- 02.04.2002, 29.06.2002, 14.08.2002, 4.10.2002, 31.10.2002, 30.12.2002, 13.03.2003 | | DATES OF MEETINGS- 07.07.2002, 12.07.2002, 28.07.2002, 04.01.2003, 12.01.2003 | | DATES OF MEETINGS- 25/26.04.2002, 18.08.2002, 19/20/27.10.2002, 18.02.2003 | | DATES OF MEETINGS- 12.05.2002, 04.08.2002, 30.12.2002 | | DATES OF MEETINGS- 12.05.2002, 02.08.2002, 30.12.2002 | | DATES OF MEETINGS- 21.04.2002, 13.05.2002, 04.08.2002, 21.09.2002, 30.12.2002, 23.02.2003 | |

## APPENDIX 'B' (Contd...)

| S NO. | NAME OF THE COUNCIL MEMBER | REGULATIONS COMMITTEE | | PMQ COURSE COMMITTEE | | PLACEMENT COMMITTEE | | CCRT MANAGEMENT COMMITTEE | | INFORMATION TECHNOLOGY COMMITTEE | | RESEARCH AND PUBLICATIONS COMMITTEE | | COMMITTEE FOR ICSI NATIONAL AWARD FOR EXCELLENCE IN CORPORATE GOVERNANCE | | AUDIT COMMITTEE | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED | HELD DURING THE TENURE OF THE MEMBER | ATTENDED |
| 1 | PAVAN KUMAR VIJAY | | | 2 | 2 | | | 1 | 1 | | | | | | | | |
| 2 | KEYOOR M. BAKSHI | | | | | | | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | | | | |
| 3 | GIRISH AHUJA | | | | | | | | | | | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 |
| 4 | MAHESH ANANT ATHAVALE | | | 2 | 2 | | | 1 | 0 | | | | | | | 1 | 1 |
| 5 | HEMANT I. BHATT | | | | | | | | | 1 | 0 | | | | | | |
| 6 | SHEELA BHIDE (Dr) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 7 | H. M. CHORARIA | | | | | 2 | 2 | | | | | 1 | 0 | 2 | 2 | 1 | 1 |
| 8 | S.GANGOPADHYAY | | | | | | | 1 | 1 | | | 1 | 1 | | | | |
| 9 | G. GEHANI | 1 | 1 | | | | | | | | | | | 2 | 2 | 1 | 1 |
| 10 | PVS JAGAN MOHAN RAO (Dr.) | | | | | | | 1 | 1 | | | | | 2 | 2 | | |
| 11 | RAJIV MEHRISHI | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | R. NARAYANAN | 1 | 0 | | | 3 | 3 | 1 | 1 | | | 1 | 0 | 2 | 2 | | |
| 13 | R. RAVI | 1 | 0 | 2 | 1 | | | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 0 |
| 14 | PALLAVI SHROFF (MS) | 1 | 1 | | | | | | | | | 2 | 1 | 2 | 1 | | |
| 15 | V. SREEDHARAN | | | | | 3 | 2 | | | | | 1 | 0 | | | | |
| 16 | HARISH K. VAID | 1 | 0 | | | 3 | 3 | | | | | 1 | 1 | | | | |
| 17 | YAMAL ASHWIN KUMAR VYAS | | | | | | | 1 | 0 | 1 | 1 | 2 | 0 | 2 | 0 | | |
| | | DATE OF MEETING-27.05.2002 | | DATES OF MEETINGS-26.04.2002, 02.08.2002 | | DATES OF MEETINGS-12.05.2002, 03.08.2002, 01.11.2002 | | DATE OF MEETING-27.04.2002 | | DATE OF MEETING-19.08.2002 | | DATES OF MEETINGS-13.05.2002, 13.08.2002 | | DATES OF MEETINGS-13.05.2002, 15.11.2002 | | DATE OF MEETING-02.08.2002 | |

**APPENDIX 'C'**

# Statistics On Examination Results

**(Annexure to Point No. 10.4)**

## June, 2002 Session

| STAGE OF EXAMINATION | NUMBER OF CANDIDATES | | | PASS PERCENTAGE |
|---|---|---|---|---|
| | ENROLLED | APPEARED | PASSED | |
| FOUNDATION | 4768 | 3952 | 1412 | 35.73 |
| INTERMEDIATE* | | | | |
| - GROUP-I | 9629 | 6245 | 1044 | 16.72 |
| - GROUP-II | 8757 | 5731 | 972 | 16.96 |
| FINAL # | | | | |
| - GROUP-I | 3362 | 2450 | 837 | 34.16 |
| - GROUP II | 4604 | 3249 | 537 | 16.53 |

*** 1520 Candidates appeared for Intermediate Both Groups out of whom 118 candidates passed Both Groups (7.76%)**
**# 744 Candidates appeared for Final in Both Groups out of whom 84 candidates passed Both Groups (11.29%)**

## December, 2002 Session

| STAGE OF EXAMINATION | NUMBER OF CANDIDATES | | | PASS PERCENTAGE |
|---|---|---|---|---|
| | ENROLLED | APPEARED | PASSED | |
| FOUNDATION (New Syllabus) | 2242 | 1928 | 528 | 27.39 |
| FOUNDATION (Old Syllabus) | 2046 | 1651 | 316 | 19.14 |
| INTERMEDIATE* (New Syllabus) | | | | |
| - GROUP I | 2928 | 2045 | 216 | 10.56 |
| - GROUP- II | 1226 | 754 | 117 | 15.52 |
| INTERMEDIATE** (Old Syllabus) | | | | |
| - GROUP I | 8556 | 5252 | 745 | 14.19 |
| - GROUP- II | 7788 | 4822 | 596 | 12.36 |
| FINAL # | | | | |
| - GROUP I | 3374 | 2359 | 838 | 35.52 |
| - GROUP II | 4954 | 3333 | 567 | 17.01 |

*** 374 Candidates appeared for Intermediate (New Syllabus) in Both Groups out of whom 46 candidates passed Both Groups (12.30%)**

**** 1551 Candidates appeared for Intermediate (Old Syllabus) in Both Groups out of whom 75 candidates passed Both Groups (4.84%)**

**# 741 Candidates appeared for Final in Both Groups out of whom 87 candidates passed Both Groups (11.74%)**

# Khanna & Annadhanam

**Chartered Accountants** **Audit Report**

1. We have audited the attached Balance Sheet of The Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 2003 and also the Annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date and report that these financial statements are the responsibility of Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards requires that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatements . An audit includes examining on a test basis evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. On the basis of the audit referred to in paragraphs (1) & (2) above, we report that : -

a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

b) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books account; and

c) The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account drawn up comply with the mandatory accounting standards to the extent they are applicable.

d) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements read with notes and accounting policies attached thereto or appearing thereon, give true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India :

(i) In the case of Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute as at 31st March, 2003; and

(ii) In the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus of the Institute for the year ended on that date.

**For KHANNA & ANNADHANAM**
Chartered Accountants

Place : New Delhi
Date : 19.07.2003

(K A BALASUBRAMANIAN)
Partner

BARAKHAMBA ROAD : Tel.: 91(11) 23315110, 23315119 Fax : 23739215
E-Mail : khannaa@del2.vsnl.net.in

ASAF ALI ROAD : 3/7-B, 2nd Floor, Asaf Ali Road, New Delhi 110 002
Tel. : 91(11)23244061, 23244062, 23244003 Fax : 91(11) 2324447

# Balance Sheet

**As at 31st March**

| Particulars | Schedule | 2003 Rs. | 2003 Rs. | 2002 Rs. |
|---|---|---|---|---|
| **SOURCES OF FUNDS** | | | | |
| Capital Reserve | 1 | | 6,618,670 | 6,254,170 |
| General Reserve | 2 | | 251,969,702 | 231,320,275 |
| **TOTAL** | | | **258,588,372** | **237,574,445** |
| **APPLICATION OF FUNDS** | | | | |
| Fixed Assets | 3 | | | |
| Gross Block | | 155,811,646 | | 151,185,068 |
| Less : Depreciation | | 56,376,909 | | 49,405,896 |
| Net Block | | 99,434,737 | | 101,779,172 |
| Add : Advance for purchase of Land and Buildings under construction | | 594,053 | | 594,053 |
| | | | 100,028,790 | 102,373,225 |
| Investments | 4 | | 136,979,510 | 129,006,102 |
| Current Assets, Loans and Advances | | | | |
| Current Assets | 5 | | | |
| Interest accrued on investments | | 11,484,895 | | 7,994,761 |
| Stocks in hand | | 5,626,763 | | 6,369,266 |
| Sundry Debtors | | 1,120,022 | | 818,959 |
| Cash and Bank balances | | 52,409,783 | | 35,470,895 |
| | | 70,641,463 | | 50,653,881 |
| Loans and Advances | 6 | 23,899,298 | | 22,069,128 |
| | | 94,540,761 | | 72,723,009 |
| Less: Current Liabilities and Provisions | 7 | | | |
| Liabilities | | 40,112,105 | | 34,494,384 |
| Provisions | | 32,848,584 | | 32,033,507 |
| | | 72,960,689 | | 66,527,891 |
| Net Current Assets | | | 21,580,072 | 6,195,118 |
| **TOTAL** | | | **258,588,372** | **237,574,445** |
| **ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS** | **13** | | | |

**As per our report of even date**

**For KHANNA & ANNADHANAM**
**Chartered Accountants**

**For and on behalf of the Council**

**(K. A. Balasubramanian)**
**Partner**

| **S K Arora** | **N K Jain** | **Keyoor M Bakshi** | **Pavan Kumar Vijay** |
|---|---|---|---|
| Joint Director (Finance & Accounts) | Secretary | Vice-President | President |

**Place : New Delhi**
**Dated :19.07.2003**

# Income & Expenditure Account

**For the year ended 31st March**

| Particulars | | Schedule | 2003 Rs. | 2002 Rs. |
|---|---|---|---|---|
| **INCOME** | | | | |
| Fees from Members and Students | | 8 | 106,632,652 | 93,637,527 |
| Sale of Publications | | | 8,144,869 | 7,920,534 |
| Subscription to Journal/Bulletin and Advertisements | | | 3,095,218 | 2,690,053 |
| Interest on Investments (Gross) | | | | |
| (Tax deducted at source 'Nil') | | | 19,270,687 | 17,619,646 |
| Income from Programmes | | | 3,226,094 | 3,942,077 |
| Scientific Research Activities (CCRT) | | | 4,329,362 | 5,304,728 |
| Provision no longer required, written back | | | 1,582,721 | 3,660,779 |
| Others | | 9 | 626,874 | 1,635,207 |
| **TOTAL** | | | **146,908,477** | **136,410,551** |
| **EXPENDITURE** | | | | |
| Establishment | * | 10 | 42,116,428 | 36,531,847 |
| Postal Tuition | | | 15,567,290 | 10,595,676 |
| Publications | | | 1,618,113 | 756,455 |
| Office Stationery | * | | 2,557,141 | 1,787,943 |
| Journal and Bulletins | | | 8,291,805 | 8,103,823 |
| Examinations | | | 9,606,204 | 8,650,042 |
| Communication | * | 11 | 3,212,578 | 3,484,068 |
| Grant to Regional Councils and Chapters | | | 3,742,863 | 3,639,807 |
| Regional Offices | | | 325,785 | 539,156 |
| Travelling and Conveyance | * | | 3,968,681 | 3,789,302 |
| Student Scholarships and Awards | | | 236,102 | 214,211 |
| Professional Development Prog. and Training | ** | | 3,676,845 | 4,104,632 |
| Scientific Research Activities (incl. CCRT) | | | 15,482,963 | 16,063,425 |
| Others | * | 12 | 10,584,182 | 9,476,475 |
| Depreciation | | 3 | 5,320,502 | 6,010,972 |
| Provision for Voluntary Retirement Scheme | | | - | 5,000,000 |
| Provision for leave encashment | | | 2,054,059 | 2,119,323 |
| Provision for shortfall in the value of investments | | | - | 1,101,872 |
| | | | 128,361,541 | 121,969,029 |
| Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve | | | 18,546,936 | 14,441,522 |
| **TOTAL** | | | **146,908,477** | **136,410,551** |

* figures are after allocation to Scientific Research Activities

** includes Rs.3,50,000 allocated to WIRC/Ahmedabad Chapter (Previous Year Rs,1,75,468)

**As per our report of even date**

**For KHANNA & ANNADHANAM**
**Chartered Accountants**

**(K. A. Balasubramanian)**
**Partner**

**For and on behalf of the Council**

| **S K Arora** | **N K Jain** | **Keyoor M Bakshi** | **Pavan Kumar Vijay** |
|---|---|---|---|
| Joint Director (Finance & Accounts) | Secretary | Vice-President | President |

**Place : New Delhi**
**Dated :19.07.2003**

2567GI/2003—7

# Capital Reserve

**Schedule 1**

| PARTICULARS | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| **SOURCES OF FUNDS** | | | |
| As per last Balance Sheet | | 6,254,170 | 5,818,270 |
| Add: Entrance Fees - Associate Members | 328,500 | | 392,700 |
| - Fellow Members | 36,000 | | 43,200 |
| | | 364,500 | |
| **TOTAL** | | **6,618,670** | **6,254,170** |

# General Reserve

**Schedule 2**

| PARTICULARS | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| As per last Balance Sheet | | 231,320,275 | 216,423,643 |
| Add: - Contribution from Regional Councils/ Chapters for Land/ Buildings | 2,094,991 | | 247,610 |
| - Direct donations | 7,500 | | 207,500 |
| - Transfer from Income and Expenditure Account | 18,546,936 | | 14,441,522 |
| | | 20,649,427 | |
| **TOTAL** | | **251,969,702** | **231,320,275** |

2567 GI/2003—8

# Schedule of Fixed Assets

**Schedule 3**

| Sl. No. | Items | Gross Block | | | | Depreciation | | | | Net Block | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Cost as on 1.4.2002 | Additions | Deletions | Total cost as on 31.3.2003 | Total as on 1.4.2002 | For the Year | Deletions | Total as on 31.3.2003 | As on 31.3.2003 | As on 31.3.2002 |
| 1. | Leasehold Land | 10,474,486 | 1,562,441 | - | 12,036,927 | - | - | - | - | 12,036,927 | 10,474,486 |
| 2. | Buildings | 93,358,144 | 595,970 | 768,145 | 93,185,969 | 20,993,846 | 3,599,881 | 410,212 | 24,183,515 | 69,002,454 | 72,364,298 |
| 3. | Furniture & Fixtures | 14,114,448 | 90,930 | 1,250 | 14,204,128 | 5,536,207 | 933,364 | 339 | 6,469,232 | 7,734,896 | 8,578,241 |
| 4. | Computer Network | 15,770,195 | 555,864 | - | 16,326,059 | 12,710,582 | 1,456,301 | - | 14,166,883 | 2,159,176 | 3,059,613 |
| 5. | A.C. Installation and Coolers | 4,759,375 | 132,944 | - | 4,892,319 | 2,484,143 | 371,830 | - | 2,855,973 | 2,036,346 | 2,275,232 |
| 6. | Electrical Equipment | 2,938,674 | 1,424,099 | - | 4,362,773 | 1,684,111 | 412,396 | - | 2,096,507 | 2,266,266 | 1,254,563 |
| 7. | Office Machines and Communication Equipment | 5,741,033 | 1,350,275 | 262,802 | 6,828,506 | 3,126,465 | 587,300 | 149,237 | 3,564,528 | 3,263,978 | 2,614,568 |
| 8. | Other Equipment | 1,144,811 | 1,250 | - | 1,146,061 | 472,949 | 102,231 | - | 575,180 | 570,881 | 671,862 |
| 9. | Library Books | 2,239,082 | - | 54,998 | 2,184,084 | 2,067,288 | 56,095 | 51,500 | 2,071,883 | 112,201 | 171,794 |
| 10. | Vehicles | 644,820 | - | - | 644,820 | 330,305 | 62,903 | - | 393,208 | 251,612 | 314,515 |
| | **Current Year Total** | **151,185,068** | **5,713,773** | **1,087,195** | **155,811,646** | **49,405,896** | **7,582,301@** | **611,288** | **56,376,909** | **99,434,737** | **101,779,172** |
| | Previous Year Total | 146,362,798 | 4,934,270 | 112,000 | 151,185,068 | 40,884,920 | 8,596,067 | 75,091 | 49,405,896 | 101,779,172 | |
| | **Capital Advances** | | | | | | | | | | |
| 1. | Land (Refer Note No.2 of financial notes) | 300,000 | - | - | 300,000 | - | - | - | - | 300,000 | 300,000 |
| 2. | Buildings (under constrn.) | 294,053 | - | - | 294,053 | - | - | - | - | 294,053 | 294,053 |
| | **Current Year Total** | **594,053** | - | - | **594,053** | - | - | - | - | **594,053** | **594,053** |
| | Previous Year Total | 1,295,878 | - | 701,825 | 594,053 | - | - | - | - | 594,053 | |

@ Depreciation on all assets relating to CCRT amounting to Rs. 22,61,799 out of total depreciation of Rs. 75,82,301 has been debited to Scientific Research Activities Expenses

# Investments - At Cost

**Schedule 4**

| Particulars | Date of Maturity | As on 31.3.2002 | Additions | Deletions | As on 31.3.2003 |
|---|---|---|---|---|---|
| **(A) FIXED DEPOSITS** | | | | | |
| **National Thermal Power Corporation** | | | | | |
| 9.5% | 05.09.2004 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| " " | 10.09.2004 | 3,000,000 | - | - | 3,000,000 |
| " " | 20.09.2004 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| 8% | 16.09.2005 | - | 5,000,000 | - | 5,000,000 |
| 7.5% | 29.11.2005 | - | 7,500,000 | - | 7,500,000 |
| **Housing and Urban Development Corporation** | | | | | |
| 12% | | 3,000,000 | - | 3,000,000 | - |
| 12.5% | 04.12.2004 | 6,000,000 | - | - | 6,000,000 |
| 12% | 07.01.2005 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| 8.5% | 07.10.2007 | - | 3,000,000 | - | 3,000,000 |
| 10.5% | 06.07.2008 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| " " | 27.09.2008 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| " " | 10.10.2008 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| 12% | 16.02.2005 | 50,000 | - | - | 50,000* |
| 10.5% | 01.10.2007 | 16,000 | - | - | 16,000* |
| **ICICI Home Finance (9.75%)** | 22.10.2004 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| **Industrial Development Bank of India** | | | | | |
| 10% | 02.11.2006 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| " " | 05.11.2006 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| " " | 06.11.2006 | 1,000,000 | - | - | 1,000,000 |
| **Total (A)** | | **43,066,000** | **15,500,000** | **3,000,000** | **55,566,000** |
| **(B) BONDS** | | | | | |
| **ICICI Bank Ltd.** | | | | | |
| (erstwhile Industrial Credit and Investment Corporation of India Ltd.) | | | | | |
| NIL (Previous Year 89) 15.5% Bonds of Rs.10000 each | | 890,000 | - | 890,000 | - |
| 1000 (Previous Year 1000) 13.5% Bonds of Rs.5000 each | 18.06.2003 | 5,000,000 | - | - | 5,000,000 |
| NIL (Previous Year 1000) 12.1% Bonds of Rs.5000 each | | 5,000,000 | - | 5,000,000 | - |
| 10 (Previous Year 10) 11% Bonds of Rs.1 lac each | 29.08.2005 | 1,000,000 | - | - | 1,000,000 |
| 8 (Previous Year 8) 12.05% Bonds of Rs.1 lac each | 02.09.2005 | 800,000 | - | - | 800,000 |
| 20 (Previous Year 20) 12.15% Bonds of Rs.1 lac each | 23.09.2005 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| 60 (Previous Year 60) 12.1% Bonds of Rs.1 lac each | 06.10.2005 | 6,000,000 | - | - | 6,000,000 |
| 20 (Previous Year 20) 12.1% Bonds of Rs.1 lac each | 09.10.2005 | 2,000,000 | - | - | 2,000,000 |
| 30 (Previous Year 30) 12% Bonds of Rs.1 lac each | 23.10.2005 | 3,000,000 | - | - | 3,000,000 |
| 100 (Previous Year 100) 12% Bonds of Rs.1 lac each | 01.11.2005 | 10,000,000 | - | - | 10,000,000 |
| 200 (Previous Year 200) 12.2% Bonds of Rs.1 lac each | 19.11.2010 | 20,000,000 | - | - | 20,000,000 |
| **Industrial Finance Corporation of India Ltd.** | | | | | |
| 800 (Previous Year 800) 16% Bonds of Rs.5000 each | 06.09.2003 | 4,000,000 | - | - | 4,000,000 |
| **Industrial Development Bank of India** | | | | | |
| 600 (Previous Year 600) 14% Bonds of Rs.10000 each | 05.10.2005 | 6,000,000 | - | - | 6,000,000 |
| 800 (Previous Year 800) 14% Bonds of Rs.5000 each | 16.11.2005 | 4,000,000 | - | - | 4,000,000 |
| 55 (Previous Year 55) 12% Bonds of Rs.1 lac each | 04.10.2005 | 5,500,000 | - | - | 5,500,000 |
| 85 (Previous Year 85) 12% Bonds of Rs.1 lac each | 16.11.2007 | 8,500,000 | - | - | 8,500,000 |
| **Total (B)** | | **83,690,000** | - | **5,890,000** | **77,800,000** |

# Investments - At Cost

**Schedule 4** (Contd.)

| Particulars | Date of Maturity | As on 31.3.2002 | Additions | Deletions | As on 31.3.2003 |
|---|---|---|---|---|---|
| **(C) UNITS (UNDER US-64 SCHEME) OF UNIT TRUST OF INDIA** | | | | | |
| 345983 Units (Previous Year 345983) | | 5,621,129 | - | - | 5,621,129 |
| 10610 Units (Previous Year 10610) | | 153,578 | - | - | 153,578 * |
| | | 5,774,707 | - | - | 5,774,707 |
| Less: Provision for fall in the value of Units | | 3,524,605 | - | 1,363,408 | 2,161,197@ |
| **Total (C)** | | **2,250,102** | - | **(1,363,408)** | **3,613,510** |
| **GRAND TOTAL (A+B+C)** | | **129,006,102** | **15,500,000** | **7,526,592** | **136,979,510** |

* earmarked for Prize Awards (per contra - Schedule 7)
@ refer Note No. 7 to Financial Statements

# Current Assets

**Schedule 5**

| Particulars | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| **Interest Accrued on Investments** | | 11,484,895 | **7,994,761** |
| **Stock (valued, taken and certified by the Management)** | | | |
| Publications | 213,191 | | 377,100 |
| Paper | 4,308,019 | | 5,110,246 |
| Study Material | 315,499 | | 188,628 |
| Others | 790,054 | | 693,292 |
| | | 5,626,763 | **6,369,266** |
| **Sundry Debtors (Unsecured)** | | | |
| Outstanding for more than six months | | | |
| - considered good | 247,042 | | |
| - considered doubtful | - | | 218,292 |
| | 247,042 | | 218,292 |
| Others (considered good) | 872,980 | | 600,667 |
| | | 1,120,022 | 818,959 |
| **Cash and Bank Balances** | | | |
| Cash, Cheques/ Drafts/Postal Orders, Postage Stamps/ Franking units | 449,293 | | 401,729 |
| With Scheduled Banks | | | |
| Savings Bank accounts | 9,125,507 | | 7,409,266 |
| Short/Long Term Deposits {including Rs.12,677 (Previous Year Rs.12,177) for Prize Awards (per contra - Schedule 7) } * | 37,775,386 | | 25,679,199 |
| Interest accrued on Term Deposits | 5,059,597 | | 1,980,701 |
| | | 52,409,783 | 35,470,895 |
| **TOTAL** | | **70,641,463** | **50,653,881** |

* includes Rs. 1,21,11,187 under Linked Term Deposits (Previous year 'Nil')

# Loans and Advances

**Schedule 6**

| Particulars | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| **Loans** | | | |
| Regional Councils/Chapters for buildings | | 17,330,865 | 17,839,405 |
| **Advances** | | | |
| Employees (including interest accrued thereon) | 1,925,241 | | 2,378,255 |
| Regional Councils - SIRC | 1,750,000 | | - |
| Others | 1,216,898 | | 140,665 |
| | | 4,892,139 | 2,518,920 |
| Prepaid Expenses | | 429,679 | 443,388 |
| Sundry Deposits | | 1,246,615 | 1,267,415 |
| **TOTAL** | | **23,899,298** | **22,069,128** |

# Current Liabilities And Provisions

**Schedule 7**

| Particulars | 31.3.2003 | | 31.3.2002 |
|---|---|---|---|
| **Liabilities** | | | |
| Received in Advance | | | - |
| - Student Registration Fee | 22,418,175 | | 20,114,700 |
| - Others | 166,785 | | 124,431 |
| Payable to Regional Councils/ Chapters | 1,760,930 | | 2,535,166 |
| Sundry Creditors | 5,924,825 | | 4,894,621 |
| Expense Payable | 4,318,510 | | 4,110,360 |
| Benevolent Funds | | | - |
| - Employees | 4,510 | | 9,532 |
| - Company Secretaries | (6,897) | | 232,255 |
| Endowment for prize awards (per contra - Schedules 4 & 5) | 232,255 | | 2,473,319 |
| Trusts | 5,293,012 | | |
| | | 40,112,105 | 34,494,384 |
| **Provisions** | | | |
| Leave encashment | 8,261,227 | | 7,759,237 |
| Voluntary Retirement Scheme | 22,500,000 | | 22,500,000 |
| Property Tax | 1,247,004 | | 1,235,917 |
| Write-off of Assets | 840,353 | | 538,353 |
| | | 32,848,584 | 32,033,507 |
| **TOTAL** | | **72,960,689** | **66,527,891** |

# Fees From Members And Students

**Schedule 8**

| Particulars | For the Year Ended 31st March 2003 | | 2002 |
|---|---|---|---|
| **Members** | | | |
| Annual Fees | 4,290,450 | | 4,162,790 |
| Other Fees | 24,350 | | 20,550 |
| | | 4,314,800 | 4,183,340 |
| **Students** | | | |
| Registration Fees | 18,072,195 | | 16,495,455 |
| Exemption Fees | 3,409,897 | | 3,007,970 |
| Postal Tuition Fees | 55,939,156 | | 47,063,377 |
| Examination Fees | 24,364,429 | | 22,189,969 |
| Licentiate Fees | 145,225 | | 172,775 |
| Others (including PMQ) | 386,950 | | 524,641 |
| | | 102,317,852 | 89,454,187 |
| **TOTAL** | | **106,632,652** | **93,637,527** |

# Other Incomes

**Schedule 9**

| Particulars | For the Year Ended 31st March 2003 | 2002 |
|---|---|---|
| Interest on staff advances | 227,425 | 232,467 |
| Surplus on disposal of Assets | - | 11,897 |
| Incentive on Investments | 154,400 | 390,130 |
| Profit on sale of Investments | - | 442,500 |
| Miscellaneous | 157,919 | 496,533 |
| Commission on sale of Taxmann Publications | 87,130 | 61,680 |
| **TOTAL** | **626,874** | **1,635,207** |

# Establishment

**Schedule 10**

| Particulars | For the Year Ended 31st March 2003 | | 2002 |
|---|---|---|---|
| Salaries and Allowances | | 37,337,969 | 34,555,135 |
| Contribution to: Provident Fund | 2,166,606 | | 2,087,630 |
| Gratuity Fund | 4,420,647 | | 1,053,651 |
| Pension Fund | 1,857,000 | | 1,638,000 |
| | | 8,444,253 | |
| Staff Welfare | | 2,329,876 | 1,821,344 |
| | | 48,112,098 | 41,155,760 |
| Less: Allocated to Scientific Research Activities | | 5,995,670 | 4,623,913 |
| **NET** | | **42,116,428** | **36,531,847** |

# Communication

**Schedule 11**

| Particulars | For the Year Ended 31st March 2003 | | 2002 |
|---|---|---|---|
| Postage and Courier | 2,818,855 | | 2,840,401 |
| Telephone, Fax, E-mail, etc. | 720,916 | | 965,051 |
| | | 3,539,771 | 3,805,452 |
| Less: Allocated to Scientific Research Activities | | 327,193 | 321,384 |
| **NET** | | **3,212,578** | **3,484,068** |

# Other Expenses

**Schedule 12**

| Particulars | For the Year Ended 31st March | | | |
|---|---|---|---|---|
| | 2003 | | 2002 | |
| Advertisement and Career Awareness | | 2,593,544 | | 1,868,682 |
| Rent and Taxes | | 178,458 | | 236,278 |
| Electricity and Water | | 2,647,509 | | 2,631,752 |
| Insurance | | 138,671 | | 106,631 |
| Repairs and Maintenance | | | | |
| - Buildings | 242,065 | | | 538,952 |
| - Other Assets | 674,328 | | | 505,325 |
| - Vehicles | 153,613 | | | 124,169 |
| | | 1,070,006 | | |
| Legal | | 271,598 | | 744,491 |
| Professional Services | | 236,666 | | 193,408 |
| Office Expenses | | 1,796,086 | | 1,873,641 |
| Computerisation | | | | |
| - Data Processing | 186,117 | | | 191,162 |
| - Software | 409,282 | | | 329,853 |
| | | 595,399 | | |
| Meetings | | 539,083 | | 359,126 |
| Packing, Cartage and Freight | | 157,906 | | 197,041 |
| Loss on Sale/ Disposal of Assets | | 308,438 | | - |
| Interest Paid | | 4,610 | | 28,336 |
| Bank Charges | | 53,595 | | 42,379 |
| Auditors Remuneration | | | | |
| - Audit Fees | 84,000 | | | 84,000 |
| - Other Services | 100,000 | | | 25,000 |
| | | 184,000 | | |
| Bad and Doubtful Debts | | 15,500 | | - |
| Commission on sale of Publications | | 181,350 | | 95,847 |
| Obsolescence of Assets (Lift at Prasad Nagar) | | 302,000 | | - |
| | | 11,274,419 | | 10,176,073 |
| Less: Allocated to Scientific Research Activities | | 690,237 | | 699,598 |
| **NET** | | **10,584,182** | | **9,476,475** |

# Accounting Policies And Notes To Financial Statements

**Schedule 13**

**(A) ACCOUNTING POLICIES**

1. The Financial Statements of the Institute have been prepared on historical cost convention and accrual basis except to the extent indicated elsewhere, and based on the applicable accounting standards.

2. **Donations and Contributions by Regional Councils/Chapters**

   Direct donations and contributions made by Regional Councils/ Chapters towards purchase of land/ buildings and other assets are taken to General Reserve.

3. **Fees**

   a) Entrance Fee from Associate and Fellow Members is directly credited to "Capital Reserve" when received and no accrual thereof is created.

   b) Fees received from members is accounted for on cash basis. However, fees received in advance is carried over as a liability.

   c) Fees other than registration fees, received from students is accounted for on cash basis. Registration fees received is spread over a period of five years since the benefit accrues to students for a five-year period.

4. **Investments**

   Investments are stated at lower of cost or market value. In the case of units under the US-64 Scheme the investments have been valued at lower of cost or repurchase price given by the Unit Trust of India.

5. **Fixed Assets**

   a) Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the following rates : -

| Item | % |
|---|---|
| Building | 5 |
| Furniture and Fixtures | 10 |
| Airconditioners/ Coolers. and other equipment | 15 |
| Library Books(purchased prior to 01.04.1999) | 33.33 |
| Vehicles | 20 |
| Computers | 40 |

   b) Depreciation on additions is charged for the full year irrespective of dates of additions. No depreciation is charged in the year of sale.

   c) Library books acquired on or after 01.04.1999 is charged to Revenue Account under the head "Books and Periodicals".

   d) Fixed assets, except library books, costing Rs.5000 or less are fully depreciated in the year of acquisition and those whose written down value is Rs.250 or less at the beginning of the year, are fully depreciated.

   e) Premium paid on leasehold land is not amortized over the period of lease.

6. **Inventories**

   a) Stock of paper and other materials are valued at cost.

   b) Stock of study materials, publications, Journal/ Bulletins and audio cassettes are valued at nominal cost of Re.1 for items costing upto Rs.50 and Rs.5 for items costing above Rs.50

7. **Employees retirement and other benefits**

   a) Contribution to Pension Fund Trust is made on the basis of actuarial valuation.

   b) Contribution/ Provision to Gratuity Fund is made based on the notice received from Life Insurance Corporation of India.

   c) Provision for leave encashment is made on the basis of actuarial valuation.

8. **Grants to Regional Councils & Chapters**

   Annual Grants payable to the Regional Councils and Chapters are accounted for when paid and no accrual thereof is created.

**(B) NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS**

1. The Institute has received exemption certificate dated 01.03.2001 under Section 10(23c)(iv) of the Income Tax Act, 1961 for the financial years 2000-2001 to 2002-2003. In view of the exemption available under the said section, no provision for tax has been made in the accounts.

2. Possession of freehold land measuring 500 Sq. Yards re-allotted by Haryana Urban Development Authority (HUDA) at Faridabad to Faridabad Chapter of the Institute at Rs.3.65 Lacs could not be handed over by HUDA due to the existing encroachments on the land and the HUDA have been requested either to clear the encroachments or to allot alternative plot of land which had not been effected so far. A sum of Rs.3.82 Lacs paid till date (Rs.3 Lacs is reflected in Advance for purchase of land in the Institute's books and Rs.0.82 Lacs in the books of the Chapter) continues to be included under Advances.

3. Flat measuring 500 Sq. Ft. at Tirupati Plaza, Surat capitalised at Rs.7,59,000 in the previous year, in respect of which registration formalities are pending completion.

4. The construction at Jaipur Chapter premises, Phase-II completed during the year 1997-2000 at a cost of Rs.5,32,550 has been capitalised during the year, for which the local authorities are yet to issue the completion certificate.

5. Land measuring 288 Sq. Mtrs. purchased for Lucknow Chapter during 2001-02 at a price of Rs.15,62,441 has been capitalised during this year upon receipt of conveyance deed.

6. Lift at Prasad Nagar building capitalised at Rs.6,04,774 in the earlier years continue to remain inoperational for want of adequate electric supply. A sum of Rs.3.02 Lacs has been set aside to cover possible obsolescence even though the said lift has not been put to use, to take care of the normal wear and tear due to passage of time.

7. Units of US-64 have been valued at redemption price indicated by the Unit Trust of India and the shortfall in the value of investment as at 31.03.2003 ascertained at Rs. 21,61,197. The provision of Rs. 13,63,408 in excess over the required shortfall made in the earlier years, has been written back.

8. Following past practice, closing inventories of publication/ study material have been, as a prudent measure, valued at nominal amount since these have no value except to student and that too only when purchased.

9. Balances outstanding in advances recoverable, loans to Regional Councils/ Chapters, etc. are subject to confirmation.

10. Pending formulation and recognition of Voluntary Retirement Scheme, a sum of Rs.225 Lacs set apart upto the year 2001-02, from out of surplus for the proposed Voluntary Retirement Scheme (VRS) to provide for Voluntary retirement payments, continues to be carried under provisions.

11. Previous year figures have been regrouped/ rearranged wherever necessary to compare with current year's figures.

12. The Accounts of Regional Councils and Chapters have not been consolidated as per past practice.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.